हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 17.07.2024 ● वर्ष : 14 ● अंक : 354 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 ~~रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

शंभू बॉर्डर खुलते ही किसान करेंगे दिल्ली कूच, अंबाला एसपी ऑफिस का करेंगे घेराव

चंडीगढ़ : किसान आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किसानों की रिहाई की मांग को लेकर 17 और 18 जुलाई को किसान हरियाणा के अंबाला एसपी ऑफिस का घेराव करेंगे। किसान नेता जगजीत डल्लेवाल ने आंदोलन में मारे गए युवा किसान शुभकर्ण की मौत की जांच हरियाणा पुलिस के अधिकारी को सौंपने को अन्यायपूर्ण बताया। डल्लेवाल ने हरियाणा सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार अपने पुलिस अधिकारियों को बचाने की कोशिश कर रही है। हाईकोर्ट को फिर से जांच के लिए विचार करना चाहिए। किसान नेता ने कहा कि शंभू बॉर्डर खोलने के हाईकोर्ट के आदेश के बाद हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट गई है। हरियाणा सरकार किसानों का नाम लेकर कानून व्यवस्था खराब होने की झूठी दलील दे रही है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली जाना चाहते हैं। किसान शांतिपूर्ण धरना करना चाहते हैं। सभी को मिल कर हरियाणा सरकार पर रास्ता खोलने का दबाव बनाना चाहिए। रास्ता खुलते ही किसान दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों ने पूरी तैयारी कर रखी है। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। जींद में 15 सितंबर को हरियाणा के किसान महापंचायत करेंगे। किसानों ने कहा कि दिल्ली कूच करना किसानों की मजबूरी है। खनौरी बॉर्डर पर किसान जमा होना शुरू हो गए हैं।

आईएएस पूजा खेडकर की फील्ड ट्रेनिंग पर लगी रोक

नयी दिल्ली : विवादित ट्रेनी आईएएस अधिकारी और वाशिम की सहायक कलेक्टर पूजा खेडकर पर बड़ी कार्रवाई हुई है। उनकी ट्रेनिंग पर रोक लगा दी गई है। उन्हें फील्ड पोस्टिंग से हटाकर मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है। यह कदम महाराष्ट्र सरकार द्वारा एलबीएसएनएए को उनके प्रमाणपत्रों, दस्तावेजों, चिकित्सा और अन्य कागजात से संबंधित शिकायतों के बाद उनके व्यवहार पर विभिन्न मामलों में भेजी गई रिपोर्ट के बाद उठाया गया है। साथ ही एक आईएएस प्रोबेशनर के रूप में अपने अधिकारों से परे जाकर विचित्र मांगें करने के लिए भी वो कटघरे में हैं।

डोडा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में कैप्टन सहित चार जवान शहीद

एजेंसी

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए पुलिस के साथ संयुक्त और समन्वित अभियान के दौरान एक कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मी शहीद हो गये। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जम्मू स्थित रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) सुनील बर्तवाल ने कहा कि सोमवार रात 8.40 बजे एक खोज दल ने डोडा क्षेत्र से 10 किमी उत्तर में उरारबग्गी में आतंकवादियों को छिपे हुए होने की सूचना पर अभियान शुरू किया। वह इलाका घने जंगलों वाला और पहाड़ी क्षेत्र है और बादलों व बारिश के कारण दृश्यता सीमित है।

उन्होंने कहा, शुरूआती गोलीबारी में, सेना के चार जवान घायल हो गए, जिन्होंने बाद में दम तोड़ दिया। आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए अतिरिक्त सैनिक और उपकरण बुलाए गए एवं ड्रोन तथा अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। शहीद सैनिक हैं: कैप्टन ब्रिजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय।

पीआरओ ने कहा, सेना उन विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त और समन्वित अभियान चला रही है, जो घुसपैठ कर चुके हैं तथा उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ एवं भद्रवाह जिलों के ऊपरी इलाकों और उसके बाद कश्मीर घाटी की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह के ऑपरेशन कठुआ क्षेत्र में लगातार चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल के दिनों में कई ऑपरेशनों के परिणामस्वरूप 26 जून को गंदोह में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया, साथ ही 11 जून को छत्तर गली आतंकवादी हमले को भी सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया। उन्होंने कहा, मृत आतंकवादियों के पास से बरामद बड़ी मात्रा में युद्ध जैसे भंडार के विश्लेषण से सीमा पार की शुरूआती एजेंसियों का हाथ होने का पता चलता है।

इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोस्ट किया, मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। राष्ट्र हमारे सैनिकों के परिवारों के साथ दृढ़ता से खड़ा है जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया है। आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहे हैं, और हमारे सैनिक आतंकवाद के संकट को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा क्षेत्र में शांति एवं व्यवस्था बहाल करें। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी ड्यूटी के दौरान सेना के जवानों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, डोडा जिले में हमारे सेना के जवानों और जेकेपी कर्मियों पर कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि। शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्होंने कहा, हम अपने सैनिकों की मौत का बदला लेंगे और आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर देंगे। मैं लोगों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने और हमें सटीक जानकारी प्रदान करने का आह्वान करता हूं ताकि हम आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर सकें तथा आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को बेअसर कर सकें।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, मेरे लोकसभा क्षेत्र में जिला डोडा के देसा इलाके में सशस्त्र मुठभेड़ों की खबरों से बेहद परेशान हूं। उन्होंने कहा, हमारे बहादुरों की शहादत पर शोक व्यक्त करने और निंदा करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। आइए हम सभी मिलकर दुश्मन के नापाक मंसूबों को हराएं और शांति और सद्भाव बनाए रखें जिसके लिए डोडा हमेशा से जाना जाता है। एडीजीपीआई ने क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने के लिए डोडा में एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते हुए पोस्ट किया, भारतीय सेना दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। डोडा में ताजा मुठभेड़ जम्मू क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों में हाल ही में आई तेजी का हिस्सा है। गत नौ जुलाई को डोडा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई।

इससे पहले आठ जुलाई को कठुआ जिले के मछेड़ी इलाके के लोहाई ब्लॉक के बदनोट गांव में ट्रक पर आतंकवादियों के हमले के बाद हुई गोलीबारी में सेना के पांच जवान शहीद हो गए और कई घायल हो गए। गत 11-12 जून को डोडा जिला दोहरे आतंकी हमलों से दहल गया था।

राजनाथ सिंह ने चार सैनिकों के शहीद होने पर किया दुःख व्यक्त

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार रात आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में चार सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, डोडा में आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान सेना के चार बहादुर सैनिकों के मारे जाने पर बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले इन सैनिकों के परिवारों के साथ राष्ट्र मजबूती के साथ खड़ा है। आतंकवाद रोधी अभियान जारी है और हमारे सैनिक आतंकवाद का सफाया कर क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी सहित चार सैनिक शहीद हुए हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने सुबह सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र त्रिवेदी से बात कर आतंकवाद रोधी अभियान के बारे में जानकारी ली थी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे रांची, कहा-

'हम पीएम का सम्मान करते हैं, वो राज्यों का सम्मान करें'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दिल्ली से रांची पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन ने आज बिरसा एयरपोर्ट पर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात औपचारिक मुलाकात थी। इस दौरान देश के संघीय लोकतंत्र पर बात हुई है। एक अन्य सवाल के जवाब में सीएम हेमंत ने कहा कि वो देश के प्रधानमंत्री हैं और देश चला रहे हैं। हम राज्य के मुख्यमंत्री हैं और राज्य चला रहे हैं। उन्होंने पीएम से कहा, हम आपका सम्मान करें और आप संघीय लोकतंत्र और राज्यों का सम्मान करें।

वहीं, काशी यात्रा के बारे में पूछे जाने पर सीएम ने कहा कि उन्होंने विश्वनाथ और भगवान काल भैरव से राज्य और राज्यवासियों की खुशहाली और सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। बता दें कि इस सप्ताह सीएम हेमंत दिल्ली और काशी की यात्रा पर थे। वे आज ही रांची लौटे हैं। यात्रा के दौरान सीएम के साथ पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन भी साथ थीं।

खनिज संपदा और मानव संसाधन के बावजूद नहीं हुआ झारखंड का विकास : अनुराग ठाकुर

बोकारो : झारखंड के बोकारो जिले के सेक्टर-1 स्थित हंस पैलेस में मंगलवार को बेहतर झारखंड युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर एवं बेहतर झाररखंड के संस्थापक विवेक सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पार्जन कर किया। मौके पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यहां के युवा अपने राज्य के लिए काम करना चाहते हैं लेकिन यहां की सरकार के उदासीन रवैए के कारण राज्य का समुचित विकास नहीं हो पा रहा। झारखंड में खनिज संपदा के साथ-साथ मानव संसाधन मौजूद हैं। इसके बावजूद देश के अन्य राज्यों की औसत बेरोजगारी दर से झारखंड की बेरोजगारी दर एक प्रतिशत ज्यादा है। यहां की सरकार को चाहिए कि झारखंड की खनिज संपदा का इस्तेमाल यहीं पर नए उद्योग-धंधों व कल-कारखानों को खोलकर करें, ताकि यहां के युवाओं व बेरोजगारों को रोजगार के साथ-साथ राज्य का आर्थिक विकास भी हो पाए। अनुराग ने कहा कि झारखंड के साथ बने अन्य राज्य आगे बढ़ गए लेकिन झारखंड क्यों नहीं आगे बढ़ा। इस पर यहां की सरकार और जनता को मंथन करना होगा। झारखंड को मानइनिंग फंड से लगभग नौ हजार करोड़ रुपये सालाना राजस्व की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से भरपूर राज्य है लेकिन यहां से युवा पलायन कर रहे हैं। इसलिए केवल खनिज संपदा आधारित उद्योग ही नहीं, बल्कि युवाओं के साथ संवाद स्थापित कर स्टार्टअप के जरिए उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है, तभी बेहतर झारखंड की परिकल्पना की जा सकती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने 'बेहतर झारखंड' युवा संवाद कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल झारखंड के उन नौजवानों के लिए है, जो राज्य के लिए कुछ करना चाहते हैं।

नीट पेपर लीक मामले में झारखंड के हजारीबाग से एक और गिरफ्तारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने मंगलवार को हजारीबाग से एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित राजकुमार उर्फ राजू बताया गया है। इसके अलावा सीबीआई ने पटना से पंकज को भी गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पंकज पर नीट का पेपर चोरी करने का आरोप है और राजू ने इसे आगे बढ़ाया था।

सीबीआई टीम दो दिनों से हजारीबाग आना-जाना कर रही थी। सीबीआई की टीम ने सोमवार को हजारीबाग के रामनगर स्थित राज गेस्ट हाउस में छापेमारी की थी। इससे पहले राज गेस्ट हाउस के मालिक राजकुमार सिंह सिंह उर्फ राजू के कदमा स्थित आवास में छापेमारी की।

सोमवार को टीम ने राजू को हिरासत में लेकर राज गेस्ट हाउस पहुंची। टीम ने उससे गेस्ट हाउस खोलने के लिए चाबी की मांग की, जब चाबी नहीं मिली तो टीम ने ताला तोड़ दिया। टीम ने गेस्ट हाउस को घंटों खंगाला, जहां से कई संदिग्ध दस्तावेज सीबीआई को हाथ लगे हैं। सीबीआई की टीम राजकुमार उर्फ राजू को अपने साथ पटना ले गई। सीबीआई की पांच सदस्य टीम एक इनोवा और एक-एक अर्टिगा कार से पहुंची थी। उनके साथ दो संदिग्ध भी थे, जिनको आमने-सामने बैठाकर गेस्ट हाउस में ही राजकुमार राजू के साथ पूछताछ की गई। गिरफ्तार लोगों की निशानदही पर छापेमारी की गई। बताया गया है कि हजारीबाग से गिरफ्तार हुए ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम और पत्रकार जमालुद्दीन से उसके तार जुड़े हुए हैं।

अगस्त से राज्य की महिलाओं के अकाउंट में भेजेंगे एक-एक हजार रुपये : मिथिलेश ठाकुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गढ़वा : पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि अगस्त महीने से 21 से 49 वर्ष तक की राज्य की सभी महिलाओं को एक हजार रूपया उनके अकाउंट में भेजा जायेगा। बता दें कि ठाकुर ने आज गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के मेराल प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गावों का दौरा किया। इस दौरान मंत्री ठाकुर ग्रामीणों से रू-ब-रू हुए। उन्होंने क्षेत्र की समस्या से अवगत होते हुए यथाशीघ्र निदान करने की बात

कही। साथ ही ग्राम नवादा और ग्राम करके में मुहर्रम कमिटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम भाग लिया। इस क्रम में झारखंड सरकार के कार्यों से प्रभावित होकर दुलदुलवा में विभिन्न राजनीतिक दलों को छोड़कर 200 से अधिक लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गये। मंत्री ने कहा, पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने जनता को सिर्फ ठगने का काम किया है। ऐसे लोगों को सबक सिखाने का समय आ चुका है।

आगामी विधानसभा चुनाव में जनता खुद ही विकास विरोधियों, झूठे एवं फरेबियों का जमानत जब्त कराने को तैयार है। जनता इस बार बता देगी कि झूठ एवं फरेब से नहीं विकास कार्यों पर वोट मिलता है। कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद से लगातार समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों को ध्यान में रख कर योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। पहले बुजुर्ग पेंशन के लिए इंतजार करते थे।

बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासियों की बेटियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प रहे हैं : हिमंत विस्वा सरमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : असम के मुख्यमंत्री और विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के झारखंड सह प्रभारी हिमंत विस्वा सरमा ने कहा कि देश में ऐसा कानून बनना चाहिए, जिससे घुसपैठिए आदिवासियों की बेटियों से शादी न कर सकें। बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासियों की बेटियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प रहे हैं। हमें इसे मुस्लिमों का जमाई टोला नहीं बनाना है। वे मंगलवार को तोरपा में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मान सह विजय संकल्प सभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

राज्य की हेमंत सरकार पर तीखा हमला करते हुए हिमंत विस्व सरमा ने कहा कि अपने पांच साल के कार्यकाल में राज्य सरकार अपना एक भी वादा पूरा नहीं कर सकी। उन्होंन कहा कि हेमंत ने विधानसभा चुनाव के समय जो वादा किया, सब भूल गये। हेमंत सोरेन ने कहा था कि पांच लाख युवाओं को नौकरी देंगे लेकिन एक लाख को भी नौकरी नहीं मिली। उन्होंने कहा, मेरा चैलेंज है कि आप फिर सीएम बन गये हैं, अब दो महीने का समय है, आप अभी भी जो दे सकते हैं, झारखंड की जनता को दे दीजिये। हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि झारखंड का गणित उल्टा है। लोकसभा चुनाव में हमने 14 में नौ सीटों पर जीत हासिल की और कांग्रेस-झामुमो को पांच सीटें मिली, फिर भी वे जीत ये और भाजपा हार गई। लगता है

झारखंड में नौ से बड़ा पांच होता है।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने चमत्कार दिखा दिया है। नौ सीटें दिलाकर मोदी को पीएम बनाया। देश में माहौल ऐसा है कि 240 सीटें भाजपा को मिली और कांग्रेस को मात्र 99 सीटों पर जीत मिली लेकिन कांग्रेस ऐसी खुशी मना रही है जैसे 100 सीटों में कांग्रेस ने 99 सीटें जीत ली हो। सरमा ने कहा, अरे राहुल बाबा 542 में आपको 99 सीटें मिली हैं, सौ में नहीं। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा का ज्ञान शुरूआत से कम था, आगे भी कम रहेगा। राहुल बाबा कहते है 240 लेकर हार गये और 99 लेकर जीत गये।

सरमा ने कहा कि जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी ही लगाार तीसरी बार पीएम बने हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का जोश बरकरार रहना चाहिए। कांग्रेस और झामुमो को झारखंड से विदा करना है और भाजपा के नेतृत्व में नया झारखंड बनाना है। हेमंत सोरेन पर कटाक्ष करते हुए हिमंत ने कहा, हेमंत जेल गये। कोई स्वतंत्रता आंदोलन करके जेल नहीं गये। वो भ्रष्टाचार करके जेल गये। चम्पाई सोरेन की तारीफ करते हुए सरमा ने कहा कि चम्पाई सोरेन सरकार ने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया था। सोरेन का लगा कि चम्पाई सीएम रहेंगे, तो दलाली नहीं चलेगी।

वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की हत्या

एजेंसी

पटना : वीआईपी प्रमुख और बिहार के पूर्वमंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या से लोग सन्न हैं। उन्हें सोमवार देररात घरपर धारदार हथियार से हमलाकर मौत के घाट उतार दिया गया। घर पर सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा है। पुलिस ने जीतन सहनी का क्षत-विक्षत शव बरामद किया है। दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने इसकी पुष्टि की है। बिहार के पूर्वमंत्री मुकेश सहनी पिता की हत्या की सूचना मिलते ही मुंबई से घर के लिए रवाना हो चुके हैं। उनके पिता जीतन घर पर अकेले रहते थे। मुकेश सहनी की मां का करीब आठ वर्ष पहले निधन हो चुका है।

पुलिस ने तफ्तीश शुरू कर दी है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। जीतन सहनी का घर दरभंगा के सुपौल बाजार के अफजला पंचायत में है।

मुकेश सहनी विकासशील इंसान पार्टी महागठबंधन का हिस्सा है। मुकेश नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के करीबी माने जाते हैं। मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या मामले में पुलिस दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस मुख्यालय का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। अपर पुलिस महानिदेशक जितेंद्र गंगवार ने कहा कि पुलिस वैज्ञानिक तरीके से मामले का अनुसंधान कर रही है। एसआईटी का गठन किया गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस के अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता से मामले की जांच कर रहे हैं। फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम भी घटनास्थल पहुंच रही है। इस मामले में किसी प्रकार की सूचना देने के लिए दरभंगा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नंबर भी जारी किए गए हैं।

एक नजर

ट्रक की चपेट में आने से महिला जख्मी

कटकमसांडी : मंगलवार को अहले सुबह हजारीबाग से तीव्र गति से कटकमसांडी की ओर जा रही सीमेंट लदे ट्रक ने विपरित दिशा से आ रही एक बाइक को अपने चपेट मे लिया, जिसमे बाइक पर बैठी महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई और ट्रक पलट गया। यह ट्रक चतरा की बताई जा रही है।

हजारीबाग में यशवंत सिन्हा से मिले सरयू राय

हजारीबाग : जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय मंगलवार को हजारीबाग पहुचे। उन्होंने अपराह्न तीन बजे डेमोटांड़ स्थित ऋषभ वाटिका में पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच राष्ट्रीय व झारखंड की राजनीति पर विचार-विमर्श हुआ। विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। मुलाकात के बाद सरयू राय ने कहा कि यशवंत सिन्हा से हमारा पुराना संबंध है। उन्होंने कहा कि झारखंड का विकास कैसे हो, विकास के नाम पर जो भी गलत कार्य किये गये हैं उसकी रोकथाम के लिए क्या रणनीति हो, इन सभी मुद्दों पर दोनों नेताओं ने विचार-विमर्श किया। यशवंत सिन्हा ने कहा कि सरयू राय से हमने कई बार अनुरोध किया था कि जब वह हजारीबाग पहुंचे तो हमसे आवास पर जरूर मुलाकात करें। दोनों नेताओं के बीच हुए विचार-विमर्श को झारखंड की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

110वां श्री सुंदरकांड का हुआ आयोजन

रांची : कंचन बरन विराज सुबेसा कानन कुंडल कुंचित केसा हाथ बज और ध्वजा विराजे कांधे मूंज जनेऊ साजे के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 110 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 110 वा कार्यक्रम आज भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। संतोष कुमार सिंह सबिता सिंह ने परिवार के संग हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की । मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा केसरिया पेड़ा सेवा श्रीमती पुष्पा देवी पोद्दार फल प्रसाद सेवा राजेश जयसवाल एवम गिरिगोला सेवा मुकेश मित्तल ने निवेदित की। संतोष कुमार सिंह ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचको का चंदन वंदन किया। श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली झांझ करताल के सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से सामूहिक रूप से पाठ किया।

मुहर्रम को लेकर निषेधाज्ञा लागू

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय हजारीबाग एवं पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग अरविंद कुमार सिंह के संयुक्त आदेशानुसार दिनांक 17/07/2024 को मुहर्रम 2024 का त्योहार शौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने हेतु हजारीबाग सदर अनुमण्डल क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू करने के आदेश दिए है ताकि किसी प्रकार की विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो। इस बाबत अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सदर द्वारा सदर अनुमण्डल के क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा आदेश घोषित की गई है।

हजारीबाग में दो गुटों में तनाव, फिलहाल हालात नियंत्रण में, इलाका पुलिस छावनी में तब्दील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव में दो गुटों में तनाव, फिलहाल हालात नियंत्रण में इलाका पुलिस छावनी में तब्दीलपुलिस ने हालात पर नियंत्रण कर लिया है। दो गुटों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गयी है यह घटना जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के विश्रामपुर की है, जहां एक गुट ने दूसरे गुट पर मारपीट का आरोप लगाया है। इसकी सूचना मिलते ही सैकड़ो ग्रामीण थाना पहुंच गये और कार्रवाई की मांग करने लगे। थाना में उपस्थित बड़कागांव एसडीपीओ कुलदीप कुमार और थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। साथ ही पीड़ित पक्ष के लोगो को पुलिस अपनी गाड़ी में बैठाकर घटनास्थल पर ले गयी और स्थिति से अवगत हुए। इधर स्थिति नियंत्रण में है। घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों महिला व पुरुष पुलिस जवानों को बुलाया गया है। हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह खुद बड़कागांव थाना पहुंचकर स्थिति पर नजर रखते हुए लगातार कैंप कर रहे हैं। पुलिस लगातार गस्ती और छापेमारी कर रही है।एक गुट ने दूसरे गुट पर गाली गलौज करने और जाति सूचक शब्द कहने का लगाया आरोपएक गुट ने थाना में आवेदन दिया है। आवेदन में कहा गया है कि मुस्लिम मोहल्ला बड़कागांव के 18 पैकवाहा बादम होते हुए हम जैसे ही विश्रामपुर पहुंचे। 15- 20 लोग हरवे हथियार के साथ आये और उनको रोककर गाली गलौज करने लगे। साथ ही उनलोगों ने आपत्तिजनक जाति सूचक कहकर दूसरे समुदाय का नारा लगाने पर मजबूर किया। शिकायत में लिखा कि नारा नहीं लगाये जाने पर उनके साथ मारपीट की। कहा कि किसी तरह जान बचाकर महुदी नदी की ओर भागे और हो हल्ला किया। हल्ला सुनकर महुदी के लोगों ने बीच बचाव किया। आवेदन में कहा गया है कि किसी को पहचानते नहीं है। लेकिन सामने आने पर पहचान कर सकते हैं।

मनरेगा कर्मचारी संघ ने की 18 से 20 तक सांकेतिक हड़ताल की घोषणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के कर्मी अपने प्रस्तावित आंदोलन वादा निभाओ, स्थाई करो कार्यक्रम के तहत 18 से 20 जुलाई तक सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे। वहीं, मांगें पूरी नहीं होने पर 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन कालीन हड़ताल शुरू की जायेगी। संघ ने कहा है कि पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री ने संवाद कार्यक्रम में आकर मनरेगा कर्मियों की सेवा को स्थाई करने का खुले मंच से वादा किया था' लेकिन इसे पूरा नहीं किया गया। इससे कर्मियों में आक्रोश है। प्रस्तावित हड़ताल की सूचना झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री, प्रधान सचिव और मनरेगा अयुक्त को 20 दिन पूर्व में ही दे दी गई थी' इस कार्यक्रम के तहत 02 जुलाई को मुख्यमंत्री और मंत्री आवास घेराव, 08 जुलाई को खटट केंद्रीय कार्यालय का घेराव, 10 जुलाई को सभी जिला मुख्यालयों का घेराव किया गया। सेवा को स्थाई करने के लिए औ? लंबित मांगों की पूर्ति हेतु मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया गया ' लेकिन सरकार के द्वारा न तो संघ से वार्ता की गई और न ही स्थाईकरण की मांगों पर कोई पहल की गयी। बाध्य होकर प्रस्तावित तिथि से मांग पूरी होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। संघ ने कहा है कि हड़ताल में लगभग 6000 कर्मी हिस्सा लेंगे। इस हड़ताल से मनरेगा अंतर्गत बिरसा सिचाई संवर्धन कूप, बिरसा हरित आम बागवानी, अबुआ आवास, वीर पोटो हो खेल सहित महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित होगा' वहीं, इस हड़ताल से लगभग 250000 मजदूरों की मजदूरी का भुगतान भी प्रभावित होगा।

संविदा पर कार्यरत कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर सरकारी कार्य किया निष्पादित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी एवं संविदा पर कार्यरत कार्मियों का 9 सूत्री मांग को लेकर काला बिल्ला लगाकर सरकारी कार्य निष्पादित किया। बताते चले की झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के द्वारा ज्ञापांक -24 23 जून 2024 के द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत 9 सूत्री मांग की पूर्ति हेतु झारखंड राजभवन रांची के सामने एकदिवसीय महाधरना का आयोजन किया गया था । जिसमें राज्य के 24 जिलों के समाहरणालय संवर्ग के प्रतिनिधियों एवं समाहरणालय लिपिकों कम्प्यूटर ऑपरेटरों, चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों एवं संविदा पर कार्यरत कर्मियों द्वारा भाग लिया गया। महाधरना राज्य अध्यक्ष राजेश रंजन दुबे एवं प्रदेश महासचिव वीरेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया धरना में उपस्थित सभी जिलों के पदाधिकारीयों/ प्रतिनिधियों के द्वारा नौ सुत्री मांग की पूर्ति हेतु राज्य सरकार के द्वारा अब तक कोई कदम नहीं उठाए जाने पर भारी रोष व्यक्त किया गया। सभी जिला के जिला अध्यक्ष एवं सचिव तथा प्रतिनिधियों के विचार विमर्श कर उपरांत सर्वसम्मिति से नौ सूत्री मांग की पूर्ति हेतु आंदोलन करने का फैसला किया गया। आंदोलन के पहले दिन प्रखंड कार्यालय में कर्मियों द्वारा काला बिल्ला लगाकर विरोध सरकारी कार्य को निष्पादित किया। 20 जुलाई को मुख्य संरक्षक भारत यादव के नेतृत्व में प्रखंड अंचल सहित सभी कार्यालय के कर्मिगण जिला मुख्यालय में उपायुक्त को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे। मौके पर रामकुमार ठाकुर, कृष्ण दास, रणधीर कुमार, बहादुर महतो, सचिन कुमार, दीपक कुमार रवि, विवेक आनंद, प्रकाश कुमार, दीपक कुमार, अनंत कुमार कुशवाहा, मनीष पाठक सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

एक पेड़ मां के नाम के तहत भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के साथ किया पौधरोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र में पिछले 5 जून से भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद के द्वारा निरंतर रूप से हरियाली महोत्सव के तहत आम जनता के बीच पौधा वितरण एवं पौधारोपण का कार्यक्रम किया जा रहा है इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक मां के नाम लगाने का समस्त देशवासियों से अपील की है जिसके बाद भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद हरियाली महोत्सव एवं एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण एवं पौधा का वितरण किया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को शहर के जुलु पार्क स्थित विशप हाउस एवं संत एनी गर्ल्स हॉस्टल पहुंचे जहां पर प्राचार्य सिस्टर एनिमा पुष्पा सारस के द्वारा भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद का स्वागत व अभिनंदन किया गया जिसके बाद श्री प्रसाद ने हॉस्टल की बच्चों से मुलाकात किया इसके बाद बच्चों के संग मिलकर प्रदीप प्रसाद ने पौधारोपण किया वही बच्चों के बीच पौधा का वितरण भी किया। इसके बाद दीपूगढ़ा स्थित संत माइकल मूक बधिर विद्यालय प्रांगण पहुंचे जहां पर करीब 200 से भी अधिक बच्चों के द्वारा प्रदीप प्रसाद का स्वागत व अभिनंदन किया गया विद्यालय की प्राचार्य सविता टोप्पो ने आत्मीयता के साथ प्रसाद का स्वागत व अभिनंदन किया इसके बाद प्रदीप प्रसाद ने विद्यालय के बच्चों के संग मिलकर विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया साथ ही विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के बीच पौधा का वितरण किया गया इसके पश्चात विद्यालय के बच्चों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया जिसमें बच्चों ने बेहतर संदेश दिया। इस बीच उन्होंने झारखंडी नृत्य भी प्रस्तुत करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति संदेश देते हुए लोगों से पौधा लगाने की अपील की। इसके बाद प्रदीप प्रसाद ने बच्चों के साथ एक सामूहिक तस्वीर लेते हुए बच्चों को प्रोत्साहित किया।

शेफाली गुप्ता ने की शिव मंदिर में पूजा-अर्चना

हजारीबाग : शहर के ओकनी स्थित बड़ा शिव मंदिर एवं छोटा शिव मंदिर में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने पूजा- अर्चना कर दर्शन किया। माथा टेककर समस्त सदर विधानसभा क्षेत्रवासियों के लिए सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की। मंदिर कमिटी के सदस्यों ने भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता को चुनरी पहनाकर स्वागत व अभिनंदन किया। उन्होंने मंदिर के कार्य एवं अनुष्ठान में हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिया। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि सदर विधानसभा क्षेत्र मेरा परिवार है। समस्त विधानसभा क्षेत्रवासियों के लिए सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना करती हूँ। मौके पर विशेष रूप से जयप्रकाश उर्फ जेपी, अमित सिन्हा, मनीष कुमार, सत्यभामा एवं रानी शुक्ला आदि लोग उपस्थित थे।

श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ बना धार्मिक आस्था का केंद्र

भव्य भंडारे के साथ संपन्न हुआ नवग्रह प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के दक्षिणी शिवपुरी में श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर में हो रहे 11दिवसीय नवग्रह प्राण प्रतिष्ठा पूणार्हुति के उपरांत भव्य भंडारे के साथ संपन्न हुआ बताते चलें कि अहले सुबह से ही यज्ञाचार्य जगदीश दास एवं वाराणसी , मथुरा से आए विद्वतजनों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से मुख्य यजमान प्रशांत कुमार प्रधान एवं यजमान सह दक्षिणी शिवपुरी काली पूजा समिति अध्यक्ष प्रभात कुमार प्रधान ने पूजा अर्चना के उपरांत हवन किया ' जहां यज्ञ की पूणार्हुति हुई इस दौरान लगातार शिवपुरी सहित आस पास के महिला पुरुष श्रद्धालुओं का आवागमन रहा जो भक्ति भाव से पूजा अर्चना किया इस दौरान श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ (दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर) धार्मिक आस्था का केंद्रबिंदु बना पूजा अर्चना के दौरान समस्त शिवपुरी जय मां काली , जय श्री राम , हर हर महादेव के नारों से गूंजायमान रहा यज्ञ के सफल समापन पर अध्यक्ष प्रभात कुमार प्रधान ने कहा कि मंदिर प्रांगण में हमेशा यह महसूस होता है कि मां काली यहां स्वयं विराजमान है। जिनके आशीर्वाद से हर पूजन अनुष्ठान निर्बाध संपन्न होता है वहीं मुख्य यजमान प्रशांत कुमार प्रधान ने कहा कि हर सफल आयोजन में सहयोगियों का अहम भूमिका होता है और हमारे शिवपुरी में हम सभी शिवपुरी वासी एक परिवार के लोग हैं जिसके परिणाम स्वरूप यहां हर आयोजन ऐतिहासिक अद्वितीय रहता है आगे उन्होंने कहा कि मां काली की असीम अनुकम्पा से हम हर दूसरे आयोजन को और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। बताते चलें कि श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ का प्राण प्रतिष्ठा दो वर्ष पूर्व हुआ था। जिसका द्वितीय वर्षगांठ के साथ नवग्रह का प्राण प्रतिष्ठा व पुनर्नुष्ठान भी किया गया। ज्ञात हो कि श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ में मां काली, मां दुर्गा, दस महाविद्या, शिव परिवार, पंचमुखी हनुमान, बटुक भैरव, श्री राम दरबार, भगवान भास्कर, भगवान ब्रह्मा, चित्रगुप्त भगवान, भगवान विश्वकर्मा, वरुण देव, राधे कृष्ण, नवग्रह, सहित दर्जनों देवी देवताओं की प्रतिमा को स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग में मनाया गया मुहर्रम, मुन्ना सिंह ने दिया सामुदायिक एकता का संदेश

हजारीबाग : हजारीबाग के सुजैत चौक स्थित समाजसेवी इरफान अहमद उर्फ काजू द्वारा मोहर्रम और इस्लामीक नया साल 1446 हिजरी के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में सद्भावना विकास मंच और मुस्लिम समाज के सदस्यों ने मिलकर मुन्ना सिंह का स्वागत किया, और मुस्लिम समाज के नेता और समाजसेवी इरफान अहमद उर्फ काजू ने मुन्ना सिंह को तलवार और पगड़ी भेंट कर सम्मानित किया। मंच संचालन का कार्य सद्भावना विकास मंच के दीपक कुमार ने किया। कार्यक्रम में सदर थाना प्रभारी स्वपन कुमार, मुकसिर आलम, सुहेब अख्तर, जेपी जैन, मो. साबीर, रोमी सिंह, मो. जम्मुद्दीन, मो. जमाल, सरदार चौक के खलिफा अयान रजा, मयंक सर, मो. सरप्राज, खान रोड से मो. शलीम, अंसारी रोड खिरगांव के मो. अल्ताफ, याशिन अली, चिश्तिया मोहल्ला के खलिफा, मो. यासिन, और काजी मोहल्ला के मो. फैज समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह कार्यक्रम सामुदायिक एकता और सौहार्द्र का प्रतीक है, जिसमें विभिन्न समाज के लोगों ने मिलकर अपनी संस्कृति और परंपराओं का उत्सव मनाया। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में भाईचारे और आपसी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।

2016 कट ऑफ डेट को लेकर युवा विस्थापित मोर्चा के लोग जिला मुख्यालय तक करेंगे पदयात्रा

बड़कागांव : बड़कागांव विस्थापन क्षेत्र के अंतर्गत युवा विस्थापित मोर्चा के बैनर तले 2016 कट ऑफ डेट में सुधार करने के उद्देश्य से आराहरा, जुगरा, चेपाकला,सिंदुवारी, डाडी आदि के युवाओं के द्वारा 18 जुलाई को पद यात्रा करते हुए हजारीबाग उपायुक्त, सांसद एवं बड़कागांव विधानसभा विधायक को ज्ञापन सौंपा जाएगा। पदयात्रा बड़कागांव के जुगरा से प्रारंभ करते हुए बड़कागांव मुख्य चौक से हजारीबाग उपायुक्त कार्यालय, सांसद आवास एवं विधायक आवास हूरहुरू पहुंचेंगे।

ट्रक पलटने से चालक गंभीर रूप से घायल बाल बाल बचा उपचालक

चौपारण : प्रखण्ड के दनुवा घाटी के बाद एचपी पंप से समीप एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमे ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और उपचालक बाल बाल बच गया। घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि ट्रक संख्या डब्ल्यूबी 11 ई 3412 कोलकाता से परवल लोड कर दिल्ली जा रहा था। इसी क्रम मे जीटी रोड दनुवा घाटी एचपी पंप के समीप एक स्कॉर्पियो ने चकमा दिया। जिसके कारण ट्रक अनियंत्रत हो कर पलट गया और ट्रक मे लदा सारा परवल सड़क पर गिर गया। ट्रक पलटने से वाहन का अगला हिस्सा दब गया। जिससे चालक सन्नी कुमार पिता कारू मंडल ग्राम ढोढा धमौल, जिला नवादा बिहार का पैर टूट गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना के बाद घटना स्थल पर पहुंचे एनएचएआई एम्बुलेंस ने तत्काल चौपारण पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद घटना स्थल पर पहुंची चौपारण पुलिस एवं वहा मौजूद लोगो ने मिल कर चालक को वाहन से बाहर निकाला और इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल चौपारण लाया गया। जहाँ चालक की स्थिति गंभीर अवस्था को देखते हुए उसे बंगाल दुर्गापुर रेफर कर दिया गया।

उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय दनुवा में प्रबंधन समिति का हुआ गठन, अध्यक्ष बने विजय साव

चौपारण : प्रखंड मुख्यालय से 13 किलोमीटर दूर पर्वत पहाड़ों से घिरा तथा अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में स्थित उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय दनुवा में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। विभागीय निदेर्शानुसार मंगलवार को उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय दनुवा में 18 सदस्यीय प्रबन्धन समिति का गठन को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता दनुवा समाजसेवी मदन प्रसाद केसरी ने की। वहीं बैठक पर्यवेक्षक विश्वनाथ साव एवं प्राचार्य रतन कुमार वर्मा के देखरेख में बैठक समपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से सभी सदस्य व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयोजिका का चयन निरविरोध हुआ। सर्वसम्मति से अध्यक्ष विजय साव, उपाध्यक्ष किरण देवी एवं संयोजिका मसोमात कुंती देवी का चयन किया गया। इस दौरान मुखिया अर्चना हेमरोम, एससी मोर्च मंडल अध्यक्ष कृष्णा पासवान ने प्रबंधन समिति के सभी नवचयनित सदस्यों एवं पदाधिकारीयों के उज्वल भविष्य का कामना करते हुए विद्यालय के बेहतर प्रगति में साथ देने की उम्मीद की। मौके पर विजय पासवान, मोती यादव, मनोज शर्मा, बिगन यादव, सकलदेव यादव, बर्जेश साव, विजय यादव, राजदेव यादव, प्रमोद यादव, कमलेश यादव, सुरेश पासवान, मोहम्मद असादुल्लाह, सरफराज अंसारी सहित दर्जनों अभिभावक मौजूद थे।

'मुस्कुराता भारत अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हजारीबाग : हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल के ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग ने सेंट जेवियर्स स्कूल में दिन मंगलवार को मुस्कुराता भारत अभियान तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसायटी द्वारा शुरू किए गए 'स्माइल भारत अभियान' के एक भाग के रूप में लगभग 60 स्कूली छात्रों का सर्वेक्षण किया गया है। जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों की दांतों की जांच एवं सफाई संबंधित चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया गया। दांतों की गंभीर बिमारियों से बचने के लिए नियमित साफ- सफाई एवं अच्छी आदतों को अपनाने की भी सलाह दी गई। जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सर्वेक्षण प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. अंशू साहू के मार्गदर्शन में हुआ तथा और इस परियोजना का नेतृत्व डॉ रघु रंजन, डॉ शोवन रॉय और डॉ पारुल प्रिया ने किया। वहीं अभियान का समन्वयन स्नातकोत्तर तथा प्रशिक्षुओं ने किया। मौके डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने बताया कि दांत सौंदर्य का काफी महत्वपूर्ण अंग है। इसकी देखभाल एवं नियमित साफ- सफाई करना बहुत ही जरूरी है।

एक नजर

मुहर्रम जुलूस को लेकर आज रांची में गाड़ियों की नो एंट्री

रांची : मुहर्रम को लेकर 17 जुलाई को राजधानी रांची के विभिन्न अखाड़ों से जुलूस निकाली जाएगी, जिसे लेकर रांची ट्रैफिक एसपी कार्यालय से सूचना जारी की गई है। इसमें 17 जुलाई को सुबह 10 बजे से निजी एवं यात्री वाहनों का परिचालन जुलूस की समाप्ति तक बंद रहेगा। जारी सूचना में रांची शहर के अन्य मार्गों में मुहर्रम जुलूस के अवसर पर यातायात को आवश्यकतानुसार डायवर्ट करने की बात लिखी है।

बीएलओ के कार्य को सुपरवाइज करें : उपायुक्त

रांची : रांची जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने मंगलवार को रांची जिला अंतर्गत नव नियुक्ति और नव अधिसूचित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के दिशा निर्देश पर नव निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को उपायुक्त ने उनके कर्त्तव्यों एवं दायित्वों से अवगत कराया। उपायुक्त ने सभी से कहा कि घर-घर तक पहुंचने की प्रक्रिया दुरुस्त रखें, अपने-अपने क्षेत्र में बीएलओ के कार्य को सुपरवाइज करें। उन्होंने प्री रिविजन के दौरान ज्यादा से ज्यादा आवेदन प्राप्त करने और निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही एएसडी तैयार करने, वोटर स्लिप वितरण, मतदान केन्द्रों में एएमएफ की उपलब्धता के संबंध में जानकारी दी गई। समाहरणालय में आयोजित बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची बिवेक कुमार सुमन, सभी अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, शुभम पोद्दार प्रशासक नगर पंचायत बुण्डू, निहारिका तिर्की सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

खत्म हो गयी है बीजेपी नेताओं की वैलिडिटी रिचार्ज होने आ रहे हैं झारखंड : सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएमएम प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने आज पीसी कर कहा कि बीजेपी नेताओं की वैलिडिटी खत्म हो गयी है और वे रिचार्ज होने झारखंड आ रहे है। कहा कि झारखंड में विधानसभा के चुनाव जल्दी ही होने वाले हैं और हमको लगता है कि झारखंड अब पॉवर हब बन चुका है। झारखंड दौरे पर आये असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा पर उन्होंने निशाना साधा। बताया कि सरमा ने कहा है कि वे झारखंड में रिचार्ज होने आये हैं। सुप्रियो ने कहा दरअसल उनकी वैलिडिटी खत्म हो चुकी है। कहा कि हाल में हुए उपचुनावों में बीजेपी और एनडीए के घटक दलों की हार हुई है। इस हार ने साबित कर दिया है कि बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ऊर्जी की बैट्री पूरी तरह से डिस्चार्ज हो गयी है। अब बीजेपी नेताओं को रिचार्ज होने के लिए झारखंड आना पड़ रहा है। सुप्रियो ने कहा कि देश के कई हिस्सों में अभी बाढ़ आयी हुई है। कई राज्यों में सुखाड़ की स्थिति बन रही है। इस स्थिति में देश के जो कृषि मंत्री हैं, शिवराज सिंह चौहान, वे भी लगातार झारखंड के दौरा कर रहे हैं। इसका मतलब है कि किसान, बाढ़ और सुखाड़ जैसे मुद्दे इनकी प्राथामिकता में शामिल नहीं हैं। कहा कि कृषि मंत्री से जब एमएसपी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन यहां आकर कृषि मंत्री एमएसपी ढूंढने लगे। कहा यहां पर एमएसपी का मतलब है मतदाताओं का समर्थन पत्र। यहां पर भी उनको और राज्यों की तरह एमएसपी नहीं मिलेगा। सुप्रियो ने कहा कि इस देश के गृहमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता अमित शाह का भी दौरा 20 तारीख को संभावित है। कहा कि बीजेपी के संवाद माध्यमों से सूचना मिली है कि वे बीजेपी के नेताओं और कार्यकताओं को चुनावी टिप्स देंगे। कहा झारखंड में अब न टिप्स से काम चलेगा न यहां कोई तिकड़म चलने वाला है। क्योंकि जनता ये मन चुकी है कि अब झारखंड से बीजेपी का सफाया करना है। कहा, बीजेपी संदर्भ में पूरे देश का जो संदेश है, उसी संदेश के साथ झारखंड और यहां के मतदाता भी आगे बढ़ेंगे। कहा बीजेपी शासित उत्तराखंड में भी इनको शिकस्त मिली है। कहा उपचुनाव में बीजेपी मात्र 2 सीटों पर सिमट गयी। कहा बीजेपी के नेता मान चुके हैं कि उनको रिचार्ज होने की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

रांची रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के डिब्बे से शराब जब्त

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची स्टेशन पर हटिया इस्लामपुर एक्सप्रेस ट्रेन से शराब जब्त किया है। आरपीएफ के उप निरीक्षक अश्वनी कुमार ने मंगलवार को बताया कि आरपीएफ के रांची मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर ट्रेनों मे शराब के धड़-पकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आरपीएफ पोस्ट रांची के उपनिरीक्षक सोहन लाल, आरक्षी चंद्रहास कुमार और गोपी कृष्णा के जरिये रांची स्टेशन पर नियमित जांच की जा रही थी। इसी दौरान हटिया इस्लामपुर एक्स्प्रेस ट्रेन के दिव्यांग डिब्बे में एक सीट के नीचे नीला ट्रॉली बैग मिला। उसके मालिक का पता लगाने के लिए आरपीएफ ने काफी प्रयास किया लेकिन असफल रहे। बैग पर संदेह होने पर उसे बैगेज स्कैनर से स्कैन किया गया, जिसमें अंदर शराब की 16 बोतल बरामद की गई। बरामद शराब का बाजार मूल्य 21 हजार 500 रुपये है। शराब को उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है।

एसएससी पीजीटी परीक्षा में अनियमितता की सीबीआई जांच की मांग को लेकर राज्यपाल सौंपा ज्ञापन

रांची : राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मंगलवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा,झारखण्ड प्रदेश का एक शिष्टमंडल प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज के नेतृत्व में भेंट कर राज्य में आयोजित एसएससी पीजीटी परीक्षा में अनियमितता की ओर ध्यान आकृष्ट कराने हेतु मिला और इस शिष्टमंडल ने परीक्षा में हुई गड़बड़ियों इससे जुड़े जैसे ब्लैक लिस्टेड संस्थानों द्वारा परीक्षा करवाने 5 सेंटर से लगभग 70 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण होते हैं तो यह अपने आप में संदेह का सबसे बड़ा कारण है । 12 जून को इन संस्थाओं को ब्लैकलिस्टेड किया जाता है और 16 जून को इन्ही संस्थाओं से परिणाम मांगा जाता है। तो यह पूरे तरीके से जांच का विषय बन जाता है । प्रतिनिधि मंडल ने माननीय राज्यपाल जी को इस परीक्षा में हुई गड़बड़ी से जुड़े हुए साक्ष्य को भी देने का काम किया और इसकी जांच कराने हेतु बात कही, प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश महामंत्री रुपेश सिन्हा, प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव मुंडा , राँची महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह और पीजीटी अभयर्थी स्वेता प्रधान जी शामिल रहे।

ध्यान भटकाने के लिए घुसपैठ को मुद्दा बनाना चाहती है भाजपा : कांग्रेस

रांची : कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा सरना धर्म कोड, महंगाई से राज्य की जनता का ध्यान भटकने के लिए घुसपैठ को मुद्दा बनाना चाहती है। वह मंगलवार को कांग्रेस भवन में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय सीमा केंद्र सरकार के अधीन होता है और देश में गृह मंत्री अगर घुसपैठ नहीं रोक पा रहे हैं तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। सिन्हा ने कहा कि हिमंता विस्वा सरमा घुसपैठ की बात करते हैं तो उन्हें यह बताना चाहिए कि झारखंड में डेढ़ दशक से ज्यादा इस राज्य में भाजपा का शासन रहा तो घुसपैठ को रोकने के लिए अपने शासनकाल में क्या कदम उठाये और दस सालों तक पूर्ण बहुमत की सरकार केन्द्र में रही तब कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा पा रहे हैं।

आदिवासी खाते की जमीन का जाली पेपर बनाकर ठगे 1 करोड़ 30 लाख, तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लैंड स्कैम समेत अन्य भूमि के दस्तावेज में छेड़छाड़ कर उसकी खरीद-बिक्री करने वालों पर केंद्रीय जांच एजेंसी लगातार कार्रवाई कर रही है। लेकिन इसके बाद भी जाली पेपर बनाकर जमीन का गोरखधंधा करने का सिलसिला जारी है। ताजा मामला रांची के ओरमांझी इलाके का है, जहां जमीन का जाली पेपर बनाकर उसे बेचने के नाम पर 1 करोड़ 30 लाख की ठगी कर ली गयी। रांची के रहने वाले डॉ प्रसेन रंजन ने इस संबंध में ओरमांझी थाना में प्राथमिकी दर्ज करवायी है। इसके बाद पुलिस ने ओरमांझी और रामगढ़ से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में अहमद अली, तसलीम अंसारी और समसुल अंसारी का नाम शामिल है। दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, वर्ष 2018 में उनकी मुलाकात अहमद अली से हुई थी। अहमद अली ने उन्हें जमीन दिलाने के लिए एग्रीमेंट कर चेक और नगद के माध्यम से 1 करोड़ 30 लाख रुपये ले लिये। इसके बाद फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमीन का रजिस्ट्री करा दी। लेकिन जिस जमीन की रजिस्ट्री करवायी गयी, उसे पहले ही किसी और को बेच दिया गया था। अहमद अली, तसलीम अंसारी और समसुल अंसारी ने आदिवासी खाते की भूमि को जनरल नेचर की भूमि बताकर और जाली पेपर दिखाकर पैसों की ठगी की।

मंत्री इरफान अंसारी से मिला जिला परिषद समिति का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री इरफान अंसारी से धुर्वा स्थित उनके आवासीय कार्यालय में मंगलवार को रांची जिला परिषद समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में लिखा है कि राज्य निर्माण के 24 वर्षों में भी झारखंड राज्य के ग्रामीणों क्षेत्रों के विकास की अहम कड़ी पंचायती राज संस्थाओं को आज तक अधिकार प्रदत्त नहीं की गई है। राज्य गठन के बाद 2001 में पंचायतों को अधिकार देने के लिए नियमावली बनायी गई थी, जिसके तहत 11वीं अनुसूची में सूचीबद्ध 29 विषयों का अधिकार पंचायतों को देने की बात कही गई थी। वर्ष 2011 में राज्य में प्रथम पंचायत चुनाव के बाद 2012 से 2014 तक शिक्षा विभाग, वन, स्वास्थ्य, खनन, कृषि, समाज कल्याण, जल संसाधन सहित अन्य विभागों में अधिकार देने के लिए संकल्प भी जारी कर दिया था। इसमें कई विभागों के जरिये वित्तीय अधिकार भी जारी कर दिया गया था। लेकिन आज तक संकल्प मात्र ही रह गया इसे लागू नहीं किया गया। राज्य में तीन पंचायत चुनाव के बाद भी चुने हुए जन प्रतिनिधियों को सुविधा एवं अधिकार से वंचित रहना पढ़ रहा है। इस गंभीर विषय पर सरकार के उदासीनता के कारण चुने हुए जनप्रतिनिधी जनता के आशाओं एवं उम्मीदों पर खरा उतरने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं । प्रतिनिधिमंडल में जिला परिषद समिति के अध्यक्ष बेरोनिका उरांव, सरस्वती देवी, हिनदिया टोप्पो, सुषमा देवी सहित कई जिला परिषद सदस्य शामिल थे।

मुहर्रम का चंदा नहीं देने पर बैंक्वेट हॉल के मैनेजर को गोली मारने की दी धमकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मोहर्रम का चंदा नहीं देने पर कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सुनैना बैंक्वेट हॉल के मैनेजर को गोली मारने की धमकी दी गयी है। इस संबंध में मैनेजर हेमंत झा ने सोमवार देर रात कांके थाना में शिकायत दर्ज करायी है। दर्ज कराये गये शिकायत में मैनेजर ने कहा है कि सोमवार की रात बैंक्वेट हॉल में एक व्यक्ति अंदर आया और मुझसे कहा मोहर्रम का चंदा दो। जब मैंने कहा कि कल दूंगा तो उसने मुझसे कहा कि देख लो फिर क्या होगा। तो मैं उससे पूछा कि क्या देख ले तो उसने कहा कि तुम्हरे यहां फंक्शन चलता है ना जी तोड़ फोड़ करा देंगे, देख लेंगे तुमलोग को। चंदा नहीं देना बहुत भारी पड़ेगा। फंक्शन में लेडीज लोग का गहना भी रहता है, सब गायब हो जायेगा। दोबारा आयेंगे तो गोली बंदुक के साथ आयेंगे, तब मत बोलना छोड़ दीजिए। याद रखना एक दो गोली तो मारकर ही जायेंगे। तुमलोग का इतना औकात हम आये चंदा लेने और तुमलोग चंदा नहीं देगा। कांके थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा ने मंगलवार को बताया कि देर रात शिकायत दर्ज कराई गई है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। बैंक्विट हॉल का सीसीटीवी फुटेज भी खाना जा रहा है दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

खेलगांव में सेना भर्ती रैली 27 से दलालों से रहें सावधान : कर्नल विकास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेना में शामिल होने के लिए झारखंड राज्य के सभी 24 जिलों के पुरुष उम्मीदवारों के लिए सुनहरा मौका है। 27 जुलाई से आठ अगस्त तक रांची के खेलगांव स्थित रनिंग ट्रैक में सेना भर्ती रैली आयोजित की जा रही हैं। सेना के भर्ती निदेशक कर्नल विकास भोला ने मंगलवार को बताया कि रैली के लिए एडमिट कार्ड ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस परीक्षा के शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को गत नौ जुलाई को उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेज दिए गए हैं। उम्मीदवार ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट पर अपने पंजीकृत खाते से रैली एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवारों द्वारा रैली के लिए रिपोर्ट करने की तिथि और समय एडमिट कार्ड पर अंकित है। कर्नल ने बताया कि ऑनलाइन जनरेटेड रंगीन एडमिट कार्ड प्रस्तुत किए बिना किसी भी उम्मीदवार को अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही सभी उम्मीदवारों (अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन 10वीं और ट्रेड्समैन 8वीं) को फरवरी 2024 में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार दस्तावेज लाने होंगे। कर्नल विकास भोला ने बताया कि रांची सेना भर्ती रैली धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी की 27 जुलाई को खेलगांव में आयोजित है। धार्मिक शिक्षक (जूनियर कमीशन अधिकारी) की सेना भर्ती रैली झारखंड और बिहार राज्य के सभी जिलों के पात्र उम्मीदवारों के लिए 27 जुलाई को रांची के खेलगांव में आयोजित की जाएगी। कर्नल विकास भोला ने सभी उम्मीदवारों से अपील करते हुए कहा की दलालों से सावधान रहें। दलालों के झांसे में न आएं। भारतीय सेना में भर्ती पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी है।

झारखंड सहायक पुलिस बल की मांगों को पूरा करे सरकार : विजय शंकर

रांची : उपरोक्त बातें आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व प्रत्याशी कांके विधानसभा क्षेत्र एवं उलगुलान मोर्चा के अध्यक्ष रवि पीटर ने आज संयुक्त बयान जारी कर कही । इन्होंने यह भी बताया की उस वक्त के तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के द्वारा 12 नक्सल प्रभावित 12 जिलों में वर्ष 2017 को सहायक पुलिस बल की नियुक्ति की गई थी। नायक एवं रवि पीटर ने आगे कहा कि सहायक पुलिस बल में शत प्रतिशत आदिवासी मूलवासी युवा युवती नियुक्त किए गए आज 17 दिनों से वे मोराबादी में वर्दी ए इंसाफ यात्रा के तहत आंदोलनरत हैं। ऐसे में आदिवासी मूलवासी की बात करने वाली झारखंड के हेमंत सोरेन सरकार को उनके जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक गंभीरता दिखाते हुए उनके जायज मांगों को पूरा किया जाना चाहिए ताकि 17 दिनों से चल रहे उनके आंदोलन को समाप्त कराया जा सके और इन आदिवासी मूलवासी सहायक पुलिस बल के युवा युवतियों को न्याय मिल सके। नायक ने यह भी कहा की सहायक पुलिस बल मे राज्य के सभी आदिवासी मूलवासी गरीब गुरबा युवा युवती ही नियुक्त किए गए हैं ऐसे में राज्य के मुख्यमंत्री को मानवीयता दिखाना चाहिए । और उनके प्रतिनिधियों को बुलाकर वार्ता कर सकारात्मक ठोस पहल कर अपनी प्रतिबद्धता आदिवासी मुलवासी समाज के प्रति दिखाकर उनके हक और अधिकार को संरक्षण देते हुए सभी जायज मांग को पुरा किया जाना चाहिए।

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के अधीन स्टॉलों के आबंटन के लिए अधिसूचना

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के अधीन प्रत्येक 15 दिनों की रोलिंग चरणों के लिए हस्तशिल्पों/कलाकृतियों, वस्त्रों तथा हथकरघा, पारम्परिक परिधानों तथा स्थानीय कृषि उत्पादों/संसाधित/अर्द्ध-संसाधित खाद्य सामग्रियों की बिक्री/बढ़ावा देने के लिए नामकोम, लोहरदगा तथा रामगढ़ कैण्ट. रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म सं. 1 पर 3 अदद स्टॉलों का आबंटन।

सूचना सं. सी/आरएनसी/सीएटीजी.यूनिट/ओएसओपी/24, दिनांक: 16.07.2024. भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची द्वारा 15 दिनों के रोलिंग चरणों के लिए (क) डेवलपमेंट कमिशनर हैंडीक्रॉफ्ट्स, डेवलपमेंट कमिशनर हैंडलूम अथवा अपेक्षित राज्य/केंद्रीय सरकार के प्राधिकारी द्वारा जारी कारीगर/बुनकर पहचान पत्र धारकों, (ख) ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ट्रीआरआईएफईडी)/नेशनल हैंडलूम डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएचडीसी)/खादी एण्ड विलेज इंडस्ट्रीज कमिशन (केवीआईसी) इत्यादि के साथ सूचीबद्ध/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगरों/बुनकरों/शिल्पकारों, (ग) पीएमईजीपी (प्राइम मिनिस्टर्स इमप्लॉयमेंट जेनेरेशन प्रोग्राम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों, (घ) समाज के हाशिए पर रहने वाले अथवा कमजोर वर्गों के लोगों, (ङ) एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत माइक्रो इंटरप्राइज एवं एनजीओ के साथ संबद्ध व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार, (च) सामाजिक संस्थानों, राज्य सरकार के निकायों इत्यादि के साथ संबद्ध व्यक्ति विशेष/कारीगर/बुनकर/शिल्पकार, हालांकि कोई भी पृथक लोगों की अनुमति नहीं दी जाएगी, से पात्रता के दस्तावेज तथा सम्पर्क नम्बर के साथ आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। "**एक स्टेशन एक उत्पाद**" योजना के नियम एवं शर्तों, स्टॉल स्थल, पंजीकरण शुल्क इत्यादि के संबंध में और विवरण तथा जानकारी के लिए संबंधित स्टेशनों के **स्टेशन प्रबंधकों** से सम्पर्क किया जा सकता हैं अथवा कृपया वेबसाइट www.ser.indianrailways.gov.in देख सकते हैं। लागू नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई के लिए उसी दिन सीसीआई तथा सीनि. एसओ (ए/सी) की उपस्थिति में स्टेशन प्रबंधक के कक्ष में आवेदनों की जांच की जाएगी तथा मूल दस्तावेज के साथ सत्यापन किया जाएगा। ओएसओपी नीति के अंतर्गत आवेदनों की जांच के उपरांत स्थाई समिति सीनियर डीसीएम के पास अनुमोदन के लिए सभी इच्छुक लार्भार्थियों के नामों की सिफारिश करेगी तथा संबंधित स्टेशनों के एसएमआर/सीसीआई द्वारा अनुमोदित सभी आवेदकों की मौजूदगी में खुली लॉटरी/सार्वजनिक ड्रा के माध्यम से अनुमोदित सभी आवेदकों का एक वरीयता रोस्टर तैयार किया जाएगा तथा एक चरण में अधिकतम 15 दिनों की अवधि के लिए वरीयता रोस्टर के आधार पर आबंटन किया जाएगा। यह तब तक जारी रहेगा, जब तक कि वरीयता रोस्टर में सभी आवेदक समाप्त नहीं हो जाते। **आवेदन जमा करने का स्थानः नामकोम, लोहरदगा तथा रामगढ़ कैंट. रेलवे स्टेशनों के स्टेशन प्रबंधकों** के कार्यालय के बाहर रखी गई मनोनित ड्रॉप बॉक्स में। विवरण निम्नानुसार हैः

स्टेशन	स्थान	प्रति स्टॉल पंजीकरण शुल्क	कार्यकारी प्राधिकारी एवं सम्पर्क किया जाने वाला एवं दूरभाष सं.	आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख	आवेदन खुलने की तारीख
नामकोम रेलवे स्टेशन	पीएफ. सं. 01	रु. 1000/- (जीएसटी सहित)	स्टेशन प्रबंधक/नामकोम मोब नं. 9771484786	29.07.2024 को सुबह 10.30 बजे	29.07.2024 को पूर्वा. 11.00 बजे
लोहरदगा रेलवे स्टेशन	पीएफ. सं. 01	रु. 1000/- (जीएसटी सहित)	स्टेशन प्रबंधक/लोहरदगा मोब नं. 9771484921	30.07.2024 को सुबह 10.30 बजे	30.07.2024 को पूर्वा. 11.00 बजे
रामगढ़ कैंट.रेलवे स्टेशन	पीएफ. सं. 01	रु. 1000/- (जीएसटी सहित)	स्टेशन प्रबंधक/रामगढ़ कैंट मोब नं. 9771458912	31.07.2024 को सुबह 10.30 बजे	31.07.2024 को पूर्वा. 11.00 बजे

टिप्पणीः अगर कोई आवेदक राँची मंडल के अन्य किसी भी स्टेशनों/प्लेटफॉर्मों पर स्टॉल/कियोस्क/पोर्टेबल ट्रॉलियां स्थापित करना चाहते हैं, तो वे संबंधित स्टेशनों के निकटवर्ती स्टेशन प्रबंधक से परामर्श कर सकते हैं तथा किसी भी तरह की सहायता के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय/रांची से सम्पर्क कर सकते हैं।

(PR-391)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए तीव्र गति से करना होगा काम : हफीजुल हसन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि नगरीय क्षेत्र की जनता को किसी भी तरह की समस्या न हो इसके लिए नगर विकास विभाग के नगरीय इकाइयों को सजग रहना होगा। योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए तीव्र गति से काम करना होगा। खुली नालियां किसी घटना की वजह न बनें इसके लिए काम करना होगा और क्षेत्र की जनता के मुताबिक विकास की रूपरेखा तैयार करनी होगी। वह आज प्रोजेक्ट बिल्डिंग के द्वितीय तल पर स्थित सभागार में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर समन्वय समिति की बैठक में बोल रहे थे। हसन ने कहा कि रांची नगर निगम में कई मसले हैं। साफ सफाई पर फोकस करना है। बारिश में नालियां जाम न हों, ट्रैफिक स्मूथ रहे और नगर निकायों में आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उसके निदान होने चाहिए। शहर को व्यवस्थित करने के लिए और उसमें निरंतरता कायम रखने के लिए अगर 12 घंटे भी काम करने की जरूरत हो तो पदाधिकारियों को काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जो स्ट्रीट लाइट या हाइमास्क लाइट खराब हैं उनकी मरम्मत कराएं और जो वाहन मरम्मत के अभाव में बेकार हो रहे हैं उनकी मरम्मत सुनिश्चित होनी चाहिए साथ ही जो वाहन मरम्मत के लायक नहीं हैं उनका डिस्पोजल होना चाहिए। सभी को टीम भावना के साथ काम करना होगा।

जलापूर्ति योजनाओं के ट्रायल शुरू होते ही कनेक्शन देने की प्रक्रिया शुरू की जाए : अरवा राजकमल

नगर विकास विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने समन्वय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में जितनी भी वाटर सप्लाई योजनाओं का काम हो रहा है, उन योजनाओं के ट्रायल शुरू होने के साथ ही घरेलू वाटर कनेक्शन देना शुरू करें। सभी नगर निकाय क्षेत्रों में वाटर स्कीम समय पर पूरी हों इसकी कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि अगर किसी स्कीम का निर्माण कार्य अन्य विभाग की एन ओ सी नहीं मिलने के कारण बाधित होता है तो उसके लिए प्लान बी तैयार रखें।

15 अगस्त तक लाभुकों को दें अफोर्डेबल हाउसिंग का आबंटन

विभाग के सचिव ने निर्देश दिया कि नगर निकाय में वैसे आवास जिनका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, उनका गृह प्रवेश सुनिश्चित कराएं। अगर लाभुक द्वारा भुगतान नहीं हो पाया है तो बैंक के माध्यम से उन्हें होम लोन उपलब्ध कराया जाए ताकि सभी को आवास देने की योजना को कार्यान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि होम लोन के लिए लोन मेले का आयोजन सुनिश्चित किया जाय। विभागीय समन्वय बैठक में जुड़को, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, शहरी जलापूर्ति योजना, शहरी आवास योजना, नेशनल अर्बन लाइवलीहुड मिशन, आरआरडीए, लाइट हाउस प्रोजेक्ट और आबंटित फंड की यूसी के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य रूप से अपर सचिव नगर विकास मनोहर मरांडी, ज्ञानेंद्र कुमार, रांची नगर निगम प्रशासक अमीत कुमार, परियोजना निदेशक (वित्त) जुडको अमित चक्रवर्ती, उप परियोजना निदेशक जुड़को उत्कर्ष मिश्रा सहित राज्य के सभी नगर निकायों के प्रशासक - कार्यपालक पदाधिकारी, सिटी मैनेजर सहित आवास विभाग एवं स्मार्ट सिटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

कर्मचारी संघ ने हड़ताल पर जाने की दी धमकी

गुमला : झारखण्ड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के द्वारा संघ के ज्ञापांक रविवार के द्वारा पूर्व में घोषित कार्यक्रम के तहत 09 सूत्री माँग की पूर्ति हेतु समाहरणालय गुमला अंतर्गत सभी ब्लॉक एंव अंचल कार्यालय, पर अनुमण्डल कार्यालय तथा उपायुक्त के कार्यालय में कार्यरत सभी लिपिक, अनुसेवक एंव कम्प्यूटर ऑपरेटर के द्वारा काला बिल्ला लगा कर सरकारी कार्य निष्पादित किया गया। सभी कर्मियों में सरकार के विरुद्ध काफी रोष है, यदि सरकार हमारी 09सूत्री मांगो को पूरा नहीं करती है तो संघ के द्वारा निर्धारित तिथि के तहत गुरुवार को अपराह्न 2बजे से 05बजे तक पेन डाउन एंव दिनांक शनिवार को गुमला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए संध्या में कैंडल मार्च कर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे।

विकास योजनाओं का जहां से होता है संचालन वहीं गंदगी का अंबार

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित चैनपुर अनुमंडल के जारी प्रखंड कार्यालय में जिस स्थान से 5 पंचायत व 52 गांव के विकास का खाका खींचा जाता है। जहां से विकास की योजनाओं का संचालन किया जाता है। उस परिसर में बने शौचालय में गंदगी का अंबार है। जबकि प्रतिदिन सैकड़ों लोग अपनी समस्याओं व अन्य कामों को लेकर पहुंचते है ।बात हो रही है जारी ब्लॉक भवन में बने पुरुष व महिलाये शौचालय की सफाई न होने से यहां लोग अंदर नही घुसते और उन्हें परेशान होना पड़ता है ।इस परिसर में भवन के साथ आफिस भी हैं ।यहां दिनभर लोगों का आना जाना लगा रहता है ।ब्लाक परिसर में मेन गेट से घुसते ही बगल में शौचालय बना हुआ है ।जबकि ऊपर तल्ला में भी शौचालय की साफ सफाई काफी दिनों से नही हुई है ।और शौचालय में पानी भी नही है ।वही कई शौचालयों का फलस भी टूटा हुआ है। वही सफाई और देखरेख के अभाव में शौचालय निष्प्रयोज्य साबित हो रहा है ।अंदर गंदगी अधिक होने के कारण दुर्गन्ध फैला रहा है वही शौचालय में घुसना भी मुश्किल है। साथ ही जो भी फरियादी ब्लाक मुख्यालय पहुंच रहे हैं उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। जिम्मेदार इस ओर ध्यान नही दे रहे है। शौचालय की साफ सफाई कराए जाने की जरूरत है पर जिम्मेदार बेपरवा हैं ।वही भवन जब से बना है ।शौचालय की यही स्थित बनी हुई है ।संवेदक के द्वारा शौचालय का निर्माण घटिया तरीके से किया हुआ है। जिसका समियाज ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

दिव्यंका सिंह और तेजस जायसवाल का राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन

बोकारो : पिट्स मॉडल स्कूल के छात्रा कक्षा तृतीय की दिव्यंका सिंह अंतरराष्ट्रीय रैंक में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीती और कक्षा पंचम के छात्र तेजस जायसवाल जोनल में डिस्टिंक्शन स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया । विद्यालय के छात्रों ने विज्ञान के प्रति अविश्वसनीय दृढ़ता और जुनून दिखाते हुए राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में उल्लेखनीय सफलता हासिल की । यह प्रतियोगिता देश भर के छात्रों के वैज्ञानिक ज्ञान और समस्या समाधान कौशल की परीक्षण करती है। कक्षा प्रथम से छः तक के 14 छात्रों ने राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए उत्कृष्टता का स्वर्ण पदक प्राप्त किया । उन्होंने अपने साथियों के लिए एक अनुकरणीय मानक स्थापित किया । विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय ने पुरस्कार विजेताओं को शुभकामनाएं दिए और उन छात्रों के सामूहिक प्रयासों पर भी जोड़ दिए । आईपीएल ओरिका गोमिया के महाप्रबंधक अभिषेक विश्वास एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दास गुप्ता ने विजेता छात्रों को बधाई दिए ।

मुहर्रम में विधि व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मंगलवार को समाहरणालय सभागार में मुहर्रम पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा किया गया। इस दौरान विशेष शाखा द्वारा जिलों को बरती जाने वाली सावधानियों की भी जानकारी दी गई। बैठक में की अध्यक्षता एसपी पूज्य प्रकाश एवं डीडीसी गिरिजा शंकर प्रसाद ने किया। मौके पर डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, एसडीओ चास ओम प्रकाश गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय अनिमेश कुमार गुप्ता, एसडीओ बेरमो तेनुघाट अशोक कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता श्रीमती वंदना शेजवलकर, डीसीएलआर श्री प्रभास दत्ता सहित जिला स्तरीय अधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चास/बेरमो,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी,थाना प्रभारी आदि उपस्थित थे। एसपी एवं डीडीसी ने क्रमवार सभी अंचलों/थानों में शांति समिति की बैठक की जानकारी ली। सभी ने कहा कि शांति समिति की बैठक कर ली गई है। समिति सदस्यों का विवरण,समाज के सम्मानित लोगों का संपर्क नंबर आदि प्राप्त कर लिया गया है। द्वय पदाधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों/मोहल्लों पर विशेष निगरानी रखने/सर्तक रहने को कहा। छोटी सी छोटी घटना की अविलंब सूचना अपने वरीय पदाधिकारी को देना सुनिश्चित करेंगे। एसपी एवं डीडीसी ने इस बात को सुनिश्चित करने को कहा कि निर्धारित रूट एवं तय समय पर ही जुलूस निकले तथा संपन्न हो। जुलूस का वीडियो रिकॉर्डिंग हो, आवश्यकतानुरूप सीसीटीवी/ड्रौन कैमरे से भी निगारानी की जाएगी। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारियों को उपद्रवियों को चिन्हित करते हुए 107 की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। पर्व को देखते हुए जिला कंट्रोल रूम के साथ अनुमंडल कंट्रोल रूम एवं अस्थायी मिनी कंट्रोल रूम भी संचालित किया जाएगा। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी के लिए जिला टीम को सक्रिय करने एवं स्थानीय स्तर पर भी इसकी निगरानी करने को द्वय पदाधिकारियों ने कहा। वाट्स एप समूह के एडमिन एवं संबधित समूह के सदस्य बिना पुष्टि के किसी भी भ्रामक खबर का प्रसार नहीं करेंगे,ऐसा करने पर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीडीओ/सीओ/थाना प्रभारी संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस जवानों के साथ फ्लैग मार्च निकाले। जिले में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात है, सभी की प्रतिनियुक्ति कर दी जाएगी। दंडाधिकारी एवं पुलिस बल समन्वय के साथ प्रतिनियुक्त स्थल पर तैनात रहेंगे। उत्पाद विभाग को क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाने विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में नजर रखने एवं मोहर्रम को लेकर जिले के सभी शराब दुकानों को बंद रखना सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी चास ने विशेष शाखा से प्राप्त इनपुट एवं बरती जाने वाली सावधानियों से सभी सिविल एवं पुलिस पदाधिकारी को अवगत कराया। कहा कि जुलूस में डीजे का इस्तेमाल 60 डिस्मिल से नीचे ध्वनी पर करना है। कोई भी भड़काऊ गाने का इस्तेमाल नहीं करेगा। इसके अलावा कई अन्य बातों पर विचार विमर्श हुआ।

उप विकास आयुक्त ने बताया कि मुहर्रम पर्व को लेकर समेकित जिला नियंत्रण कक्ष (दूरभाष संख्याः 06542 - 223705/223475 एवं 100) के अलावा 04 अतिरिक्त मिनी कंट्रोल रूम* स्थापित किया गया। सभी के वरीय पदाधिकारी भी प्रतिनियुक्त किए गए है। मिनी कंट्रोल रूम क्रमशः मिनी नियंत्रण कक्ष सिवनडीह, मिनी नियंत्रण कक्ष रितुडीह, मिनी निंयत्रण कक्ष बेरमो थाना (दूरभाष संख्याः 06549-230674) एवं मिनी नियंत्रण कक्ष अनुमंडल कार्यालय बेरमो में स्थापित है। आमजन भी कंट्रोल रूम में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी साझा कर सकते हैं, प्रशासन त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

बारात से लौट रही कार का अज्ञात वाहन से टक्कर, दो की हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के बोकारो रामगढ़ एनएच 23 पर पेटरवार मुख्य मार्ग पर बैंक ऑफ इंडिया के समीप बरात से वापस लौट रही एक मारूति कार अज्ञात वाहन की चपेट में आकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई ।इस दुर्घटना में कार में सवार छः लोगों में से दो की मौत हो गई है, जबकि तीन की स्थिति नाजुक और एक की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, अज्ञात वाहन की टक्कर के कारण यह दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. मारुति वैन में कुल छः लोग सवार थे। मृतकों की पहचान राज नायक और संजय घांसी के रूप में हुई है। कार, जिसका वाहन संख्या जेएच 24 सी 3864 है, गोला से जारंगडीह बारात गई थी और लौटते समय यह हादसा हुआ। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पेटरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर हेमलता ने बताया कि उन्होंने चार लोगों का प्राथमिक उपचार किया। इनमें से तीन को बेहतर इलाज के लिए बोकारो बीजीएच और दो को रिम्स रांची रेफर किया गया है।

स्टील प्रबंधन ने कहा बाकी मांगें एनजेसीएस के अधीन : बि के चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ठेकाकमीर्यों का बांकी मांगे एन जे सी एस के कार्य क्षेत्र मे आता है क्योंकि यह सब मांगे बोकारो स्टील के स्तर पर सम्भव नहीं है । यह बातें आज 11 जूलाई को प्रस्तावित हड़ताल के पूर्व 9 जूलाई को सहायक श्रमायुक्त, (केन्द्रीय) धनबाद मे त्रिपक्षीय बार्ता मे 16 जूलाई को बांकी मांगो पर बार्ता के लिए तय किया हुआ था । और आज उसी मागो पर सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय) धनबाद मे पुनः त्रिपक्षीय बार्ता हुई जिसमे सहायक श्रमायुक्त राघवेन्द्र कुमार कुरियार, के समक्ष जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी, हरेंद्र पासवान, जनता मजदूर सभा के अध्यक्ष साधुशरण गोप एक्टू के महामंत्री देवदीप सिंह दिवाकर तथा प्रबंधन की ओर से सहायक महाप्रबंधक सैयद आरिफ हुसैन के उपस्थिति मे बार्ता हुई। मांगपत्र सह हड़ताल नोटिस के आधार पर समान काम का समान बेतन, प्लांट मे किसी भी कारण से हुए मौत मे जिस तरह इस्पातकर्मी के आश्रित को नियोजन दिया जाता है उसी तरह ठेकाकमीर्यों के आश्रित को भी नियोजन देने,ई एल की तरह सी एल और आर एच देने,4 बर्ष पर यू एस डब्लू से एस एस डब्लू फिर 4 बर्ष पर एस डब्लू और एच एस डब्लू बनाने, साईकिल भत्ता,केन्टीन भत्ता,रात्री पाली भत्ता , 8,33 %बोनस के अतिरिक्त प्रोफिट लिंक रिवार्ड स्कीम देने जैसे अहम मांगो पर प्रबंधन ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह की मांगे को पूरा करना बोकारो स्टील प्लांट के स्तर पर सम्भव नहीं है क्योंकि इस प्रकार के मांग को एन जे सी एस प्लेटफार्म पर उठाया जा सकता है।

प्रस्तावित दिशा बहुउद्देशीय महिला सहयोग समिति की सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : प्रस्तावित दिशा बहुउद्देशीय महिला सहयोग समिति लिमिटेड की सभा का आयोजन कतरास स्थित संत श्री जलाराम बापा मंदिर परिसर में किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के सहायक निबंधक सहयोग समितियां धनबाद अंचल, धनबाद डब्लू कुमार साव ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से निचले पायदान पर जीवन बसर कर रही महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करा कर उनके जीवन में आर्थिक सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। सहकारिता के माध्यम से रोजगार उपलब्ध होने के संबंध में उन्होंने महिलाओं को अनेकानेक टिप्स दिए। उन्होंने महिलाओं को आश्वस्त किया कि निबंधन हेतु संचिका दाखिल होने की तिथि से 20-25 दिनों के अंदर ही विभाग द्वारा निर्बंधित उपविधि एवं निबंधन प्रमाण पत्र समिति को उपलब्ध करा दिया जाएगा। सहकार भारती के धनबाद महानगर अध्यक्ष अनुराग कुमार राय ने सहकारिता में सुचिता पर विशेष बल देते हुए कहा कि इसमें ही समिति की वृद्धि एवं समृद्धि निहित है। सभा को सहकार भारती धनबाद महानगर वार्ड नंबर 3 की प्रभारी कुमकुम चोटालिया, सह प्रभारी चैताली सापरिया, सहायक प्रभारी संगीता विश्वकर्मा, वार्ड नंबर 26 की प्रभारी प्रियदर्शनी यादव, मीना देवी आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। अतिथियों को अंग वस्त्र, तुलसी पौधा एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। मौके पर महिलाओं ने अपने द्वारा उत्पादित की जा रही 26 प्रकार के खाद्य सामग्री एवं 13 प्रकार के बैग एवं थैला का प्रदर्शन किया। अंत में प्रियदर्शनी यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही सभा की कार्यवाही सर्वसम्मति से संपन्न हो गया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तेतुलमारी संस्कृति ज्ञान महा अभियान कार्यक्रम शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : मंगलवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रांगण में विद्यालय के प्रधानाचार्य चितरंजन कुमार सिंह सहित अभिभावकों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर संस्कृति ज्ञान महा-अभियान का उद्घाटन किया गया। यह अभियान पूरे झारखंड प्रदेश में 16 जुलाई से लेकर 30 जुलाई तक होना तय हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य जी ने कहा कि हमारे देश की सभ्यता- संस्कृति सबसे पुरानी है, इसी मातृभूमि से सभ्यता और संस्कृति का विकास पूरे विश्व में हुआ है ' परंतु आज यह धूमिल होती जा रही है और पश्चिमी सभ्यता हमारे देश में हावी हो रही है। आज हम सभी को इसके प्रति जागरूक होना है और इस अभियान को सफल बनाने में प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग अति आवश्यक है। हमारी संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक हैं एवम उसका प्रचार प्रसार करना विद्या भारती का उद्देश्य हैं। सनातन संस्कृति ही विश्व को नया ज्ञान एवम नई दृष्टि दे सकता हैं।30 जुलाई तक चलने वाला यह अभियान हमसबको अपने संस्कृति का स्मरण कराता रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य/ दीदी जी श्री अशोक कुमार सिंह, परमेश्वर झा अशोक कुमार मालाकार, अशोक गुप्ता, अशोक कुमार रावत, आनंद पांडेय,दशरथ निषाद, निर्मल उपाध्याय,रंजन दीदीजी, अपर्णा दीदीजी,रेणू दीदीजी,मनोरमा दीदीजी मुकुल दीदीजी एवं विद्यालय के सभी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

25 साल बाद एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग की पत्नी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- नाम बदलकर तीन दिन पहले हुई थी भर्ती, कैंसर से पीड़ित है जया
- प्रयाग और जया पर 50 से अधिक है एफआईआर

धनबाद : धनबाद के टुंडी का रहनेवाला एक करोड़ रुपए के इनामी भाकपा माओवादी के केंद्रीय सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक उर्फ फुचना उर्फ नागो मांझी उर्फ करण दा उर्फ लेतरा की पत्नी 25 लाख की इनामी जया को डीजीपी अजय कुमार सिंह के निर्देश पर धनबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जया तीन दिन पहले धनबाद थाना क्षेत्र के नावाडीह स्थित असर्फी हॉस्पिटल में कैंसर का इलाज कराने पहुंची थी। जया के अलावा दो महिला और एक पुरुष नक्सली को भी हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। प्रयाग मांझी को झारखंड के साथ-साथ बिहार, बंगाल, छत्तीसगढ़, एमपी की पुलिस वर्षों से ढूंढ़ रही है। एटीएस और एनआईए की टीम भी प्रयाग और उसकी पत्नी जया को खोज रही थी। स्वर्गीय चरकू मुर्मू का पुत्र प्रयाग मांझी टुंडी थाना क्षेत्र के धनबाद-गिरिडीह जिले के सीमावर्ती गांव दलुगोड़ा का रहनेवाला है। गिरिडीह पुलिस प्रयाग और जया के घर की कई बार कुर्की जब्ती कर चुकी है। पति पत्नी दोनों बीस पहले टुंडी छोड़ चुके थे। यहां उनके गोतिया रहते है, लेकिन प्रयाग और जया से उनलोगों का वर्षों से बातचीत नहीं है। 45 वर्ष पहले नक्सली संगठन से जुड़े थे प्रयाग और जया 25 वर्ष पूर्व प्रयाग 45 वर्ष पहले और जया 25 वर्ष पहले नक्सली संगठन से जुड़े थे। प्रयाग के साथ जया हर नक्सल गतिविधियों में शामिल रही है। जया के धनबाद के असर्फी अस्पताल में इलाज कराने की सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। वह गुपचुप तरीके से यहां इलाज कराने पहुंची थी। सूत्रों से पता चला है कि टुंडी के ही पुलिस मुखबिर ने पुलिस मुख्यालय को सूचना दी। फिर डीजीपी के निर्देश पर एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने एक टीम गठित कर अस्पताल से जया और अन्य तीन को गिरफ्तार कर लिया। पहले पुलिस अधिकारियों ने जया से धनबाद में नक्सली हमले और उसके पति प्रयाग के बारे में पूछताछ की। इसके अलावा अन्य राज्यों में नक्सली हमले और संगठन के बारे में जानकारी ली। फिलहाल जया पुलिस को नक्सली गतिविधि में शामिल होने से इंकार कर रही है। जबकि वह महिला विंग की चीफ है। टुंडी से बीस साल पहले शीला की गिरफ्तारी के बाद जया को चीफ बनाया गया था। अभी पुलिस अभिरक्षा में ही जया का किसी अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जया के खिलाफ धनबाद के किसी भी थाना में जया के खिलाफ एफआईआर नहीं है। प्रयाग और जया गिरिडीह समेत दूसरे जिले और राज्यों में ही नक्सली गतिविधि को अंजाम देते थे। यहां की पुलिस उसे गिरिडीह पुलिस के हवाले करने की तैयारी में है। गिरिडीह के साथ साथ एनआईए और एटीएस की टीम भी धनबाद पहुंच कर जया और उसके साथ पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर रही है। दसवीं की पढ़ाई के बाद 25 वर्ष की उम्र में ही 1980 में नक्सली संगठन में शामिल हो गया था प्रयाग सवीं की पढ़ाई के बाद 25 वर्ष की उम्र में ही 1980 में नक्सली संगठन में प्रयाग मांझी शामिल हो गया था।

संक्षिप्त खबरें

चेयरमैन को विशाल ने अंग बस्त्र देकर किया सम्मानित

धनबाद : विश्व बाल्मीकि समाज के चैयरमैन रबिंद चौधरी बाल्मीकि को दिल्ली से कोलकाता जाने के क्रम में धनबाद स्टेशन पर विशाल फोर्स संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष सह विश्व वाल्मीकि समाज झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विशाल बाल्मीकी ने अंग वस्त्र देकर बिरसा मुंडा की धरती पर उनका स्वागत किया ।

मानस मंदिर में वापसी रथयात्रा महोत्सव का हुआ आयोजन

धनबाद : मंगलवार को संध्या 4 बजे से सी एम पी एफ आवासीय कॉलोनी स्थित कल्याणेश्वर मंदिर से श्री भगवान के विग्रह को लेकर वापसी रथयात्रा आरंभ हुई जो डॉक्टर्स कॉलोनी, न्यू कॉलोनी, स्टील गेट,सरायढेला थाना मोड़ होते हुए मानस मंदिर जगजीवन मौसी घर से पधारें ।बैंड बाजा के साथ महाप्रभु जगन्नाथ,सुभद्रा मां एवं बलदाऊ की आरती कर कल्याणेश्वर मंदिर से यात्रा आरंभ हुई ।सैकड़ों नगरवासी,श्रद्धालु महिलाए, बच्चे व पुरुष शामिल हुए। बैंड बाजे के साथ मार्ग पूरा भक्तिमय हो गया ।कल्याणेश्वर मंदिर स्थित मौसी घर में भगवान के फल फूल एवम भोग का इंतजाम 7से 16 जुलाई तक किया दिया गया था। पंडित ज्योति नारायण झा एवं पंडित सुखदेव तिवारी के अचारत्व में सभी कार्य 16 जुलाई तक किए गए। समिति के अध्यक्ष निरंजन सिंह,सचिव विनोद दुबे, कोषाध्यक्ष निशांत नारायण के अलावा वरिष्ठ सदस्य एच एन राय, बी एम शर्मा, शिवप्रसन्न प्रसाद,समरेंद्र सिंह,राजेश सिंह,जगत गुप्ता,सपन अधिकारी,कन्हाई भट्टाचार्य,समशेर सिंह, राहुल,काजल दांगी, लालटू,अंशुमाली ठाकुर,अभिषेक शर्मा सहित सैकड़ों सदस्य एवम नगरवासी मौसी घर तक महाप्रभु के साथ उपस्थित रहें।

झारखंड शूटिंग प्रतियोगिता में डीपीएस के आयुष्मान को प्रथम स्थान

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में 10वीं कक्षा के होनहार विद्यार्थी आदि आयुष्मान ने एक बार फिर निशानेबाजी में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। राज्यस्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में लगातार दूसरे वर्ष आदि ने पूरे झारखंड में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय और शहर को गौरवान्वित किया है। देवघर स्थित के. सुरेन्द्र सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 14वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप 2024 की सीनियर और जूनियर, दोनों ही कैटगरी में उसने रैंक 1 हासिल की। (ए-71) ओपन साइट 50 मीटर राइफल प्रोन मेन के साथ-साथ (ए-72) ओपन साइट 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर मेन में भी आदि ने शानदार निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। दोनों ही स्पधाओं में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उसने एक-एक गोल्ड मेडल जीता। (ए-71) ओपन साइट 50 मीटर राइफल प्रोन मेन में जहां उसने जमशेदपुर के हर्ष दीप सिंह को चार अंकों से पराजित किया, वहीं (ए-72) ओपन साइट 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर मेन में 10 एक्स राइफल शूटिंग क्लब के अनुराग को 10 अंकों के अंतर से हराया। आदि को प्रत्येक स्पर्धा में 495 अंक मिले। प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों व राइफल क्लबों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसके साथ ही आदि आयुष्मान ने अब अगले एक-डेढ़ महीने में होने वाली ईस्ट जोनल शूटिंग प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उसकी इस शानदार उपलब्धि पर मंगलवार को डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने उसे मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा बधाई देते हुए जोनल व राष्ट्रीय स्तर पर भी दमदार प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने कहा कि आदि की यह सफलता न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे बोकारो व कोयला क्षेत्र के लिए भी अत्यंत ही गर्व का विषय है। विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री से मिल सहियाओं की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा

बोकारो : सहियाओं की समस्या को लेकर कांग्रेस नेत्री श्वेता सिंह ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंपा। विदित हो कि 1000 महिलाओं की देख-रेख के लिए राज्य में एक सहिया को रखा गया है, जिससे सहियाओं पर कार्य का बोझ ज्यादा है और वे सभी महिलाओं तक पहुंच भी नहीं पाती हैं। दूसरी ओर उन्हें दिया जाने वाला मानदेय की राशि भी मात्र पांच से छः हजार रुपए ही है, जिसमें उन्हें अपना जीवन-यापन करने में कठिनाई होती है। श्रीमती सिंह ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर उन्हें तत्संबंधित ज्ञापन सौंपा जिसमें मांग किया गया है कि 1000 की जगह 500 महिलाओं पर एक सहिया को दिया जाए एवं उनके जीवन-यापन हेतु दिए जाने वाले मानदेय की राशि को बढ़ाकर कम से कम 10000 किया जाए ताकि इस महंगाई की दौड़ में उन्हें कुछ तो सहुलियत मिले। स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में अपराधी बेखौफ : रणधीर

बोकारो : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार पक्ष के नेता रणधीर सिंह ने कहा की बिहार में कानून व्यवस्था बिल्कुल लचर है अपराधी बेखौफ है कानून व्यवस्था पर लोगों का विश्वास उठता जा रहा है जिस प्रकार पिछले दिनों इंडिया गठबंधन के नेता माननीय मुकेश साहनी जी के पिता के निर्मम हत्या हुई यह कानून व्यवस्था का पोल खोलता है बिहार में भाजपा और जदयू की सरकार कानून व्यवस्था बहाल करने में फैल रही है जब से दोनों गठबंधन की सरकार बिहार में बनी है अपराधिक घटना में वृद्धि हुई है माननीय मुकेश साहनी जी के महागठबंधन में आने से केंद्र सरकार के द्वारा उनकी सुरक्षा में कटौती कर दी गई ।

मनरेगा योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ायें : सुखदेव भगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने मंगलवार को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। मनरेगा की समीक्षा के क्रम में उन्होंने कहा कि इस योजना में ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों की भागीदारी बढ़ायें।साथ ही बिरसा हरित ग्राम के तहत लगाए गए पौधों को उन्होंने समुचित देखभाल करने को कहा ताकि भविष्य में उसका विकास अच्छा हो। इसके साथ ही उन्होंने वीर शहीद पोटो हो, बिरसा सिंचाई कूप, आधार आधारित भुगतान प्रणाली, प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास आदि महत्वपूर्ण संचालित योजनाओं की एक-एक कर जानकारी लेते हुए समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समेकित जनजाति विकास अभिकरण के कार्यों के समीक्षा के क्रम में उन्होंने छात्रों को प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति से ससमय अच्छादित करने का निर्देश दिया । इसके साथ ही उन्होंने कुक्कुट पालन योजना एवं एम.एस.डी.पी. के तहत संचालित विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के क्रम में उन्होंने जिले के सदर अस्पताल के आई.सी.यू. को और भी ज्यादा दुरुस्त करने को कहा। साथ थी उन्होंने डायलिसिस सेंटर को नियमित रूप में संचालित करने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में एंटीवेनम एवं एंटीरेबीज दवाओ की उपलब्धता सुनिश्चित हो। इसके साथ ही उन्होंने ए.एन.सी.,संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, स्कूली बच्चों का नेत्र जाँच, कुपोषण उपचार केंद्र, मेडिकल मोबाइल यूनिट आदि की भी जानकारी ली। आपूर्ति विभाग की समीक्षा के क्रम में उन्होंने जिला में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आमजन को दी जाने वाली अनाजों की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने जिले में धान अधिप्राप्ति की अद्यतन जानकारी ली। कृषि विभाग में उन्होंने सोएल हेल्थ टेस्ट, टपक सिंचाई, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन,आत्मा, बिरसा फसल विस्तार योजना आदि की जानकारी ली इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन की जानकारी लेते हुए ड्रैगन फ्रूट की खेती को बढ़ावा देने को कहा। सहकारिता विभाग में संचालित लैंपस एवं फैक्स की जानकारी ली। समाज कल्याण विभाग को उन्होंने जिले में डायन विषय को प्रथा को रोकने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया इसके साथ-साथ उन्होंने विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्र, कुपोषण, बाल मृत्यु दर,महिला मृत्यु दर, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री वंदना योजना की भी जानकारी ली। योजना विभाग के तहत संचालित केंद्र प्रायोजित विशेष केंद्रीय सहायता के कार्यों की भी उन्होंने एक-एक कर जानकारी प्राप्त की। उद्योग विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम विश्वकर्म योजना की जानकारी अग्रणी बैंक प्रबंधक से ली। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सुरक्षा, पेयजल एवं स्वच्छता, एन आर ई पी,विद्युत, विशेष प्रमंडल, आरईओ,जेएसएलपीएस द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी ली।

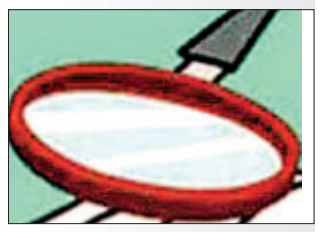

30 महिलाओं से वाशिंग पाउडर निरमा की फैक्ट्री खोलने के नाम पर 50,000 हजार रुपये की ठगी

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय में आज सभी 30 महिलाएं गुमला पहुंच कर मजदुर संघ सीएफटीयुआई झारखंड प्रदेश वा गुमला जिला कार्यालय में प्रदेश सचिव जुम्मन खान एवं गुमला जिला टीम को लिखित आवेदन देते हुए बताया की हम सभी 30 महिलाओं से दो लोगों ने 2साल पूर्व हमसे H.D.F.C.बैंक से 25+25हजार प्रति महिला से लोन निकलवाया । टोटल -7,50000 तथा पुरे रुपया को लिखित रूप से लिया । खुद को यूथ यूचो रेवालशन प्रा -लि-कंपनी का डायरेक्टर,वा फिल्ड मनेजर कह कर हमसे रुपया लिए और सर्फ निरमा बनाने वाली मशीन देने कि बात कहा गया। जिसमें बिजय कुमार साहू रकमसेरा गुमला प्रखंड तथा दुसरा आजंन गांव के अंकित पाठक है जो हम सभी 30 महिलाओं से कोर्ट में एग्रीमेंट भी किया। लेकिन अब तक ना सर्फ निरमा का फेक्ट्री लगवाए और ना ही दिया गया राशि वापस कर रहे हैं। हम सभी महिलाओं ने लिए गए लोन का राशि किसी तरह बैंक में 30,960+30,960 करके कुल राशि 9,28,800 भरे। इस मामले में पूर्व में 1साल पहले पुलिस अधीक्षक गुमला को भी लिखित आवेदन दे कर इस पुरे मामले में करवाई की मांग किया जा चुका है लेकिन भी हमारे ठगी किए गए राशि बिजय साहु वा अंकित पाठक से नहीं मिल पाया।

बीडीओ के कार्यालय कक्ष में निर्वाचन संबंधित कार्यों को लेकर हुई बैठक

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा बीडीओ दिनेश कुमार ने मंगलवार को दिन के 1 बजे अपने कार्यालय कक्ष में निर्वाचन संबंधित कार्यों को लेकर पर्यवेक्षकों के साथ बैठक किया। बैठक में बीडीओ ने निर्देश देते हुए पर्यवेक्षकों को कहा कि डोर टू डोर बीएलओ द्वारा किए गए निर्वाचन संबंधित कार्यों का सत्यापन करें। इसके साथ ही नए मतदाता जिनकी उम्र सीमा 18 वर्ष या उससे ऊपर हो चुकी है। प्रपत्र भरकर जमा करवाए। ताकि नए मतदाता बन सके और अपना मत का प्रयोग कर सके। इसके साथ ही मृत हो चुके मतदाताओं को चिन्हित कर प्रपत्र भरवाये और नाम हटाने की प्रक्रिया करे।इसके साथ ही जो मतदाता स्थानांतरित हो चुके हैं। उनका चयन कर मतदाताओं का नाम हटाए। मौके पर उपस्थित लोगों में बीपीआरओ शंकर साहू, कंप्यूटर सहायक ज्योति लाल महतो, सहित कई कर्मी उपस्थित थे ।

आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर मिली नौकरी, उपायुक्त ने सौंपा नियुक्ति पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : अनुकंपा के आधार पर नौकरी से सम्बंधित पूर्व में हुए जिला अनुकम्पा समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में स्व० लालमोहन भगत, घाघरा प्रखण्ड के निवासी के आश्रित पुत्र सुबोध कुमार भगत को अनुकम्पा के आधार पर उनके शैक्षणिक योग्यता के आधार पर तृतीय वर्ग के पद पर नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं घाघरा प्रखंड के स्व. सुमराय मनोहर के आश्रित पुत्र निशांत थॉमस टोप्पो को उनके शैक्षणिक योग्यता के आधार पर तृतीय वर्ग के पर नियुक्ति हेतु स्वीकृति प्रदान की गई।जिसके तहत उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अपने कार्यालय कक्ष में दोनो ही आश्रितों को अपने हाथों से नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया। एवं उनके आने वाले भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उक्त आश्रितों को नियुक्ति के अलावा उन्हे सरकार के द्वारा निर्धारित वेतन भत्ता के अतिरिक्त समय-समय पर स्वीकृत जीवन यापन भत्ता एवं अन्य भत्ते भी देय होंगे ।

जगन्नाथ रथ मेला के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : रांची स्थित जगन्नाथ पुर मेला में रथ मेला के अवसर कला संस्कृति, खेल कूद युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सिमडेगा जिला स्थित चक्रीय विकास संस्थान सिमडेगा द्वारा संचालित छोटानागपुरी लोक संगीत नृत्य प्रशिक्षण केंद्र के कलाकरों ने निदेशक सत्यव्रत ठाकुर के निर्देशन में जगन्नाथ महोत्सव में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में निदेशक सत्यव्रत ठाकुर के अगुवाई में चांवर पैकी नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों को झूमने पर विवाद कर दिया. मौके पर कलाकारों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया सम्मानित किया गया.मौके पर दल नायक अर्जुन नायक, शिलो नायक, नेतर नायक, पारस नायक, राजेंद्र नायक, सुषमा कुमारी, सरिता कुमारी, अर्चना,ब्यूटी रोज केरकेट्टा,अमृता बुड़ लक्ष्मी कुमारी, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाइक से गिरने से दो युवक घायल

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत कारी झरिया मोड में बाइक से अनियंत्रित होकर गिरने से पुटरंगी डुमरी निवासी 18 वर्षीय रोहित कुमार और मनोरा जशपुर निवासी 24 वर्षीय अरविंद भगत गंभीर रूप से घायल हो गया।वहीं घटना में रोहित को सिर व चेहरा में चोट लगी जबकि अरविंद को सिर और शरीर के कई हिस्से में काफी चोट लगी है। जानकारी के मुताबिक अरविंद रोहित के घर मेहमानी आया था वही दोनों बाइक से मुर्गा खरीदने डुमरी जा रहे थे। तभी कारी झरिया मोड में तेज रफ्तार के कारण नियंत्रित होकर गिर गए। सदर अस्पताल में इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने दोनों को रिम्स रांची रेफर कर दिया।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

झारखण्ड एग्रीकल्चर एण्ड सोएल मैनेजमेंट इन्स्टीच्यूट (जैसमीन)
कार्यालय-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जैसमीन, झारखण्ड, राँची
चतुर्थ तल्ला रूम नं0-405 कृषि भवन, काँके रोड, राँची,
ई-मेल-ceojasmin@gmail.com

आवश्यक सूचना का प्रकाशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जैसमीन अन्तर्गत तीनों प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजन एवं आवासन व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु प्रकाशित निविदा "Tender to Provide Fooding & Lodging at JASMIN Training Centers at Nagri & Hazaribagh" पी0 आर0 सं0 328075 कृषि (24-25), डी0 को अपरिहार्य कारणवश रद्द कर दिया गया है।

ह0/-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जैसमीन, झारखण्ड, राँची

PR 329787 Agriculture(24-25)#D

आजसू पार्टी की पैका पंचायत में हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : मंगलवार को पैका में आजसू पार्टी की बैठक पंचायत प्रभारी अनीता देवी और सविता देवी की अध्यक्षता में रखा गया जिसमें पैका पंचायत के सभी ग्राम प्रभारियों के साथ बैठक किया गया जिसके मुख्य अतिथि आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उराँव ने कहा हेमंत सोरेन सरकार एक भी वादा धरातल पर जानता का काम पूरा नही किया है खिजरी विधानसभा के कई गाँव ऐसा है जहाँ विधायक सांसद रोड उद्घाटन कर तो दिए हैं लेकिन काम नही हो रहा जनता पूरी तरह से त्रस्त हो चुकी है इसलिए अब खिजरी विधानसभा में जानता बदलाव चाहती है और ये काम आजसू पार्टी चूल्हा प्रमुख ने बीड़ा उठाया है 2024 विधानसभा में चुनाव में बालू कोयला पर राजनीति करने वालों को जानता उखाड़ फेंकने का काम करेगी इस मौके पर प्रखंड उपाध्यक्ष किसुन महतो, संजय महतो, ग्राम प्रभारी एवं चूल्हा प्रमुख-धार्मि देवी,पूनम देवी, सरिता देवी, चैती देवी, रेखा देवी, पुष्पा कुमारी, रूपा कुमारी, लक्ष्मी महतो, राजू महतो, अगमलाल महतो, कमल महतो, अलो देवी, आदि सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

सशस्त्र सीमा बल ने तमाड़ में किया जनजातीय आभूषण निर्माण प्रशिक्षण का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : मंगलवार को नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात 26वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के श्री एस. डी. शेरखाने के नेतृत्व में जी-समवाय, तमाड़ में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 07 दिवसीय जनजातीय आभूषण निर्माण प्रशिक्षण दिनांक मंगलवार से 23/07/2024 तक आयोजित किया गयो इस कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सुनील कुमार के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक जग्गनाथ ओरांव (समवाय प्रभारी), संजीवनी शक्ति सेवा समिती की (सेक्रेटरी) रजनी सत्यकाम, प्रशिक्षक सुरभि देवी एवं रीता महतो सहित कुल 22 प्रशिक्षु एवं बलकर्मी उपस्थित थे। महोदय ने प्रशिक्षण का शुभारंभ करने के पश्चात प्रशिक्षुओं को संबोधन में कहा की, सशस्त्र सीमा बल हमेशा जनता के बीच रह कर कार्य करती हैं और उनके उत्थान हेतु समयझसमय पर विभिन्न नागरिक कल्याण, कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित कर लोगो को मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य करती आ रही हैं` बीते कुछ महीनों पहले भी बकरी पालन, मत्स्य पालन, मोबाइल रिपेयरिंग, प्लंबिंग, मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण ईत्यादी कार्यक्रमों एवं खेल कूद प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन करवाया गया है`हमारे परिवार और समाज में महिलाओं की अहम महत्वता को समझते हुए सशस्त्र सीमा बल द्वारा इस जनजातीय आभूषण निर्माण कार्यक्रम को आयोजित किया गया है, जिससे हमारी माता और बहनों को आर्थिक रूप से सुद्दढ़ता मिल सके। अन्य सभी कार्यक्रमों की भांति इस कार्यक्रम में भी ग्रामीणों का उत्साह एवम योगदान सराहनीय रहा है।

कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, लातेहार

-: पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना :-

वित्तीय वर्ष 2024-25 मे कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड, रांची के राज्यादेश सं0 09 रा0 (विभा0) दिनांक-24.06.2024 द्वारा "जोड़ा बैल वितरण योजना" की स्वीकृति प्रदान की गई है। जोड़ा बैल वितरण योजनाओं से संबंधित योग्य एवं इच्छुक पशुपालकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है। प्रखण्डवार लक्ष्य निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	प्रखण्ड का नाम	90 प्रतिशत अनुदान पर जोड़ा बैल वितरण करने के लिए लाभुकों का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	बालूमाथ	4	
2	लातेहार	4	
3	गनिका	4	
4	बारियातु	3	
5	बरवाडीह	3	
6	महुआडांड	3	
7	हेरहंज	2	
8	चन्दवा	3	
9	गारू	2	
10	सरयू	1	
		29	

लाभुकों के चयन की प्रक्रिया :-

- लाभुक झारखण्ड राज्य के किसान हो तथा झारखण्ड राज्य का स्थायी निवासी हो।
- लाभुक के पास खेती योग्य भूमि एवं BPL कोटि की श्रेणी में हो।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/आदिम जनजाति एवं दिव्यांग जनों को चयन में प्राथमिकता दी जायेगी।
- लाभुकों का चयन ग्राम स्तर पर ग्राम सभा के द्वारा किया जायेगा, जिसका अनुमोदन मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लिए गठित प्रखण्ड स्तरीय समिति तथा जिला स्तरीय समिति से प्राप्त किया जाएगा।
- जोड़ा बैल का दर बाजार समिति अन्तर्गत क्रय विक्रय हेतु निर्धारित दर के आधार पर या अधिकतम रू0 20,000/- तक प्रति बैल निर्धारित की जायेगी।
- योजना 90 प्रतिशत अनुदान पर संचालित होगी। लाभुक को 10 प्रतिशत राशि अपने स्तर से देना होगा।
- लाभुकों को जोड़ा बैल पशुपालन निदेशालय, झारखण्ड, रांची द्वारा सूचिबद्ध आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा।

इच्छुक पशुपालक अपना आवेदन पत्र (विहित प्रपत्र में) ग्राम सभा से अनुशंसा के साथ संबंधित प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय में दिनांक 25.07.2024 तक जमा करना सुनिश्चित करें।

नोट :- विशेष जानकारी जिला पशुपालन कार्यालय/ प्रखंड पशुपालन कार्यालय/ प्रथम वर्गीय पशुचिकित्सालय से प्राप्त किया जा सकता है।

निवेदक :-
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
लातेहार

PR 329815 Animal Husbandry(24-25)D

आजसू पार्टी ने वन विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : मंगलवार को बोंगाईबेड़ा पंचायत में रेलवे द्वारा बन रहे पी सी सी पथ निर्माण कार्य को वन विभाग द्वारा रोक लगाने पर आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उराँव की अगुवाई पर ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन रेलवे स्टेशन से बोंगाईबेड़ा काला रोड तक किया गया,ग्रामीणों का कहना है रोड बन जाने से कई गाँव और टोला मुहल्ला के लोगों को स्टेशन आने जाने में सुविधा होगी,परंतु वन विभाग ने पी सी सी पथ बन रहे अधूरा काम को रोक लगा दिया है इसके खिलाफ बोंगाईबेड़ा पंचायत के मुखिया हिरदु उराँव ने वन विभाग को सूचित कर प्रदर्शन स्थल पर आने को कहा एवं रोड को अविलंब चालू कराने के लिए आवेदन भी दिया और कहा 3 से 4 दिन में रोड निर्माण कार्य चालू नही किया तो वन विभाग के खिलाफ आंदोलन कर अधिकारियों का हुक पानी बंद कर देंगे। इस मौके पर आजसू पार्टी प्रखंड उपाध्यक्ष किसुन महतो,गणेश उराँव, महादेव उराँव, फकीरा उरांव, शंकर उराँव, जगना उरांव, सोमरा उराँव, जुवेल तिग्गा, सुमित्रा देवी, सुमन देवी, बिरसा मुंडा, राजन टोप्पो, प्रकाश उरांव, दीपक उराँव,सुकरो देवी,संजय उरांव, सोनू टोप्पो, रामदास उरांव, जतरी देवी,रंजीत तिर्की, माधो उराँव, बुधनी देवी,सोहराई उरांव, मिनी देवी,नीलू तिर्की, बिरसा उरांव, मुनी देवी,अशोक उरांव, सवाना मुंडा,अनिल मुंडा आदि सैकड़ों महिला पुरूष उपस्थित रहे।

धर्मशाला मंजुनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट में विश्व युवा कौशल दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में विश्व युवा कौशल दिवस बनाया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती नीतू कुमारी डीडीएम नाबार्ड रांची, श्रीमती अमिता टूटी बीपीएम सिल्ली उपस्थित रही। विश्व युवा कौशल दिवस पर पूर्व प्रशिक्षणार्थी बिमल कुमार महतो, संतोष उरांव, बालिका कुमारी, आइलीन तिर्की सभी ने अपना अपना कार्य का अनुभव साझा किया । मुख्य अतिथि ने यह संदेश दिया की विश्व युवा कौशल दिवस प्रत्येक साल 15 जुलाई को बेरोजगारी और अल्परोजगार से निपटने के लिए और युवाओ को सही मार्ग दर्शन देने के लिए मनाते है। श्रीमती अमिता टूटी ने विश्व युवा दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय और घरेलु विश्व युवा दिवस तीन कारणों से महत्वपूर्ण है युवाओ पर विश्वास जताना और उनका सम्मान करना है। रूडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने यह संदेश दिया कि आज के आधुनिक युग में प्रत्येक शिक्षित और अशिक्षित सभी के पास कुछ न कुछ कौशल होनी चाहिए ताकि किसी परिस्थिति में अपना स्वयं का रोजगार कर सके। मंच का संचालन वरिष्ट संकाय अनिल कुमार ने किया। मौके पर वरिष्ठ संकाय जगदीश चंद्र महतो,दशरथ महतो,महेश रुहिदास,सुनील मुंडा उपस्थिति रहे।

Office of Legal Serves Authority, Simdega

Notice regarding vacancy of Member Permanent Lok Adalat, Simdega

Application in the prescribed format is invited from persons having adequate experience in public utility services (transport service for the carriage of passengers or goods by air, road or water, or postal telegraph or telephone service, or supply of power, light or water to the public by any establishment; or system of public conservancy or sanitation; or service in hospital or dispensary; or insurance service; or banking service; or education or educational institutions; or housing and real estate services) for filling up the post of Member, PLA of Simdega.

Number of posts- 01

Entitlement: Sitting fee of Rs. 2000/- per sitting and Rs. 5000/- conveyance allowance per month.

Period of appointment: The Member shall hold office for a term of 5 years or till the age of sixty- five years, whichever is earlier. Applicant must attach **one recent passport size photograph affixed in application, two self addressed stamped envelope (Rs. 42/- each)** with the application.

Last Date of application: Application addressed to **Chairman, District Legal Services Authority, Civil Court, Simdega** must reach by speed post/Courier/Registered Post latest by 16.08.2024 by 5 PM.Photograph

Application for the post of Member, PLA

Photograph

Format

Name of Applicant	
Fathers Name	
DOB and Age	
Address with PIN code	
Contact No. Email address	
Education Qualification *enclosure copies of educational qualification	
Experience, work profile certificate, if any. *enclosure copies of experience certificate Whether convicted in any criminal case or any criminal case pending against the candidate (Yes/No)	

Declaration

I hereby declare that all the contents mentioned above are true and nothing has been concealed by me. If any statement is found incorrect or misleading, my candidature may be cancelled.

Date and Place Signature of applicant and Mobile No.

Chairman,
District Legal Services Authority, Simdega

PR 329762 Simdega(24-25)#D

समानता के बगैर लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं...

अरुण कुमार दीक्षित

भारत वासियों के सपनों को हर हाल में पूरा करने के लिए संसद की गरिमा को बचाए रखने के लिए विचार मंथन करना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। विपक्ष को चाहिए कि राष्ट्र की मूलभूत समस्याओं को लोकसभा में रखें। लगातार सरकार के कामकाज पर दृष्टि रखें। किसी भी तरह से लोगों का अहित न होने पाए । लोकहित के प्रश्नों को सदन में रखना चर्चा करना, सरकार की रचनात्मक आलोचना करना, नए कानून या संशोधन में अपनी राय देना जैसे महत्वपूर्ण कार्य होते हैं।

भारतीय राजनीतिक चिंतन की परंपरा पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन से अधिक पुरानी है। भारत में राजतंत्र और गणतंत्र शासन व्यवस्था प्राचीन हैं। कौटिल्य ने राज्य को अपने आप में साध्य मानते हुए समाज में सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने राजा के कार्य क्षेत्र को अत्यंत विस्तृत बताया है। कौटिल्य ने राज्य की संपूर्ण संस्थाओं को मनुष्य के आध्यात्मिक सांस्कृतिक और आर्थिक कल्याण का साधन बताया है। सुझाव दिया है कि राजा को आग, बाढ़, महामारी, अकाल और भूकंप जैसी दैवीय विपत्तियों का निवारण करना चाहिए। राजा को चाहिए कि प्रजा के प्रति पुत्रवत आचरण करे। राज्य में अपराधियों के लिए दंड, बाहरी शत्रुओं से रक्षा, राज्य की आंतरिक व्यवस्था एवं न्याय की रक्षा प्रमुख बताया है।

18वीं लोकसभा का गठन कुछ दिन पूर्व हुआ है। भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिकगठबंधन तीसरी बार केंद्र की सत्ता में आया है। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पिछले दिनों पूरे देश के लोगों ने संचार माध्यमों के जरिए देखी। संसद के भीतर के दृश्य काफी निराशाजनक रहे। प्रत्येक लोकसभा और राज्यसभा सदस्य का यह कर्तव्य है कि वह भारतीय संविधान की उद्देशिका में वर्णित तथ्यों के अनुसार आचरण करे। उद्देशिका में कहा गया है कि हम भारत के लोग भारत को (एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों की ,सामाजिक,आर्थिक , राजनीतिक न्याय, विचार ,अभिव्यक्ति, विश्वास,धर्म और स्वतंत्रता प्रतिष्ठा के अवसर की समता राष्ट्र की एकता और अखंडता बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर अधिनियमित आत्मार्पित करते हैं।

भारत के संविधान के अनुसार सदन के सदस्यों का आचरण होना ही मर्यादा है। बीते कुछ समय से ऐसा नहीं हो रहा है। भारी भरकम धनराशि खर्च कर चलने वाले लोकसभा सदन में हंगामा है। शोर शराबा की स्थिति बढ़ी है। यहां तक की शपथ ग्रहण के अवसर पर विभिन्न सांसदों ने शपथ की निर्धारित शब्दावली के अतिरिक्त विशेष विचार धारा से जुड़े हुए नारे लगाए। जो संविधान सम्मत नहीं कहे जा सकते। इस पर सदन को विचार करना होगा। संसद का सदन सुचारु रूप से चले, इसकी जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की बराबर होती है। मगर सत्ता पक्ष और विपक्ष में सकारात्मक चर्चा का अभाव देखा जा रहा है। लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष का होना शुभ माना जाता है। होना यह चाहिए कि पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर राष्ट्र के लोगों को समता समृद्धि के अवसर बगैर दलीय,जातीय,पंथिक पूर्वाग्रह के उपलब्ध कराने की कार्रवाई करें । राष्ट्र को शक्तिशाली समृद्धशाली बनाने में कोताही न बरतें।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को लेकर की गई टिप्पणी से संसद की गरिमा को ठेस पहुंची है। अब यह कहा जा रहा है कि उन्होंने भाजपा के लोगों को लक्ष्य कर ऐसी टिप्पणी की है।संपूर्ण हिंदुओं पर नहीं की। लोकसभा भारत का हृदय स्थल है। किसी भी दल के लोकसभा व राज्यसभा के सदस्यों द्वारा भारत को आहत करने वाली टिप्पणियों को क्या जायज ठहराया जा सकता है ? उत्तर होगा नहीं। मगर ऐसा प्राय:होता आ रहा है। इतना ही नहीं, आंध्र प्रदेश के लोकसभा सदस्य असदुद्दीन ओवैसी द्वारा एक अन्य देश का नाम लेकर लोकसभा सदन में जिंदाबाद कहा गया । यह और शर्मनाक घटना है और सीधे-सीधे भारत की संप्रभुता पर हमला है। लोकसभा के भीतर और बाहर कुछ भी बोलने के विरुद्ध आचार संहिता को कठोर बनाया जाना चाहिए ,अन्यथा की स्थिति में यह भारत विरोधी कार्रवाई रुकने वाली नहीं है।

यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्र के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा से पीछे हटना भी देश के लोग देख रहे हैं। यह आरोप विपक्ष पर सत्ता पक्ष और सत्ता पक्ष पर विपक्ष लगा रहा है। संविधान विशेषज्ञों द्वारा इस पर चिंता व्यक्त की जा रही है। देश की जनता जिन महानुभावों को अपने जनप्रतिनिधि बनाकर लोकसभा में भेजा है। वह भारत का स्व नहीं देख पा रहे हैं। जो समाज राष्ट्र अपना स्व भूल जाता है, वहां खतरनाक स्थिति हो जाती है। वह मात्र चुनाव में सफल होने को ही बड़ा अधिकार और कर्तव्य मान रहे हैं जबकि संविधान में अधिकारों के साथ कर्तव्य भी साथ-साथ अधिष्ठापित हैं। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह अपने चुने हुए जनप्रतिनिधियों को राष्ट्र के प्रति निष्ठा कर्तव्य अधिकार जनता के प्रति मजबूत जवाबदेही, स्वास्थ्य ,शिक्षा,जीवन रक्षा ,राष्ट्रीय सुरक्षा, नैतिक शिक्षा,पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, नदियां, पहाड़, जंगल, पौराणिक धार्मिक पंथिक आस्थाओं एवं राजनीतिक प्रशिक्षण के उपाय पर विचार करें।

पं.जवाहरलाल नेहरू संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांत और व्यवहार के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने लोकतंत्र के सिद्धांत को महात्मा गांधी के नैतिकता के सिद्धांत के साथ मिलकर नया रूप देने की कोशिश की । उनकी दृष्टि में लोकतंत्र अपने आप में साध्य नहीं था, बल्कि वह भारत के लाखों-करोड़ों लोगों के दुख-दर्द और गरीबी दूर करने का साधन मात्र था। (ओपी गाबा की पुस्तक राजनीति राजनीति-चिंतन की रूपरेखा पेज संख्या 344)

पं.नेहरू ने सन 1936 में लार्ड लोथियन को लिखे गए एक पत्र में कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से राजनीतिक लोकतंत्र को केवल इस आशा से स्वीकार करने के लिए तैयार हूं कि उसका परिणाम सामाजिक लोकतंत्र होगा । नेहरू ने लोकतंत्र के साथ स्वतंत्रता और समानता के अटूट संबंधों को भी स्वीकार किया है । समानता के बगैर स्वतंत्रता और लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं है। डॉ.आंबेडकर के समानता को लेकर विचार हैं कि राजनीतिक क्षेत्र में तो हम एक व्यक्ति,एक वोट,एक मूल्य कर देंगे, परंतु हमारा सामाजिक आर्थिक ढांचा इससे नहीं बदल जाएगा,जिससे एक व्यक्ति,एक मूल्य के सिद्धांत को सार्थक किया जा सके। समानता का सिद्धांत सच्चे अर्थों में तभी सार्थक होगा,जब मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक तीनों क्षेत्रों में प्रत्येक व्यक्ति की मूल्यवत्ता को साकार किया जा सके।

गांधी ,लोहिया और आंबेडकर चाहते थे कि लोकतंत्र के बगैर समानता के कोई अर्थ नहीं है। तब सभी महानुभावों को यह बात समझनी चाहिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था ही हमारे राष्ट्र जीवन में अच्छे परिवर्तन लाने वाली है। हमारा संविधान ही सर्वोत्तम है। संविधान से बड़ा कोई नहीं है । भारत के लोकतंत्र की विश्व में प्रतिष्ठा है। संविधान के प्रति निष्ठा अधिकतम आदर्श स्थिति तक ले जाती है। किसी विषय पर केंद्रित होकर सकारात्मक चर्चा नहीं हो पा रही है। हो सकता है कि कुछ राजनीतिक बिंदुओं पर विपक्ष और सत्ता पक्ष एक राय न हो। राष्ट्र की अस्मिता से जुड़े मुद्दों पर पक्ष -विपक्ष को राजनीति न कर राष्ट्रीय हितों के मुद्दों पर एक साथ होना चाहिए। गठबंधन सरकारें पहले भी रही हैं। अटल बिहारी वाजपेयी और नरसिम्हा राव की भी सरकारें गठबंधन से ही बनी थीं । इस बार भी गठबंधन सरकार है, मगर आज की स्थिति भिन्न है।

लगता है विरोध के स्थान पर शत्रु भाव बढ़ता जा रहा है। ऐसी कटुता संसदीय मर्यादा के लिए ठीक नहीं है। भारत वासियों के सपनों को हर हाल में पूरा करने के लिए संसद की गरिमा को बचाए रखने के लिए विचार मंथन करना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। विपक्ष को चाहिए कि राष्ट्र की मूलभूत समस्याओं को लोकसभा में रखें। लगातार सरकार के कामकाज पर दृष्टि रखें। किसी भी तरह से लोगों का अहित न होने पाए । लोकहित के प्रश्नों को सदन में रखना चर्चा करना, सरकार की रचनात्मक आलोचना करना, नए कानून या संशोधन में अपनी राय देना जैसे महत्वपूर्ण कार्य होते हैं । सवाल उठता है कि विपक्ष और सत्ता पक्ष मिलकर क्या जनहित के किसी विषय पर कोई आदर्श स्थिति बना सकते हैं। मगर विपक्ष अभी तक किस दिशा में जा रहा है, वह स्वयं नहीं तय कर पाया है। एक मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि सदन के भीतर से लेकर बाहर तक यहां तक की गांव में भी सत्ता पक्ष द्वारा लिए जा रहे किसी निर्णय पर चर्चा कर सकता है। विपक्ष के दिशाहीन होने से बड़े नुकसान हो सकते हैं। भ्रामक प्रचार और सस्ती लोकप्रियता से काम चलने वाला नहीं है।

संपादकीय

चिंता का सबब

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला निश्चित रूप से चिंता का सबब है। 40 दिन पूर्व राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले ट्रंप पर एक चुनावी सभा में जानलेवा हमले से हर कोई हलकान है। वाकई ट्रंप को जो जीवनदान मिला है वह भगवान की देन ही कही जाएगी। खुद ट्रंप ऐसा मानते हैं। दरअसल, अमेरिका में बंदूक संस्कृति की वजह से खून-खराबे का ऐसा माहौल बना है। कहते हैं कि वहां लोगों से ज्यादा बंदूकें हैं। हालांकि इस हमले को सियासी चश्मे से भी देखा और परखा जा रहा है। कई जानकार तो यहां तक दावा करने लगे हैं कि इस हमले के बाद ट्रंप की जीत की राह काफी आसान हो गई है। बहरहाल, ये सभी कयासबाजी मुकम्मल जांच के बाद ही साफ हो सकेंगी कि इसके पीछे किसकी साजिश है। प्रथम दृष्टया जो कुछ सार्वजनिक हुआ है उसमें हमलावर की ट्रंप के प्रति नासंदगी की बात है। चुनाव के ठीक पहले इस तरह के हमले को लेकर कई किंतु-परंतु होते हैं। यह लगभग हर देश में होता है। अमेरिका में भी इसे लेकर कई तरह की बातें हो रही हैं, मगर एक बात तो हर किसी को अपने जेहन में रखनी होगी कि हिंसा और खून बहाना किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए श्राप से कम नहीं। इस नाते किसी को भी इस मसले पर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए। विश्व के सबसे ताकतवर मुल्क के मुखिया के पद पर रहे शख्स को जान से मारने की नीयत से हमला करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडन को तुरंत पूरे प्रकरण की ठोस जांच करानी चाहिए और इस बात का भरोसा विपक्षी दलों समेत देश की जनता को दिलाना चाहिए कि ऐसे कृत्य नाकाबिले बर्दाश्त हैं। इस बात की भी जांच पूरी पारदर्शिता से होनी चाहिए कि उनकी सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंट से कहां चूक हुई। निश्चित तौर पर ट्रंप पर हमला सामान्य घटना नहीं है। इससे अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की पूरी दिशा ही बदल सकती है। ट्रंप फिलहाल बाइडन से प्रचार में बढ़त बनाए हुए हैं। बाइडन की उम्र और उम्र संबंधी दुश्वारियों की वजह से रिपब्लिन पार्टी फिलवक्त कमजोर दिखती है। अगर ट्रंप पर हमले की घटना आम अमेरिकियों के दिलो-दिमाग पर गहरे तक असर डालेगी तो वहां सत्ता में बदलाव हो सकता है। देखना है, रिपब्लिकन पार्टी पूरी घटना से खुद को कैसे उबार पाती है? आने वाला वक्त वाकई दिलचस्प होने वाला है।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।

संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!

आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता, 2369?भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

सरकारी धन की लूट, रिश्वत और भ्रष्टाचार का साम्राज्य

सनत कुमार

आम जनता अपना वोट देकर नेता चुनती है। अपने अधिकार नेताजी को सौंप देती है। नेताजी और अधिकारी मिलकर आम जनता के विश्वास को धोखा देते हैं। फाइलों में गरीबों के नाम पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाई जाती हैं। उन योजनाओं का लाभ गरीबों को आज भी नहीं मिल पा रहा है। भ्रष्टाचार को खत्म करने वाली सरकार के राज में अभी भी अधिकारी और नेता मिलकर आम आदमी की जमीनों पर कब्जा करते हैं। हर काम में दलाली करते हैं। गुंडों की फौज खड़ी कर लेते हैं, इस काम में न्यायपालिका का सहारा भी नेताओं और अधिकारियों के इस गठजोड़ द्वारा लिया जा रहा है। जिसके कारण आम जनता कराह रही है। कहने को सरकारी अधिकारी और कर्मचारी जनता के नौकर हैं। लेकिन अब जनता से मालिक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। नेताओं के साथ मिलकर नौकरशाह आम जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। लुटता आम आदमी है, उसको कानूनों के मकड़जाल में फंसा दिया जाता है। भ्रष्टाचारी और रिश्वतखोरों के ऊपर कभी कोई कार्यवाही नहीं होती है। मध्यप्रदेश का व्यापमं घोटाला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की जमीन लूटने के लिए नेता और अधिकारियों के गठजोड़ ने नियमों और कानून का ऐसा जाल बना दिया। जिसमें आदिवासी फंसकर फड़फड़ाते रह गए। उनकी जमीनों पर बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कब्जा हो गया। रक्षक ही अब भक्षक बन रहे हैं। न्यायपालिका द्वारा आंखों में पट्टी बांधकर समर्थ लोगों को ही न्याय दिया जा रहा है। गरीब आदमी सारे जीवन अदालतों के चक्कर लगाता है। वकीलों को पैसा देता है, उसके पास जो होता है, वह भी लुट जाता है। थक-हार के घर में बैठ जाता है, यही वर्तमान का सच है। खुलेआम अवैध शराब और मादक पदार्थ बिक रहे हैं। अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। नगर पालिका, नगर निगम और अब ग्राम पंचायतें भी आम नागरिकों पर कुछ वर्षों में टैक्स और नए-नए शुल्क लगाए जा रहे हैं। सुविधा खत्म होती जा रही हैं। पार्षद, विधायक, सांसद और मंत्री बड़े-बड़े सपने दिखाकर चले जाते हैं। सरकारी खजाने से हर विभाग को जो राशि मिलती है। नेता और अधिकारी फाइलों पर जनहित की योजनाओं की राशि खर्च कर आपस में बंटवारा कर लेते हैं। अनाज भी अब फर्जी तरीके से बांटा जा रहा है। सरकार कहती है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देते हैं। लेकिन आधे से अधिक राशन नेताओं और सरकारी अधिकारियों के भ्रष्टाचार और मिली भगत के कारण लूट लिया जाता है। पिछले 30-40 वर्षों में नेता और अधिकारी देवताओं की तरह पूजे जा रहे हैं। विरोध करने या अधिकार मांगने पर जेल का रास्ता दिखाया जा रहा है। हमारे नेताओं और सरकारी अधिकारियों का यह चरित्र बन गया है। शहरों में हाहाकार मचा है, पानी नहीं मिलता है। समय पर सफाई नहीं होती है। बिजली की कटौती कई बार होती है। अनाप-शनाप बिल भेजे जाते हैं। नेता और सरकारी अधिकारी मिलकर पहले झुग्गी बस्ती बसातें हैं। पुनर्वास के नाम पर करोड़ों रुपए की योजना बनाते हैं। गरीबों को घर नहीं मिलते, नेताओं और अधिकारियों के दलाल उस पर कब्जा कर लेते हैं, किराए पर या बेचकर लाखों करोड़ों रुपए कमा लेते हैं। कई वर्षों से यह धंधा अनवरत रूप से चला आ रहा है। फर्जी वोटर कार्ड, फर्जी राशन कार्ड, फर्जी जमीन के पट्टों, फर्जी संस्थाएं जहां देखो, वहीं घपले-घोटाले खुलेआम कर रही हैं। जांच के नाम पर वर्षों तक गड़बड़ियों और घोटालों को दबाकर रखा जाता है। जब लोग भूल जाते हैं, तो जांच में जिम्मेदार व्यक्ति निर्दोष करार कर दिए जाते हैं। अभी बरसात शुरू हुई है। हर शहर नदी नालों में तब्दील हो गए हैं। थोड़ी सी बारिश में जगह-जगह पानी भर जाता है। रोड गड्ढों में बदल गई है। सूचना अधिकार कानून में अब जानकारी मिलना बंद हो गई है। संविधान में लोकतंत्र की जो परिभाषा लिखी है। वर्तमान में वह परिभाषा पूरी तरह से बदल गई है। जनता का राज होगा। विधायिका और कार्यपालिका ने मिलकर मलिक को नौकर की तरह बंधक बनाकर रखा है। आम जनता से नौकरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। हर स्तर पर चौथ वसूली हो रही है। अब ऐसे संगठित गिरोह हो गए हैं, जो सैकड़ों की संख्या में एकजुट होकर जनता को धमकाते और डराते हैं। शासन-प्रशासन और राजनेताओं का चौथ-वसूली में संरक्षण होता है। राजाओं के शासनकाल में राजा के सैनिक गांव-गांव में जाकर लूटमार करते थे। लगभग वही स्थिति अब बन गई है। ऐसा लगता है कि सुधार के सभी मार्ग बंद हो चुके हैं। न्यायपालिका भी अब शासन के अधीन होकर रह गई है। न्यायपालिका से अब न्याय नहीं मिल पा रहा है। न्यायालय सरकार और सरकारी अधिकारियों के पक्ष में काम करते हुए नजर आ रही हैं। आम जनता में नाराजी और मायूसी देखने को मिल रही हैं। यह स्थिति धीरे-धीरे बगावत को जन्म देती है। वर्तमान शासन-प्रशासन की व्यवस्था शक्तिशाली लोगों के हाथ में केंद्रित होकर रह गई है। न्यायपालिका भी इन्हीं के प्रभाव में काम कर रही है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक बदहाली, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार ने आम जनता का जीना दूभर कर दिया है। ऐसी स्थिति में जनता को अपनी रक्षा करने के लिए स्वयं सामने आना पड़ेगा। इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। सरकार कहती है, यदि लोगों को कष्ट होता, तो जनता सड़कों पर आती। सरकार को ऐसा लगता है, जनता के पास बहुत पैसा है। जनता पैसा खर्च कर रही है, मतलब उसके पास पैसा है। महंगाई और बेरोजगारी का कोई असर नहीं है। सरकार का मानना है, जनता को जिस दिन कष्ट होगा। वह सड़कों पर आएगी, सरकार के खिलाफ मतदान करेगी। जनता ऐसा नहीं कर रही है इसका मतलब है, सब चंगा है। चुनाव जीतना और सरकार में बने रहना ही सफलता की निशानी है। चुनाव अब जनता के वोट से नहीं प्रबंधन से जीते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में जनता की यही दुर्दशा होनी थी। जनतंत्र से एक बार फिर हम राजतंत्र की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यही वर्तमान का सच है।

केजरीवाल को जमानत के निहितार्थ

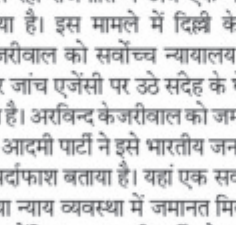

सुरेश हिंदुस्तानी

देश की राजधानी दिल्ली में शराब घोटाले को लेकर चल रही राजनीति ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत देकर जांच एजेंसी पर उठे संदेह के घेरे को और बड़ा कर दिया है। अरविन्द केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ने इसे भारतीय जनता पार्टी की साजिश का पर्दाफाश बताया है। यहां एक सवाल यह उठ रहा है कि क्या न्याय व्यवस्था में जमानत मिलना विजय का पर्याय है, क्योंकि आम आदमी पार्टी इसे अपनी विजय और सरकारी एजेंसी की साजिश करार दे रही है। उल्लेखनीय है कि जमानत मिलने के बाद भी आरोप समाप्त नहीं हो जाता। प्रकरण चलता रहता है। अभी शराब घोटाले में न्यायालय का निर्णय नहीं आया है, लेकिन आम आदमी पार्टी की राजनीति इसे निर्णय मानकर चल रही है। आम आदमी पार्टी का यह कदम वास्तव में न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करने जैसा ही माना जाएगा। आम आदमी पार्टी की ओर से प्रारम्भ से ही यह बताने की कवायद की जा रही है कि शराब मामले में कोई घोटाला हुआ ही नहीं है। उनका तर्क है कि अगर घोटाला हुआ है तो उस घोटाले की राशि भी जब्त की जानी चाहिए, जबकि प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इससे जो राशि प्राप्त हुई उसे गोवा के चुनाव में व्यय किया गया। दोनों में कौन सच बोल रहा है और कौन झूंठ, यह आने वाला समय ही बता पाएगा। लेकिन इसी मामले में आम आदमी पार्टी के अन्य नेता भी आरोपी हैं, उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिल सकी है। इसलिए यह नहीं माना जा सकता कि घोटाला हुआ ही नहीं। हो सकता है कि यह घोटाला बहुत चतुराई के साथ किया हो, क्योंकि प्रमाण पर्याप्त नहीं हैं। केजरीवाल को जमानत दिए जाने पर आम आदमी पार्टी भले ही खुशियाँ मना ले, लेकिन यह सत्य है कि न्यायालय ने उनके मुख्यमंत्री के अधिकार सीमित कर दिए हैं। उनको न तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने का अधिकार है और न ही किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

किसी भी घोटाले की जांच के लिए जांच एजेंसी कार्य करती हैं। लेकिन शराब घोटाले के मामले में जांच एजेंसी पर संदेह के बादल भी उमड़ रहे हैं। हो सकता है कि जांच एजेंसियां अपनी भूमिका को लेकर एकदम सही हो, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी को विलेन के रूप में प्रचारित करने का अभियान सा चलता दिखाई दिया। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। जांच एजेंसियों पर पहले भी सत्ता के इशारे पर कार्य करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के अधीन कार्य करती हैं, लेकिन जांच एजेंसियों पर यह आरोप लगाना न्याय संगत नहीं कहा जा सकता कि केंद्र सरकार के इशारे पर कार्य कर रही हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी अपने नेता अरविन्द केजरीवाल की गिरफ़्तारी की साजिश करने में जांच एजेंसी से अधिक भाजपा को निशाने पर लेने की राजनीति कर रही है। ऐसा नहीं है कि केवल आम आदमी पार्टी ही राजनीति कर रही है, बल्कि भाजपा भी कम नहीं है, वह भी इस मामले में बयान देने से पीछे नहीं है।

जहाँ तक भाजपा की बात है तो वह केंद्र में सत्ता संभालने के बाद पहले ही कह चुकी है कि न खाऊँगा और न खाने दूंगा। इस बात को ध्यान में रखकर यही कहा जा सकता है कि भाजपा की केंद्र सरकार भ्रष्टाचार के विरोध में कार्यवाही करना चाहती है, लेकिन विपक्ष के राजनीतिक दल इसमें टांग अड़ाने की राजनीति कर रहे हैं। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा है कि विपक्ष के अधिकांश बड़े नेता किसी न किसी आरोप में जमानत पर बाहर हैं। कई नेताओं पर गंभीर आरोप हैं और कई जेल में हैं। इसलिए विपक्ष और ख़ास कर आम आदमी पार्टी के कदम को सरकार पर दबाव बनाने की राजनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। हम जानते ही हैं कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भ्रष्टाचार के मामले में सजायाफ्ता हैं। लेकिन इसके बाद भी वे बिहार और देश की सक्रिय राजनीति में दखल दे रहे हैं। आज हालांकि लालू प्रसाद यादव चुनाव नहीं लड़ सकते, क्योंकि सजा प्राप्त कोई भी व्यक्ति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाता है। सवाल यह है कि क्या ऐसा व्यक्ति राजनीति कर सकता है। नहीं करना चाहिए, लेकिन लालू ऐसा कर रहे हैं। लालू प्रसाद यादव ने केवल राजनीति ही नहीं की, बल्कि विपक्ष के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर खड़े दिखाई दिए। इस प्रकार की राजनीति करना किसी भी दल के लिए भी ठीक नहीं और देश के लिए भी ठीक नहीं मानी जा सकती। भ्रष्टाचार किसी भी स्तर का हो, जिसने भी किया है, उसके विरोध में कार्यवाही होना ही चाहिए। आम आदमी पार्टी भी यही कहकर दिल्ली की सत्ता पर विराजमान हुई थी। जो अब अपने सिद्धांत से परे जाती हुई दिखाई दे रही है।

हम जानते हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राजनीति प्रारम्भ करने से पूर्व अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उस समय कांग्रेस की केंद्र सरकार के भ्रष्टाचार के कारण पूरा देश उबाल में था। इसी कारण अन्ना हजारे के आंदोलन को व्यापक रूप से सफलता मिली। इसके बाद एक ईमानदार राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी की स्थापना की गई। बड़े बड़े वादे करके आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके सरकार बना ली। लेकिन इसके बाद क्या हुआ। जब इनको सत्ता की चासनी चखने को मिली तो यह बौरा गए और फिर वही खेल शुरू हो गया जो चलता आया है। आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार करने के जो आरोप लगे हैं, वह अभी जांच की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। जांच होने के बाद यह तय हो जाएगा कि कौन कितने पानी में हैं।

दिल्ली के शराब घोटाले में जिस प्रकार से साजिश की बात कही जा रही है, उससे यह तो कहा जा सकता है कि इसमें साजिश हो सकती है। क्योंकि अगर मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल शराब घोटाले के मुख्य सूत्रधार साबित होते हैं तो यह भी एक साजिश ही मानी जाएगी, लेकिन अगर अरविन्द केजरीवाल को फंसाया गया है तो यह गंभीर साजिश ही कही जाएगी। फिलहाल इस मामले में जल्दबाजी करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि अब यह मामला बहुत ही गंभीर हो गया है। जिसकी परतें उधड़ना बाकी हैं। अंदर क्या निकलता है, इसे देखने के लिए प्रतीक्षा करनी होगी।

एक नजर

अनियंत्रित पिकअप वैन के धक्के से एक व्यक्ति की हुई मौत

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू जिले के हरिहरगंज थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 139 ढाब कला गांव समीप हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार को ढाब कला गांव निवासी 50 वर्षीय कृष्णा शर्मा बजरंगबली मंदिर समीप एनएच तथा सर्विस रोड के बीच नाली पर खड़ा होकर बजरंगबली के ध्यान में मग्न थे। इस दौरान तेज गति से आ रहे एक अनियंत्रित पिकअप JH01 FH8819 पर डीजेसाउंड लदा ने मेन रोड से उतरकर सर्विस रोड में कट मारने के दौरान कृष्ण शर्मा को चपेट में ले लिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल होगा। आसपास के लोगों ने उन्हें हरिहरगंजसीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए औरंगाबादरेफर कर दिया। औरंगाबाद से जमुहार जाने के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। मालूम हो कि कृष्णा शर्मा की तीन लड़की शादीशुदा है। जबकि एक अविवाहित लड़का है, जो दिल्ली में प्राइवेट कंपनी में काम करता है।

बिजली करंट की चपेट में आकर 32 वर्षीय युवक की मौत

मेदिनीनगर (पलामू) : विश्रामपुर थाना क्षेत्र के नवगढ़ा ओपी अन्तर्गत जलमीनार बनाने के दौरान बिजली करंट की चपेट में आकर बिहार राज्य के खगड़िया जिला निवासी भवानी यादव के पुत्र गोहल यादव उम्र 32 वर्ष की सोमवार को मौत हो गई। इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि मृतक गोहल यादव सोमवार की दोपहर नवगढा में जलमीनार बनाने का काम कर रहा था। इसी बीच बिजली करंट की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा उसे इलाज के लिए विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां इलाज के बाद भी चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए। उसे बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। वही सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

सड़क हादसे में दो स्कूली बच्चों की मौत, छह घायल

गढ़वा : जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत जाटा गांव में सड़क हादसे में दो स्कूली बच्चों की मौत हो गयी जबकि छह बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायल बच्चों को गढ़वा के सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने दुर्घटना में शामिल पिकअप वैन को आग के हवाले कर रोड पर जाम लगा दिया। नाराज ग्रामीणों की पुलिस के साथ नोकझोंक भी हुई। मृतकों की पहचान सत्यम कुमार (5) और देवानंद कुमार (5) के रूप में हुई है। सड़क हादसे में मौत के बाद भीड़ आक्रोशित हो गयी। आग बुझाने की कोशिश कर रहे अग्निशमनकर्मियों को ग्रामीणों ने रोक दिया। इससे पुलिस के साथ उनकी नोंकझोंक हुई। घटना की पुष्टि करते हुए गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। बताया जाता है कि आरएन टैगोर स्कूल की छुट्टी के बाद मंगलवार को लगभग 12 बच्चे ऑटो से घर लौट रहे थे। बाईपास रोड में पिकअप वैन ने ऑटो को टक्कर मार दी। इससे दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गयी और छह गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक और घायल बच्चे जाटा गांव और उसके आसपास के रहने वाले हैं। सभी बच्चे दूसरी एवं तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले हैं। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने पिकअप वैन को मौके पर ही फूंक दिया।

पलामू में मुहर्रम पर निकला बड़की चौकी का जुलूस, दिखाए करतब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मुहर्रम की नवमी पर मेदिनीनगर शहरी क्षेत्र में बड़की चौकी का जुलूस निकाला गया। जुलूस पहाड़ी मुहल्ला स्थित कर्बला के मैदान से शुरू हुआ और उसके बाद शाह मुहल्ला, कन्नी राम चौक, सत्तार सेठ चौक, विष्णु मंदिर रोड, दाल पट्टी, घड़ा पट्टी, जैन मंदिर रोड़, पंचमुहान होते हुए छहमुहान पहुंचा। छहमुहान से चलकर महिंद्रा आर्केड रोड, शिवाला घाट होते हुए बम पटाखा मोड़, घास पट्टी, शाह मुहल्ला होते हुए पहाड़ी मुहल्ला स्थित कर्बला के मैदान में पहुंचकर संपन्न हो गया। जुलूस में खिलाड़ियों ने लाठी, तलवार, भाला से हैरत अंगेज करतब दिखाए। गोल बनाकर लाठी खेली गयी। इसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। खिलाड़ियों की कालाबाजी देखकर लोगों ने उत्साह बढाकर उनकी प्रशंसा की। जुलूस में खलीफा जीशान खान, अंजुमन इसलाहुल मस्लिमिन के पलामू सदर मुस्तफा कमाल एवं उनकी पूरी टीम को महावीर नवयुवक दल जनरल के पूर्व अध्यक्ष जुगल किशोर ने सम्मानित किया। मुहर्रम कमिटी ने भी जुगल किशोर समेत उनकी टीम को पगड़ी पोशी कर सम्मान दिया। मौके पर मुहर्रम इंतेजामियां कमिटी के जनरल खलीफा जीशान खान ने कहा कि हम हुसैन वाले हैं। कर्बला हमारा है और इस्लाम जिंदा होता है हर कर्बला के बाद। हुसैन राजिअल्लाह ने इस्लाम को बचाने के लिए अपनी जिंदगी की कुबार्नी दे दी। हुसैन रजी ने इस्लाम के लिए सिर कटाना मंजूर कर लिया लेकिन झुकना नहीं। कर्बला हुसैन कमिटी पहाड़ी मुहल्ला, नूरे हुसैन हुसैन नगर पहाड़ी मुहल्ला, इब्ने अली हुसैन, पहाड़ी मुहल्ला, इस्लामिया नौजवान हवारी कमिटी धोबी मुहल्ला, अहले सुन्नत मदीना कुंड मुहल्ला, शहीदे हुसैन कमिटी कुंड मुहल्ला समेत अन्य ने जुलूस निकाला। इस मौके पर असगर हुसैन, मो. नेयाजु, जेएमएम जिला सचिव सन्नु सिद्दीकी, इमाम राइन, मुन्ना खान, मासूम अंसारी, पिंटू राइन, राशिद बक्शी, सोनू खान, बंटी राइन, राजन, फरदीन आलम, तामसू खान, तालिब खान, सालिक जेया समेत हजारों की तादाद में लोग उपस्थित थे।

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने चौकीदार बहाली को लेकर बाबूलाल मरांडी को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

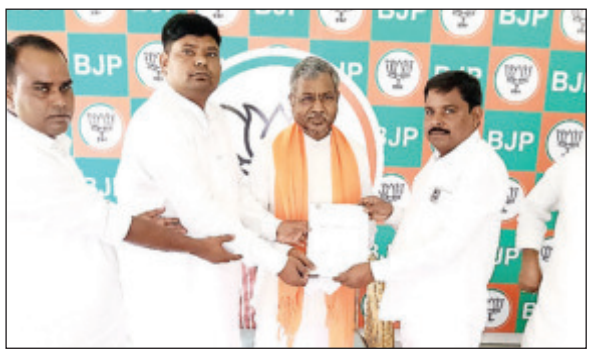

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू उपायुक्त कार्यालय द्वारा जारी विज्ञापन संख्या 01/2024 दिनांक- 02/07/24 जिसमें पलामू जिला में 155 पद चौकीदार के भर्ती हेतु निकाला गया है। परंतु दुर्भाग्य की बात है कि झारखंड राज्य का एक मात्र जिला पलामू है जो अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र है लेकिन अनुसूचित जाति के लिए उपरोक्त पद हेतु आरक्षण शून्य दिखाया गया है और बाकिकैटेगरी को कैटेगरीवाइज आरक्षण दे दिया गया है। इसमें ऐसा प्रतीत होता है कि अनुसूचित जाति के आरक्षण रोस्टर के साथ क्षेडक्षाड कर दुसरे वर्ग को लाभ पहुंचाने हेतु कुचक्र रचा गया है जो संघर्ष समिति पलामू किसी भी किमत पर बर्दाशत नहीं करेगा। सर्वविदित है कि आजादी से अभी तक इस पद पर पासवान जाति का बहाली होता था कहीं कहीं अन्य जाति के लोग भी थे और अभी तक विज्ञापन के द्वारा कभी भी इस पद के लिए बहाली नहीं हुआ था अभी जब 2024 में चौकीदार का बहाली निकाला गया उसमें अनुसूचित जाति का पद शून्य दिखाया गया है। जो काफी निंदनीय है इसलिए संघर्ष समिति ए मांग करता है कि वर्तमान विज्ञापन को निरस्त कर नए शिरे से विज्ञापन जारी कर अनुसूचित जाति को आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए अनुसूचित जाति को आरक्षण दिया जाए। ये सब मुद्दे पर संघर्ष समिति अपने दायित्व एवं कर्तव्य का निर्वहन करते हुए आज कमिटी का एक शिष्टमंडल पुर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी से मिलकर एक ज्ञापन सौपकर विरोध दर्ज कराया। इस शिष्टमंडल में संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष संदीप पासवान, महासचिव राजु भुईंया संरक्षक विजय रविदास शामिल थे।

रामगढ़ प्रमुख प्रेमनी देवी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : रामगढ़ प्रमुख प्रेमनी देवी के खिलाफ छह पंचायत समिति सदस्यों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव लाया। प्रस्ताव से संबंधित आवेदन सदर अनुमंडल पदाधिकारी के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा। पंसस ने प्रमुख पर सरकार द्वारा निर्धारित कार्य निष्पादन में जवाबदेही का सही ढंग से निर्वहन नहीं करने एवं उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। बता दें कि रामगढ प्रखंड में पंचायत समिति सदस्यों की संख्या 10 है, जिसमें से प्रमुख के खिलाफ 6 पंचायत समिति सदस्यों ने अच्छा व्यवहार नहीं करने का आरोप लगाया है तथा किसी भी योजना में पैसे लिए बगैर कार्य नहीं करने की बात कही है। हुटार की पंसस चांदनी देवी ने कहा कि फोन करने के बावजूद प्रमुख फोन नहीं उठाती है। इसलिए प्रमुख के खिलाफ हम लोग अविश्वास प्रस्ताव के लिए रामगढ़ बीडीओ को आवेदन दिया है। पुनः निर्वाचित कर नए प्रमुख का चयन करने का अनुरोध किया गया है। नावाडीह की पंसस पिंकी सोरेन ने कहा कि रेकड़ में बिना पैसे लिए साइन नहीं करती है और डेढ़ साल तक रेकड़ अपने घर पर रखी रही। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले पंचायत समिति सदस्यों में रामगढ़ टू की कमला देवी, रामगढ़ वन के उदय यादव, चोरहट की गुड्डी देवी, नावाडीह की पिंकी सोरेन, हुटार की चांदनी देवी एवं उलडंडा की लीलावती देवी शामिल हैं। इसमें प्रस्तावक उदय यादव हैं।

सारे आरोप बेबुनियाद : प्रमुख

इधर, प्रमुख प्रेमनी देवी का कहना है कि मेरे द्वारा कोई भी गलत कार्य नहीं किया गया है। साथी पंचायत समिति सदस्यों ने बिना सोचे समझे उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए हैं। हमारी छवि को खराब करने के लिए सारा इल्जाम लगाया गया है।

मनरेगा योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ायें : सुखदेव भगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने मंगलवार को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। मनरेगा की समीक्षा के क्रम में उन्होंने कहा कि इस योजना में ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों की भागीदारी बढ़ायें।साथ ही बिरसा हरित ग्राम के तहत लगाए गए पौधों को उन्होंने समुचित देखभाल करने को कहा ताकि भविष्य में उसका विकास अच्छा हो। इसके साथ ही उन्होंने वीर शहीद पोटो हो, बिरसा सिंचाई कूप, आधार आधारित भुगतान प्रणाली, प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास आदि महत्वपूर्ण संचालित योजनाओं की एक-एक कर जानकारी लेते हुए समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समेकित जनजाति विकास अभिकरण के कार्यों के समीक्षा के क्रम में उन्होंने छात्रों को प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति से ससमय अच्छादित करने का निर्देश दिया । इसके साथ ही उन्होंने कुक्कुट पालन योजना एवं एम.एस.डी.पी. के तहत संचालित विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के क्रम में उन्होंने जिले के सदर अस्पताल के आई.सी.यू. को और भी ज्यादा दुरुस्त करने को कहा। साथ थी उन्होंने डायलिसिस सेंटर को नियमित रूप में संचालित करने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में एंटीवेनम एवं एंटीरेबीज दवाओ की उपलब्धता सुनिश्चित हो। इसके साथ ही उन्होंने ए.एन.सी, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, स्कूली बच्चों का नेत्र जाँच, कुपोषण उपचार केंद्र, मेडिकल मोबाइल यूनिट आदि की भी जानकारी ली।

राशन कालाबाजारी के खिलाफ 19 जुलाई को नावाबाजार चलने का आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : नावाबाजार प्रखण्ड के प्रथम प्रमुख व झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय सचिव रेणु देवी ने प्रेस बयान जारी कर नावाबाजार प्रखण्ड की जनता से पिछले कई महीनों से प्रखण्ड के राशन उपभोक्ताओं के हिस्से का 11000 क्विंटल से ज्यादा चावल राशन गोदाम से एम०ओ०,गोदाम मैनेजर व डीलरों की मिलीभगत से कालाबाजारी में बेचने की घटना की कड़ी निन्दा करते हुए तमाम दोषियों के खिलाफ आन्दोलन तेज करने के लिए आगामी 19 जुलाई को नावाबाजार प्रखण्ड/अंचल कार्यालय घेराव व धरना-प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान प्रखंड की जनता से किया है। जारी बयान में पूर्व प्रमुख ने कहा है कि पलामू के सांसद बी०डी०राम, विश्रामपुर के क्षेत्रीय विधायक रामचन्द्र चन्द्रवंशी एवं पंचायत समिति नावाबाजार के सभी निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों व प्रखण्ड अधिकारियों की मिलीभगत से पिछले लगभग तीन महीने से टीप लगवाकर राशन बांटने के बदले गायब कर दिया जा रहा है, जो निंदनीय है। जारी बयान में उन्होंने कहा है कि नावाबाजार प्रखण्ड के रबदा ग्राम के भ्रष्ट व राशन चोर डीलर संजय राम व रामाधार राम इन दिनों ग्राम के राशन उपभोक्ताओं को गुमराह कर रहे हैं कि जेकेएम नेता शत्रुघ्न कुमार शत्रु के विरोध करने की वजह से राशन लैप्स हो गया है, आप लोग जाकर राशन उन्हीं से मांगिए। बयान में पूर्व प्रमुख ने कहा है कि राशन चोरी में अपने को निर्दोष बता रहे भ्रष्ट डीलरों से जनता को पूछना चाहिए कि जब पंडवा गोदाम से राशन बेच दिया गया। तब डीलरों ने जनता के साथ गोदाम मैनेजर व एम०ओ० आदि का घेराव व लिखित शिकायत व मुकदमा क्यों नहीं दर्ज करवाया बयान के अंत में उन्होंने कहा है कि आगामी 19 जुलाई को प्रखंड व अंचल कार्यालय घेराव व धरना-प्रदर्शन में तुकबेरा ग्राम के दलित का गैरमजरुवा जमीन में रास्ता रोके जाने समेत जन वितरण प्रणाली में भीषण कालाबाजारी,जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार समेत कई अन्य मामलों को भी उठाया जाएगा। जिसमें प्रखण्ड के महिलाओं व पुरुषों की बड़ी संख्या में उपस्थिति होनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

छतरपुर(पलामू) : छतरपुर स्थित होटल विजय तारा में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता यदुनाथ पांडेय को मुख्य अतिथि बनाया गया तथा तीसरी बार सांसद बने विष्णु दयाल राम को विशिष्ट अतिथि बनाया गया। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा की हम सभी भारतीय जनता पार्टी के लोग संविधान के मानने वाले लोग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का चौतरफा विकास हुआ है। आज हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित है और हमारी सैन्य बल मजबूत हुई है। इसके बाद झारखंड की राजनीतिक विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि इस राज्य की निर्माण भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में उसे समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में किया गया। इसलिए झारखंड राज्य की कल्याण के बारे में तथा यहां के लोगों के हित के बारे में भाजपा से अच्छा कोई सोच ही नहीं सकता। कहा की ना ही भाजपा के नियत में खोट है और ना ही नीति में खोट है। पार्टी के द्वारा जो भी वादा किया गया उसे पूरा किया गया। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ के कार्यकर्ता ऊंची इमारत के नव के एट की तरह होते हैं जिस पर पूरा के पूरा इमारत टिका हुआ होता है। अगर केंद्र में भाजपा की सरकार है तो बूथ के कार्यकताओं के बदौलत ही है। इस दौरान कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि हम सभी को विधानसभा का विजय का संकल्प लेना होगा और अपने-अपने बूथ पर कर्तव्य निष्ठ होकर लग जाना होगा। इस कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि विष्णु दयाल राम ने कहा कि बूथ स्तरीय कर्तव्यनिष्ठ ईमानदार और मेहनत शील कार्यकर्ताओं के बदौलत ही मुझे तीसरी बार सांसद बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है तथा क्षेत्र के लोगों को सेवा का अवसर प्राप्त हुई है। कहा हम सभी का यह भी कोशिश होनी चाहिए कि झारखंड में डबल इंजन की सरकार बन सके और हम सभी विधानसभा के चुनाव में भी जीत हासिल कर सकें। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि बूथ के कार्यकर्ताओं के बदौलत है भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव जीत सकी और विधानसभा के चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम करने की आवश्यकता है। वहीं पूर्व सांसद सह भाजपा नेता मनोज कुमार ने कहा कि विपक्ष के द्वारा देश भर में झूठी अफवाहें फैलाई गई कि आरक्षण को खतरा है और संविधान को खतरा है परंतु भाजपा सबका साथ सबका विकास के वादे के साथ कार्य करती है।

संक्षिप्त खबरें

एसपी के आदेश पर मुहर्रम को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू एसपी के आदेश पर शहर में शांति एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व मनाने को लेकर सोमवार को पुलिस प्रशासन एवं सुरक्षाबलों ने फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च शहर थाना से प्रारंभ होकर अस्पताल चौक सतारसेठ चौक, रेलवे स्टेशन रोड, कनीराम चौक, पहाड़ी मोहल्ला, लाल कोठा, रोड विष्णु मंदिर रोड, पंचमुहान चौक, छहमुहान, सदीक मंदिर रोड, सहित शहर के विभिन्न चौक चौराहे होते हुए थाना परिसर में पहुंच कर समाप्त हुआ। फलैग मार्च में शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, शहर थाना के एसआई गुलशन बिरुआ, टिओपी वन प्रभारी इंद्रदेव पासवान, टिओपी 2 प्रभारी अनिल सिंह, टिओपी 3 प्रभारी भूपेंद्र सिंह टाइगर मोबाइल के जवान राकेश कुमार सिंह, रोहित कुमार, आरिफ खान, पंचम तिवारी, विनोद यादव, रमेश हवलदार, राजेश कुमार चंद्रवंशी सहित अन्य पुलिस के जवान शामिल थे। मौके पर उपस्थित शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाने तथा असामाजिक तत्वों में भय व्याप्त करने के लिए फ्लैग मार्च किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि मोहर्रम पर्व शांति व सौहार्द के साथ मनाएं जिससे समाज में समरसता कायम रहे।

आरओ मशीन बन जाने से मरीज व परिजनों को मिली राहत

मेदिनीनगर (पलामू) : मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डायग्नोस्टिक सेंटर कैंपस में लगे आरो मशीन कई दिनों से खराब पड़ा हुआ था। जिसके वजह से मरीजों को शुद्ध पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा था। मरीज बाहर के दुकान से पानी का बोतल खरीद कर पीने को मजबूर थे। वही खराब आरो बन जाने के बाद मरीजो ने राहत भरी सांस ली है। अब मरीजों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ रहा है। मरीज को इस आरो मिशन से बिल्कुल शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रही है। मरीजों की समस्या को देखते हुए आरो मशीन को बनवाने में अस्पताल मैनेजर का अहम भूमिका रहा है। वहीं आरो मशीन से पानी भर रही मरीज के परिजन कमला देवी ने बताया कि अब यहां के मरीज व उनके परिजनों को बाहर से बोतल का पानी खरीद कर नही पीना पड़ रहा है। इस आरो से हम सभी को बिल्कुल शुद्ध पानी उपलब्ध हो रही है।

एनपीयू की परीक्षा विभाग की निगरानी से जांच हो : कुणाल

मेदिनीनगर : अखिल पलामू छात्र संघ का एक प्रतिनिधिमंडल जिला उपाध्यक्ष कुणाल किशोर के नेतृत्व में नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर के कुलसचिव प्रो. एस के मिश्रा से मिला और पांच सुत्री मांग पत्र सौप एक सप्ताह में साकारात्मक पहल एंवकारवाई की मांग की अन्यथा उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। आपसू उपाध्यक्ष कुणाल किशोर ने बताया की परीक्षा विभाग की लापरवाही और अजिबो गरीब निर्णय की वजह से विद्यार्थी परेशान हैं और एनपीयू से भरोसा उठता जा रहा है। जिसका परिणाम है की अंगिभूत महाविद्यालयों में सीटों में कटौती करने के बाद भी तीन मेरिटलिस्ट निकालना पड़ रहा फिर नामांकन नहीं हो पा रहा। छात्रा प्रमुख शालिनी अग्रवाल ने कहा की परीक्षा परिणाम देने के समय में 4 माह बाद परीक्षा रद्द करना, लगातार प्रवेश पत्र में त्रुटि, प्रश्न पत्र में त्रुटि संदेहास्पद है इन सब मामलों की जांच की अनुशंसा विश्वविद्यालय प्रबंधन करें आपसू भी इसे संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा कर निगरानी जांच की मांग करेगी। मौके पर जीएलए कॉलेज आपसू अध्यक्ष साहिल गुप्ता ने मांग की कि लगातार परीक्षाओं के कारण कक्षाएं बाधित हो रही कक्षा संचालित हो सके इसके लिए प्रबंधन को प्रयास करना होगा।

पलामू के 315 अनुसचिव कर्मचारियों ने लगाए काले बिल्ले, 22 से बेमियादी हड़ताल

पलामू : झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग झारखंड के आह्वान पर नौ सूत्री मांगों को लेकर जिले के 315 अनुसचिव कर्मचारियों ने मंगलवार को काले बिल्ले लगाए। समाहरणालय समेत अन्य विभागों एवं प्रखंड सह अंचल में कार्यरत तमाम कर्मियों ने काले बिल्ले लगाकर सरकार से मांगों को अविलंब पूरा करने का आग्रह किया। यह भी कहा कि अगले तीन चार दिनों में उनकी मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया तो पलामू समेत राज्य के तमाम अनुसचिवीय कर्मचारी 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। प्रखंड सह अंचल कार्यालय में काले बिल्ले लगाकर किए कार्य जिले के तरहसी प्रखंड सह अंचल कार्यालय के कर्मियों ने मांगो को लेकर काले बिल्ले लगाकर मंगलवार को दैनिक कार्य किया। कहा कि मांगों को पूरा कराने के लिए सारे कर्मी बहुत पहले से प्रयासरत हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों को नहीं सुन रही है। मंगलवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय समाहरणालय संवर्ग के कंप्यूटर ऑपरेटर समेत अन्य आधा दर्जन से अधिक कर्मियों ने काले बिल्ले लगाकर सरकार को चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों के दौरान उनकी मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया तो 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। मांगों को लेकर 14 जुलाई को राजधानी रांची में राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन भी किया गया था।

मुहर्रम को देखते हुए पांकी पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

पांकी(पलामू) : पांकी थाना पुलिस ने मंगलवार को संध्या मुहर्रम पर्व के मद्देनजर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मार्च का आयोजन किया। यह मार्च पांकीकपूर्री चौक होते शहीद भगत सिंह चौक होकर मुख्य बजार में आयोजित किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान लेस्लीगंज एसडीपीओ मनोज कुमार झा, बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष, पुलिस इंस्पेक्टर पूनम टोप्पो, पांकी थाना प्रभारी कुमार उत्तम तिवारी के नेतृत्व में निकाला गया। पुलिसकर्मियों ने जनता को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और उन्हें किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया। पांकी थाना प्रभारी उत्तम तिवारी ने कहा कि इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने कहा की, हमारा उद्देश्य है कि मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाया जाए।

मुहर्रम को लेकर जिला पुलिस की तैयारी पूरी, शहर में किया फ्लैग मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर में मोहर्रम को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह से सतर्क और सजग है किसी तरह के असामाजिक तत्व अपने मंसूबे में कामयाब ना हो सकें। इसे लेकर जिला पुलिस ने मंगलवार को मॉक ड्रिल के बाद पूरे जिले में फ्लैग मार्च कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान एसएसपी किशोर कौशल ने खुद फ्लैग मार्च की कमान संभाली। एसएसपी किशोर कौशल के साथ ग्रामीण एसपी सह प्रभारी सिटी एसपी ऋषभ गर्ग, डीएसपी मुख्यालय 2 निरंजन तिवारी, क्षेत्र के थाना प्रभारी समेत सीआरपीएफ के जवान मौजूद थे. फ्लैग मार्च कदमा शास्त्रीनगर से होते हुए बिष्टुपुर के धातकीडीह, साकची मोहम्मडन लाइन, परसुडीह के

मकदमपुर और जुगसलाई समेत पूरे शहर में की गई। इस दौरान एसएसपी किशोर कौशल ने सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से मुस्लिम समाज के लोग मोहर्रम जुलूस निकालेंगे। मोहर्रम को देखते हुए जिला पुलिस ने भी अपनी तैयारी पूरी कर ली ह। अखाड़ा कमेटी जुलूस को निर्धारित रूट के अनुसार ही निकालें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी तरह की अफवाह या आपत्तिजनक संदेश पर जिला पुलिस अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। अखाड़ा जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकले और आपसी सौहार्द और भाईचारा के साथ संपन्न हो, इसे लेकर जिला पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च कर पूरे जिले का भ्रमण कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

मुहर्रम आज, 75 लाइसेंसी व 22 गैर लाइसेंसी अखाड़े निकालेंगे जुलूस

जमशेदपुर : मुहर्रम को लेकर पुलिस-प्रशासन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बुधवार को मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा। इसे लेकर विधि व्यवस्था के दृष्टिकोण से जिले को जोनल एवं सुपर जोनल क्षेत्र में विभाजित कर पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। सुपर जोनल क्षेत्र में 21 मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं। जबकि जोनल क्षेत्र में प्रत्येक थाना स्तर पर एक मजिस्ट्रेट दिया गया है। उतने ही पुलिस निरीक्षक स्तर के पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई ह। जबकि सुपर जोनल स्तर पर पूरे जिले में कहीं-कहीं तीन तथा कहीं-कहीं चार थाना क्षेत्र पर एक-एक डीएसपी की प्रतिनयुक्ति रहेगी. इतनी ही संख्या में एडीएम रैंक के पदाधिकारियों को वरीय प्रभारी पदाधिकारी बनाया गया है। साथ ही पूरे जिले में 1000 से ज्यादा पुलिस की तैनाती की गई है। जिसमें शहरी क्षेत्र में 115 हवलदार, 460 पुलिसकर्मी, 390 लाठी बल तथा 14 महिला पुलिसकर्मी शामिल है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में 47 हवलदार, 188 पुलिसकर्मी, 104 लाठीबल के जवान तथा 14 महिला पुलिसकर्मी की तैनाती की गई है।

एक नजर

प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक गिरफ्तार

पतना : रांगा थाना पुलिस ने अवैध प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है,मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को देर रात्रि मिली गुप्त सूचना के आधार पर बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जमुदा के नेतृत्व में रांगा थाना क्षेत्र के दिघी सुढ़ी टोला के एक घर में औचक छापेमारी की और जाँच पड़ताल के दौरान लगभग 60 पीस अवैध प्रतिबंधित कफ सिरप एक झोले से बरामद करते हुए विक्रेता नाबालिक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मौके पर रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार दल बल के साथ मौजूद थे।

ग्रामीण सड़कें हुईं बदहाल, मरम्मत की जरूरत

पटमदा : पटमदा प्रखंड के कमलपुर पंचायत के तिलाबनी हाट मोड़ से चड़कपाथर जाने वाली ग्रामीण सड़क बदहाली का रोना रो रही हैं। सड़क पर हल्की बारिश होने से ही जल जमाव की स्थिति बन जाती हैं।आजसू जिला सचिव रामकृष्ण महतो ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय जाने वाली सड़क से लेकर मुख्य सड़कों को जोड़ने वाली ग्रामीण सड़को की स्थिति काफी दयनीय है। सड़को पर हल्की बारिश के बाद चलना मुश्किल हो जाता हैं।सड़को के मरम्मती और निर्माण को लेकर राज्य सरकार को गंभीर होना चाहिए।वर्तमान सरकार जनता से किए गए सभी वादा में विफल होती जा रही हैं। युवाओं ने वर्तमान राज्य सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त हैं। वही ग्रामीणों का कहना है कि सड़क में जाने वाली स्कूल बसों को भी काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता हैं।

50 किलो डोडा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

ईचागढ़ : सोमवार की शाम को पुलिस अधीक्षक सरायकेला खरसावाँ के द्वारा गुप्त सूचना ईचागढ़ थाना व तिरुलडीह थाना पुलिस को दिया गया कि ग्राम बामुनडीह के रास्ते बंगाल ले जाकर डोडा की अवैध तस्करी की जा रही है। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक सरायकेला खरसावाँ के आदेशानुसार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी चाण्डिल के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी चाण्डिल के निदेर्शानुसार दोनों थाना के शामिल छापामारी पुलिस दल के द्वारा स्वर्णरेखा पुल पर वाहन चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को 50 कि०ग्रा० डोडा के साथ गिरफ्तार किया गया तथा दो व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये।

संक्षिप्त खबरें

सिविल सर्जन ने राजमहल के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया औचक निरीक्षण

साहिबगंज : मंगलवार को डॉ अरविन्द कुमार सिविल सर्जन साहिबगंज के द्वारा अनुमण्डल अस्पताल राजमहल के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर जयरामडंगा का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमे सिविल सर्जन के द्वारा ओपीडी रजिस्टर, पेशेंट वार्ड, उपस्थिति पंजी एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर में साफ -सफाई आदि को देखे। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गंदगी देख सिविल सर्जन ने सभी कर्मचारियों को फटकार लगाया और साफ- सफाई करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जल्द से जल्द प्रसव सेवा प्रारंभ करने का भी निर्देश दिया। सिविल सर्जन के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध सभी प्रकार के स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई एवं डेंगू से बचाव का उपाय भी साझा किया गया। वहीं मौके पर उपाधीक्षक अनुमण्डलीय अस्पताल राजमहल डॉङ्ग उदय टुडू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक हिना गौरव बरनवाल, जिला भीबीडी सलाहकार सत्तीबाबू डाबडा , जिला डाटा प्रबंधक अमित कश्यप एवं तौसीफ अहमद, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के बासुकीनाथ यादव, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी सुनीता कुमारी, प्रिसिला मिंज, मुस्कान परवीन, नीरज कुमार, एएनएम अनिमा हेंब्रम एवं संझली मुर्मू, एमपीडब्ल्यू शैलेश कुमार आदि मौजूद थे।

सरस्वती स्टोन वर्क्स को निर्गत सभी लाइसेंस रद करने की मांग

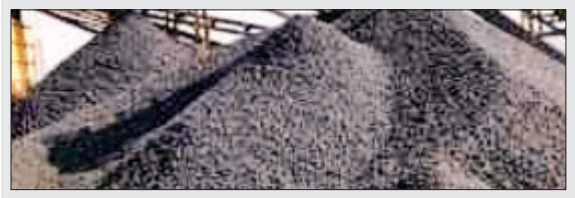

साहिबगंज : चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने प्रदुषण, खनन, बिजली व कारखाना विभाग से तालझारी अंचल के मौजा-छोटी भगियामारी में सरस्वती स्टोन वर्क्स प्रो .पिंटू कुमार सिंह को स्टोन क्रशर संचालन हेतु असंवैधानिक व गैर कानूनी से निर्गत सभी लाईसेंस यथा सीटीओ, डीलर्स लाईसेंस, फैक्ट्री लाईसेंस व विद्युत कनेक्शन को संबंधित विभाग से अविलंब रद्द करने की मांग करते हुए अरशद नसर ने आगे कहा की इन्हें एनजीटी के द्वारा पारित आदेशों का खुला उल्लंघन कर उपर्युक्त लाईसेंस निर्गत किया गया है,जो की एनजीटी कोर्ट के आदेश का खुला अवमानना है।अरशद नसर ने जिले के उपायुक्त हेमंत सती से मांग की है की इसके लिए संबंधित विभाग के दोषी पदाधिकारी पर एफआइआर दर्ज करते हुए पिंटू सिंह पर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए इन पर भारी पर्यावरण क्षति पूर्ति जुमार्ना लगाने के साथ ही साथ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की भी मांग की है। अगर इनके खिलाफ तत्काल कार्यवाही करते हुए असंवैधानिक व गैरकानूनी तरिके से स्टोन क्रशर संचालित कर पर्यावरण को जो भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है,उस पर अविलंब रोक नहीं लगाया गया तो पुरे मामले को लेकर एनजीटी में याचिका दायर किया जाएगा।

नर्सिंग कौशल कॉलेज भोगनाडीह में नए सत्र के लिए काउंसलिंग शुरू

बरहेट : प्रखंड क्षेत्र के भोगनाडीह स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज भोगनाडीह में नए सत्र को लेकर मंगलवार से काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। वही नर्सिंग कौशल कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर अजीजुल हक ने बताया कि 350 छात्राओं को काउंसलिंग होना है। वहीं मगंलवार को 17 छात्रों ने काउंसलिंग में भाग लिया। नए सत्र के काउंसलिंग को लेकर दुमका, पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, जिले के छात्राएं शामिल हो रहे हैं। काउंसलिंग में सभी प्रकार की जानकारियां दी जा रही है। वही कोर्स से संबंधित जानकारी दी जा रही है,ताकि किसी प्रकार की आगे परेशानी ना हो।

मुहर्रम को लेकर शहर में पुलिस जवानों ने किया फ्लैग मार्च

साहिबगंज : मोहर्रम पर्व को ध्यान में रखते हुए शहर में विधि व्यवस्था व पुख्ता चाक चौबंद सुरक्षा के मद्देनजर उपायुक्त हेमंत सती व पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर सीओ रामबालक कुमार के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। जहां यह फ्लैग मार्च नगर थाना से निकलकर कलिंगा होटल, बघवा कुंआ मोड़, टीजी रोड, गोपालपुर मोड़, धर्मशाला चौक के रास्ते एलसी रोड होते हुए बादशाह मोड़, रसूलपुर दहला, अंजुमन नगर, सब्जी मंडी से होते हुए पटेल चौक मोड़ सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण किया। उधर इसको लेकर सीओ ने बताया कि इलाके में हर गतिविधि पर प्रशासन की पैनी नजर है जहां असामाजिक तत्वों व गड़बड़ी फैलाने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। इस दौरान सदर सीओ, नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, जिरवाबाडी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय के नेतृत्व में साक्षरता मोड़ से फ्लैग मार्च निकाला गया जहां इस दौरान पुलिस के जवानों ने पूरे जिरवाबाड़ी इलाके का भ्रमण किया। इस मौके पर सेट के जवान मौजूद थे।

मनरेगा कर्मचारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ काला बिल्ला लगाकर किया प्रदर्शन

बोरियो : प्रखंड में नौ सूत्री मांगों को लेकर झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के बैनर तले मनरेगा कर्मियों ने मंगलवार को काला बिल्ला लगाकर अंचल कार्यालय, बोरियो के मुख्य द्वार पर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। इस दौरान लिपिक, कंप्यूटर ऑपरेटर, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी व संविदा पर कार्य कर रहे कर्मियों ने भाग लिया। कर्मियों ने स्थायीकरण को लेकर राज्य सरकार के अपने वादे को नहीं निभाए जाने के लिए यह प्रदर्शन किया गया। कर्मियों ने बताया कि सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत 18, 19 और 20 जुलाई को सांकेतिक हड़ताल किया जायेगा, फिर 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया गया है।

स्कूली बच्चों के बीच साइकिल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड अंतर्गत ,झारखंड सरकार के द्वारा निशुल्क उन्नति का पहिया के तहत साइकिल वितरण पटमदा ब्लॉक परिसर में कक्षा 8 के उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बीडीओ पियुषा सलीना डोना, प्रमुख बालिका सोरेन, जिला परिषद सदस्य खगेन चंद्र महतो बोड़ाम जिला परिषद सदस्य गीतांजलि महतो, समाजसेवी बिंदु वाला महतो , झामुमो नेता मानिक महतो, विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू ,सुभाष कर्मकार झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अश्वनी महतो ,समीर महतो ,20 सूत्र अध्यक्ष कालीपद महतो सहित कई स्कूली बच्चे, शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे ।

विवाहिता के साथ पड़ोसन ने की मारपीट पति को जान से मारने की दी धमकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के नया टोला अंबाडीहा की रहने वाली विवाहिता युवती राखी देवी पति राहुल कुमार जयसवाल ने पड़ोस की रहने वाली महिला प्रियंका देवी के द्वारा मारपीट करने व उसके पति को जान से मारने की धमकी मोबाईल फोन पर देने के मामले में थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। वही दिए गए आवेदन पत्र में विवाहिता युवती ने जिक्र किया है कि बीते रविवार को वो हाट बाजार करने के लिए आई हुई थी जहां उसके ही पड़ोस में रहने वाली प्रियंका देवी के बेटे ने उसे देखकर भद्दा भद्दा कमेंट्स करने लगी। वही भद्दा भद्दा कमेंट्स करने के बाद विवाहिता युवती ने उक्त

लड़के को एक तमाचा लगा दी। उधर जब विवाहिता युवती अपने घर पहुंची तो सारी बातें अपने पति को बताई जिसके बाद उसके पति उसे अपने साथ लेकर उक्त लड़के के घर गई। जहां बेटे की करतूत बताने के बाद उल्टे उनलोगों ने उसके साथ मारपीट की। वही युवती ने बताया कि उसके पति राहुल कुमार जयसवाल के साथ प्रियंका देवी, उसके पति निर्मल साव, बेटी सोनी कुमारी ने लोहे का रड से मारकर घायल कर दिया एवं उसके साथ भी अभद्र व्यवहार किया। वही पड़ोस की रहने वाली महिला ने उसके पति को जान से मारने की धमकी भी उसके मोबाईल फोन पर दे दी जिसके कारण उसके पति काफी भयभीत है। वही इस मारपीट मामले व पति को जान से मारने के मामले में धमकी दिए जाने के मामले में विवाहिता युवती ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत दर्ज कराई है। वही सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार पड़ोसी महिला ने भी अपने परिवार के साथ मारपीट करने का आवेदन थाना में दिया है जहाँ फिलहाल पुलिस दिनों ही पक्षों के द्वारा दिए गए आवेदन पत्र पर गहराई से छानबीन कर रही हैं।

जीआरसी संचालक को लेकर प्रखंड स्तरीय कमेटी गठित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहेट : प्रखंड के बीडीओ कक्ष मे मंगलवार को जी आर सी संचालक को लेकर बैठक आयोजित की गई,बैठक की अध्यक्षता वीडियो अंशु कुमार पांडे ने की। जी आर सी संचालन कमेटी के अध्यक्ष वीडियो अंशु कुमार पांडे बने। वहीं बैठक में सखी मंडल से जुड़ी हुई सभी महिलाओं को न्याय दिलाने को लेकर सभी प्रकार की जानकारी दी गई। बैठक में मुख्य रूप से जे एस एल पी एस डी पी एम मतीन तारिक, अंचल अधिकारी चोनाराम हेंब्रम, थाना प्रभारी पवन कुमार, जे एस एल पी एस पी पी एम हरेंद्र कुमार,अन्य सामिल हुए। बैठक में उपस्थित सभी लोगों को जी आर सी के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। वीडियो अंशु कुमार पांडे ने कहा कि महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न एवं हिंसा के रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। जिला विधिक प्राधिकार के पीएलवी द्वारा पीड़ित महिलाओं को घरेलू हिंसा, सामाजिक हिंसा, लिंग भेदभाव डायन प्राताड़ना, यौन हिंसा, मानव तस्करी, बाल विवाह या अन्य किसी प्रकार के हिंसा से पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने का सहयोग किया जाएगा। जिला विधिक प्राधिकार द्वारा मिलनी वाली मुक्त कानून सहायता के बारे में जानकारी दी गई। साथी स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया गया।महिलाओं की सुरक्षा, न्याय हक मिल सके महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। साथ ही कहा सुंदर विकसित समाज के निर्माण के लिए डायन कुप्रथा का उन्मूलन जरूरी है। इसके लिए ग्रामीण इलाके के ओझा गुनी प्रथा को खत्म करने के लिए शिक्षा का अलख जगाते हुए ग्रामीणों को जागरूक करने की बात कही। वहीं मौके पर प्रवेशिका मोनिका कुमारी, जे एस एल पी एस बी पी एम रविंद्र कुमार, सी सी विनोद कुमार, त्रेशा बसकी, प्रेमा कुमारी, मरियम माल्ट्रो, सुनीता टुडू, अन्य मोजूद थे।

विधायक ने जनता दरबार में लोगों की सुनी समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखण्ड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष में प्रत्येक मंगलवार की भांति को अपरिहार्य कारणों से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान क्षेत्र में ना रहने के कारण प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू ने जनता दरबार के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुनी। नगर पंचायत बरहरवा एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों सिराजुद्दीन शेख इस्लामपुर, दुफनी दासी, दुलिकना घोष सातगछी ने अपनी अपनी समस्याओं को प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू के समक्ष रखा, जिसे रंजीत टुडू ने बारी-बारी से सुनकर संबंधित अधिकारियों से वार्तालाप करके निदान करवाया। आज विधायक कक्ष मे ग्रामीण आवास का भुगतान नहीं मिलने की समस्या को लेकर पहुंचे, वहीं प्रखंड अध्यक्ष ने प्रखण्ड पदाधिकारी से मिलकर उक्त लाभुकों की शिकायत को जल्द से जल्द दूर करने की बात कही। अंचल से संबंधित जमीन ऑन लाइन, जाति-निवास की समस्या लेकर आए लोगों की उपस्थिति में राजस्व कर्मचारी से मिलकर

यथाशीघ्र निदान करने को कहा। विकलांग एवं वृद्धा पेंशन, बिजली बिल, राशन कार्ड एवं थाना से संबंधित समस्या को लेकर लोग उपस्थित हुए। प्रखंड अध्यक्ष रंजित टुडू ने कुछ समस्याओं का निदान ऑन द स्पॉट करवाया तथा बाकी आवेदन को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए जल्द से जल्द समाधान कराने का आग्रह किया। वहीं प्रखंड अध्यक्ष रंजित टुडू ने कहा कि विधायक कक्ष में जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्यायों का निस्वार्थ भाव से निदान कराना है। वही मौके पर प्रखंड महासचिव सह जिला सोशल मिडिया को-ऑर्डिनेटर निताई सरकार, प्रखण्ड उपाध्यक्ष सह मिडिया प्रभारी अनंत लाल भगत, छोटे लाल रमानी सहित दर्जनों ग्रामीण एवं नगर के लोग उपस्थित थे।

हाथी रोधक दस्ता और ग्रामीणों के बीच विवाद पर हुआ समझौता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के कुकडु प्रखंड क्षेत्र के हेसालोंग गांव में ग्रामीणों एवं हाथी रोधक दस्ता के बीच हुए आपसी विवाद का समझौता मंगलवार को चांडिल वन क्षेत्र कार्यालय में किया गया। समाज सेवी खगेन महतो पहल से वन क्षेत्र पदाधिकारी व मुखिया प्रतिनिधि सुभाष सिंह सरदार ने हाथी रोधक दस्ता के साथ ग्रामीणों का समझौता कराया गया। समझौता होने के बाद दोनों पक्षों का आपसी विवाद का निपटारा किया गया। कब कुकडु प्रखंड क्षेत्र में हाथी रोधक दस्ता हाथीयों को भगाने में जुट जाएंगे। ग्रामीणों को वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा अपील किया गया कि हाथी रोधक दस्ता जान को जोखिम में डालकर गांवों से सुरक्षित हाथीयों को भगाने का काम करते हैं। दस्ता के साथ झगड़ा झंझट व अभद्र व्यवहार नहीं करें, वल्कि दस्ता को सहयोग करें। चुंकि हाथी रोधक दस्ता किसी गांव घर के युवक है, जो हाथियों से लोगों का जान माल सुरक्षित रखने में लगे रहते हैं। मालूम हो कि कुछ दिन पूर्व हेंसालोंग गांव में हाथी रोधक दस्ता के साथ ग्रामीणों का विवाद हुआ था, जिससे गांवों में घटना होने पर भी दस्ता के सदस्य गांवों में हाथी भगाने में जाने से इन्कार किया जा रहा था। समझौता के बाद दस्ता द्वारा पूर्व की तरह ही सक्रिय रूप से काम करेंगे।

अवैध रूप से परिचालित सड़क को प्रसाशन ने किया अवरुद्ध, माफियाओं में हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखण्ड अंतर्गत फुटानीमोड़ चेकनाका के समीप लगभग 100 मीटर पहले एक कच्ची गुप्त सड़क का निर्माण फुटानीमोड़ के स्थानीय माफियायों द्वारा अवैध रूप से छह चक्का व ट्रैक्टर परिचालित करने के मंसूबे से बनाये गए थे,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस कच्ची गुप्त सड़क द्वारा प.बंगाल अवैध पत्थरो की तस्करी के लिए बिना माइनिंग के परिचालन कराया जाता था और प्रत्येक वाहनो से अवैध वसूली की जाती थी। रात्रि के अंधेरे में कुछ स्थानीय माफियाओं और जमीन मालिक की मिली भगत से उक्त सड़क

द्वारा प्रशासन के आंखों में धूल झोक कर परिचालन करवाया जाता रहा है। इसको लेकर कई बार कार्यवाही भी की गई सड़क को प्रशासनिक देख रेख में कार्यवाही कर रास्ते को कोड़ कर अवरुद्ध किया गया। परंतु माफियायों द्वारा मनमानी करते हुए पुनः सड़क को मिट्टी भरकर परिचालन कराया जाता था,जो इधर लगभग एक महीने से परिचालन करवाकर सरकार के राजस्व को लाखों का चूना लगाया जा रहा था। जिसको लेकर जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार फुटानीमोड़ स्थिति उक्त अवैध परिचालित सड़क को मंगलवार को बरहरवा अंचलाधिकारी संजय कुमार शुक्ला के नेतृत्व में स्थानीय बरहरवा थाना पुलिस दल बल के साथ पुनः सड़क को कोड़कर अवरुद्ध कर दिया गया है। इस कार्यवाही से अवैध रूप से परिचालन करवाने वाले वाहन चालकों एवं स्थानीय माफियायों में हड़कम्प का माहौल है। इधर अंचलाधिकारी संजय शुक्ला व बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी हाल में अवैध वाहनों का परिचालन व इलीगल माइनिंग बर्दाश्त नहीं कि जाएगी,पकड़े जाने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

पड़ोसी शूटर को बताते रहे लोकेशन, 5 आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 जिलों में छापेमारी

मुंगेर। में 13 जुलाई को हुए डबल मर्डर का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें दो अपराधी हथियार के साथ कार के सामने वाली सीट पर बैठे व्यक्ति के ऊपर गोली चलाते हुए नजर आ रहे हैं। एक आरोपी ने रूमाल से अपना चेहरा छिपाया हुआ है तो वहीं दूसरे ने गमछे से अपना मुंह ढका हुआ है। लोगों की माने तो हत्या के बाद आरोपी फायरिंग करते हुए भाग निकले। ये फायरिंग मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बांक मोड़ के पास हुई थी। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 5 अब भी फरार हैं। पुलिस ने मृतक मंजीत मंडल की मां गंगा देवी के आवेदन पर 25 हजार के इनामी अपराधी पवन मंडल सहित 6 लोगों पर हत्या का केस दर्ज किया है। इसमें मुख्य आरोपियों में कासिम बाजार थाना क्षेत्र के मकससपुर निवासी सुरेश मंडल का बेटा और 25 हजार का इनामी अपराधी पवन मंडल है। इसके साथ बिंदवारा गांव निवासी स्व ललन सिंह का बेटा प्रिंस सिंह, शास्त्रीनगर निवासी डब्लू पोद्दार का बेटा श्याम पोद्दार का नाम भी शामिल है। पुलिस ने रेकी करने के मामले में मृतक मंजीत मंडल के पड़ोसी शास्त्रीनगर निवासी डब्लू पोद्दार की पत्नी रंजू देवी, बेटा अजय पोद्दार और पुरानीगंज निवासी विरेंदर साह के बेटे राहुल कुमार को अभियुक्त बनाया है। घटना के बाद मृतक मंजीत का पड़ोसी डब्लू पोद्दार अपने परिवार के साथ फरार चल रहा है। इसके अलावा घटना में शामिल अन्य अपराधी भी फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। वहीं पुलिस ने घटना के तीसरे दिन यानी सोमवार को पुरानीगंज निवासी वीरेंद्र कुमार साह के बेटे आरोपी राहुल कुमार उर्फ करण को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। फिलहाल मामले में पांच आरोपी फरार हैं। जानकारी के अनुसार घटना को लेकर एसपी ने विशेष टीम का गठन किया है। इसमें सदर डीएसपी राजेश कुमार और प्रशिक्षु डीएसपी सह मुफस्सिल थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार को कांड का खुलासा करने की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कोतवाली थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी और कासिम बाजार थानाध्यक्ष ध्रुव कुमार के अलावा एसआईटी टीम का गठन किया गया है। लखीसराय, बेगूसराय, खगड़िया सहित अन्य जगहों पर छापेमारी कर रही है।

संक्षिप्त डायरी

शिक्षक भर्ती-3 परीक्षा की फुल प्रूफ प्लानिंग

बिहार। में तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा 19 से 22 जुलाई को होगी। इसे लेकर आयोग ने फुल प्रूफ प्लानिंग की गई है। आयोग के अध्यक्ष रवि मनु भाई परमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि TRE 3 में नए तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है। चेयरमैन ने यह भी कहा कि पेपर लीक करने वाले चैनल को तुरंत चिह्नित कर लिया जाएगा। पेपर लीक हुआ भी तो उसका विस्तार उसी जिले तक होगा। दूसरे जिले पर असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के लिए नवादा में अगर पेपर लीक होगा तो पूरे राज्य के सभी केंद्रों की परीक्षा रद्द करने की नौबत नहीं आएगी। इसके लिए हर जिले के हिसाब से प्रश्नपत्र सेट किए गए हैं। अध्यक्ष ने कहा कि आयोग ने तय किया है कि आगामी परीक्षा स्वच्छ और कदाचार रूप से हो, इसके लिए कई तैयारियां की गई हैं। आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र के कई सेट रहेंगे। इसमें परीक्षा की तिथि को उपयोग में लाए जाने वाले सेट का चयन परीक्षा से कुछ घंटे पहले उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसे अलग-अलग प्रिंटिंग प्रेस से छपवाया जाएगा। इसका कोडिंग कलर से किया गया है। किस कलर सेट का किस जिले में उपयोग किया जाएगा। इसकी सूचना डीएम को परीक्षा से 3 घंटे पहले दी जाएगी। प्रश्न पत्र पहुंचाने वाली गाड़ी में जीपीएस ट्रैकर लगे होंगे। इसमें ड्राइवर के साथ अधिकारी और कर्मचारी भी रहेंगे। बीपीएससी टीआरई 3 के रिजल्ट पर 65 प्रतिशत आरक्षण के फैसले का प्रभाव पड़ेगा या नहीं। इस पर बीपीएससी के अध्यक्ष ने कहा कि यह 65 प्रतिशत आरक्षण का मामला इस वक्त सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कोर्ट से निर्णय आने के बाद बिहार सरकार का जो भी निर्देश आयोग को प्राप्त होगा। उसी अनुसार, रिजल्ट का प्रकाशन किया जाएगा। तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद ही चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। परीक्षा में कदाचार रोकने के लिए हर केंद्र पर प्रत्येक अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक जांच से गुजरना होगा। परीक्षा केंद्र पूरी तरह सीसीटीवी की निगरानी में रहेगा। कंट्रोल रूम से इसकी लाइव इतना ही नहीं परीक्षा केंद्र पर भी जैमर लगा रहेगा। बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) रद्द की गई तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा 19 जुलाई से शुरू हो रही है। 19, 20 और 21 जुलाई को एकल पाली (12 बजे से ढाई बजे) और 22 जुलाई को दो पाली (पहली पाली नौ बजे से और दूसरी पाली 12 बजे से) ली जाएगी। इस परीक्षा में करीब छह लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। बता दें कि 15 मार्च आयोग ने पहले ही एडमिट कार्ड जारी दिया है। । 19, 20 और 21 जुलाई को एक ही शिफ्ट में परीक्षा होगी। पहले शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 12:00 से लेकर 2:30 बजे तक होगी। वहीं, 22 जुलाई को दो शिफ्ट में एग्जाम लिया जाएगा। इसके लिए पहले शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक और दूसरे शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से लेकर शाम 5 बेस तक आयोजित किया जाएगा।बीपीएससी द्वारा ली जाने वाली तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में इस बार 5,81, 305 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यह वैकेंसी 87 हजार 774 पदों के लिए निकली है। अगर औसत की बात करें तो इस परीक्षा में एक पद के लिए औसतन 6.62 आवेदकों ने आवेदन दिया है। प्राथमिक में 28,026 पद शामिल है। इसके लिए 16,0644 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। मध्य में 19645 पद है। इसके लिए 21,3940 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। माध्यमिक में 16970 पद है। इसके लिए 14,4735 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। उच्च माध्यमिक में 22,373 पद है। इसके लिए 61986 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा TRE- 3.0 के पेपर लीक में मुख्य भूमिका निभाने वाले 5 आरोपियों को आर्थिक अपराध इकाई (EOU) की टीम ने मध्यप्रदेश के उज्जैन से गिरफ्तार किया। ये सभी बिहार के रहने वाले हैं, जिसमें से 4 नालंदा और एक महिला अभियुक्त पटना की रहने वाली है। EOU अब इन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है, लेकिन इनका बैकग्राउंड क्या है रहन-सहन कैसा था, इतने बड़े कांड में कैसे आए, इनके परिवारवालों को इसकी भनक थी या नहीं

पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर हादसा, नवादा से बाढ़ जा रहे थे सभी

पटना-बख्तियारपुर। फोरलेन पर मंगलवार सुबह हुए हादसे में नवादा के 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसा ओवरब्रिज के पास हुआ, जब स्कॉर्पियो सड़क पर खड़ी हाइवा से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कॉर्पियो की रफ्तार करीब 100 डट/ल्ह थी। ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ है। मौके पर पहुंचे बाढ़ डीएसपी-2 अभिषेक सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर चार लोगों की मौत हो गई है। जबकि इलाज के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया है। बाकी लोगों का इलाज पटना के निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। जानकारी के मुताबिक नवादा जिले के हिसुआ से एक स्कॉर्पियो आ रही थी। इस पर 11 लोग सवार थे। सभी बाढ़ के उमानाथ घाट गंगा स्नान करने जा रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद बख्तियारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतकों के परिजन रामचंद्र यादव ने बताया कि 2 गाड़ी से 20 लोग बाढ़ जा रहे थे। इस दौरान एक गाड़ी हाइवा से टकरा गई। हादसे के बाद नवादा के दो गांवों में मातम पसर गया है। मरने वाले सभी आपस में रिश्तेदार हैं। मृतकों में करहरिया बेलदारी गांव के नीरज कुमार (25), फुलवा देवी (52) और कमला देवी (55), वहीं हमीरपुर बारा की रिशु कुमारी (5), पार्वती देवी (50) और निर्मला देवी (50) शामिल हैं। सभी रिश्तेदार हंसी-खुशी से खाने-पीने के बाद 2 स्कॉर्पियो में बाढ़ के लिए रात लगभग 9 बजे निकले। अनहोनी से बेखबर सब गाड़ी के अंदर मस्ती में थे।

ससुराल के लिए निकला युवक दो दिनों से लापता

गया। के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित पहसी मोहल्ला स्थित अपने घर से ससुराल के लिए निकला युवक सत्यम बीते दो दिनों से लापता चल रहा है। घर वालों का आरोप है कि सत्यम के ससुराल वालों ने उसे गायब कर दिया है। संबंधित मामले में इस्लामपुर थाने में पीड़ित पक्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सत्यम की मां सुंदरी देवी का कहना है कि सत्यम की शादी मई में इस्लामपुर के बेल गांव में हुई थी। शादी के बाद उसकी पत्नी वापस मायके चली गई। 13 जुलाई को ही वह अपनी ससुराल पत्नी का जन्म दिन मनाने गया था। 14 को वह वहां से घर लौट आया था। उस दिन उसने बताया था कि उसके साथ ससुराल वालों ने मारपीट की थी। फोन पर भी वह काफी झगड़ रहा था। इसी बीच वह करीब 3 बजे फिर से ससुराल बेल गांव चला गया। शाम के बाद से उसका फोन लगातार बंद मिल रहा है। उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चल रहा है। इस घटना से घरवाले बेहद परेशान हैं। उन्हें किसी अनहोनी का डर सता रहा है। उसकी बाइक हुलासगंज थाना क्षेत्र कन्दोल गांव के पास लावारिस मिली है। हुलासगंज थाना के दरोगा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उनका लड़का लापता चल रहा है। इसकी पड़ताल चल रही है।

जयमाला से पहले बदली दुल्हन लड़की की छोटी बहन को बैठाया

मुजफ्फरपुर। में शादी से ठीक पहले दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। दुल्हन को शादी का जोड़ा पसंद नहीं था। परिजनों ने उसे काफी समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। फिर परिजनों ने दुल्हन की छोटी बहन को जोड़ा पहनाया और जयमाला पर बैठा दिया। इधर, शादी से पहले दूल्हे को भी अंदाजा हो गया था कि बगल में बैठी लड़की कोई और है। जिसके बाद दूल्हे ने हंगामा शुरू कर दिया और शादी से इनकार कर दिया। इस दौरान लड़की के परिवार वाले शांत खड़े थे और लड़का दुल्हन बदल देने का आरोप लगा रहा था। इस बीच दूल्हा और उसके परिजन थाने पहुंच गए, जहां थाना परिसर में फिर पहली वाली लड़की से ही दूल्हे की शादी कराई गई। वहीं से दुल्हन की विदाई हुई। पूरे विवाद के दौरान बारात और अन्य मेहमानों को भी माजरा समझ नहीं आ रहा था। कई बाराती शादी से पहले अपने घर चले गए। बारातियों ने खाना तक नहीं खाया था। दरअसल, गायघाट प्रखंड के टुनटुन कुमार की शादी धूम नगर बखरी की सपना कुमारी से तय हुई थी। शुक्रवार को गाजे-बाजे के साथ 40 किमी दूर से बारात आई थी। लड़की पक्ष वालों ने धूमधाम से तैयारियां की थी। टेंट-कुर्सी की व्यवस्था अच्छी थी। खाने में कई तरह के व्यंजन बने थे, लेकिन एक भी बाराती ने खाना नहीं खाया। जब बड़ी बेटी ने शादी से इनकार दिया तो परिवार वालों ने इज्जत के खातिर छोटी बेटी को दुल्हन की तरह तैयार कर दिया और जयमाला के लिए मंडप के पास ले गए। जब दूल्हे ने शादी से इनकार किया तो लड़की पक्ष वालों ने हंगामा शुरू कर दिया और मारपीट करने लगे। जिसके बाद टुनटुन ने पुलिस को फोन कर दिया।

7 किमी दूर बगहा प्रखंड मुख्यालय से टूटा संपर्क मरीजों-बच्चों को हो रही समस्या

बगहा। रामनगर प्रखंड अंतर्गत सपही पंचायत के इमरीती कटहरवा गांव का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क मार्ग पूरी तरह बंद हो चुका है। हाल ही में आई भयंकर बाढ़ के कारण मुख्य सड़क टूट गई है, जिससे ग्रामीणों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस गांव की प्रखंड मुख्यालय से दूरी लगभग 7 किलोमीटर है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह प्रखंड का एकमात्र गांव है जो टापू में तब्दील हो गया है। यह समझना मुश्किल हो गया है कि गांव नदी में है या नदी गांव में। प्रखंड मुख्यालय से इस गांव में आने-जाने का एकमात्र रास्ता भावल होकर आता है, जो अब बाढ़ से पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब पक्की सड़क का निर्माण हो रहा था, उस समय बड़े पुल बनाने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन विभाग ने बाढ़ के पानी की निकासी के लिए कोई बड़ा पुल या पुलिया का निर्माण नहीं कराया। अब इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है, क्योंकि पहली ही बाढ़ में सड़क ध्वस्त हो गई है। गांव के लोगों के अनुसार उन्हें बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। आने-जाने में असमर्थ हैं। इस वजह से ग्रामीणों में रोजमर्रा की जिंदगी के लिए भारी परेशानी हो रही है। स्कूल जाने का मार्ग बंद हो चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन को जल्द से जल्द यहां की स्थिति का संज्ञान लेना चाहिए और आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान हो सके।

तेजप्रताप बोले-छत से पानी टपक रहा हम सरकार में नहीं इसलिए कोई नहीं सुनता

पटना। लालू प्रसाद के बड़े बेटे और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव ने अपने आवास का एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा है कि हम सरकार में नहीं हैं, इसलिए कचरा कर दिया गया है। वे पटना के स्ट्रैंड रोड स्थित 26 नंबर सरकारी आवास में रहते हैं। यहां कई जगह पर गड्ढा करके छोड़ दिया गया है। वीडियो में तेजप्रताप यादव ने कहा है कि बगल में मंत्री संतोष मांझी का घर है। वे सरकार में हैं। उनका बंगला चमक रहा है। मेरे घर को छोड़कर बाकी जितने एमएलए और मंत्री हैं, सभी के घर चकाचक है। सिर्फ मेरा घर बेकार है। तेजप्रताप यादव मंत्री पद जाने के बाद 3 एम स्ट्रैंड स्थित आवास खाली कर 2 महीने पहले नए आवास में रहने आए थे। यहां अफसरों और ठेकेदार की मनमानी की वजह से सरकारी आवास के नाम पर ऐसे आवास में रहना पड़ रहा है। तेजप्रताप का कहना है कि बारिश के समय छत से पानी टपकता है। इसकी रिपेयरिंग नहीं कराई जा रही है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कोठी दीजिए ऐसा कि आदमी रह सके, कचरा में तो रहेगा नहीं।

नालंदा में सड़क हादसे में एक की मौत, चार घायल

नालंदा। में मंगलवार को रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जहां सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई। मामला राजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत पिलखी महादेवा गांव के समीप की है। मृतक की पहचान गया जिला के महाकार थाना क्षेत्र अंतर्गत कुड़वा गांव निवासी स्वर्गीय साधु शरण के अनुज साव (48) के रूप में की गई है। मृतक के भतीजे सोनू मोदी ने बताया कि उसके चाचा टेंपो पर सवार होकर मंगलवार की सुबह शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। इसी बीच राजगीर के पिलखी गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टेंपो में टक्कर मार दी और सड़क किनारे खाई में चली गई। इस घटना में टेंपो के परखच्चे उड़ गए, जबकि उसपर सवार 4 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय लोगों के द्वारा राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इलाज के क्रम में अनुज साव की मौत हो गई। कोहराम मच गया। पलभर में शादी वाले घर में शादी की खुशियां मातम में बदल गई।

40 से कम उम्र के शिक्षकों की दूर होगी पोस्टिंग

बिहार। में शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर शिक्षा विभाग ने कमेटी बनाई है। कमेटी इसको लेकर प्रस्ताव तैयार कर रही है। जानकारी के मुताबिक 40 साल से कम उम्र के शिक्षकों को पोस्टिंग सुदूर इलाकों में की जाएगी। भौगोलिक आधार पर स्कूलों का पांच कैटेगरी में बांटे जाएंगे। इसी आधार पर ट्रांसफर पोस्टिंग होगी। असाध्य रोग से पीड़ित शिक्षक और शिक्षक दंपती को राहत दी जाएगी। इसके साथ ही दिव्यांग और महिला शिक्षक को भी राहत मिलेगी। बिहार के करीब 5 लाख शिक्षकों की नजर ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर सरकार की तरफ से बनाई जा रही नई नीति पर है। कमेटी शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर नीति बना रही है। वैसे इस पर फाइनल फैसला सरकार का होगा। सरकारी स्कूलों की छुट्टी को लेकर भी कमेटी नीति बना रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारियों से भी सुझाव लिए गए हैं। साथ ही उन्हें कई निर्देश भी सचिव की ओर से दिए गए। गठित कमेटी जल्द ही अपनी रिपोर्ट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ को सौंपेगी। इसके बाद शिक्षा मंत्री के सहमति के बाद इस रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। विभाग के पदाधिकारी बताते हैं कि कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर बनी नई नीति में बदलाव भी किए जा सकते हैं। आईएएस डॉ. सिद्धार्थ द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी पर 5 लाख से अधिक शिक्षकों की नजर है। बिहार के सरकारी स्कूलों में 1 टू 8 क्लास तक 4 लाख शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे हैं। 9वीं से 12 वीं तक शिक्षकों की कुल संख्या लगभग 1 लाख के पास है। बिहार सरकार के स्कूलों में फिलहाल चार कैडर के शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे हैं। सबसे पहला कैडर ग्रेड पे वाले। वैसे शिक्षक आते हैं जिन्होंने ग्रेड पे पर जॉइन किया है। इनकी संख्या अब काफी कम बची है। ट्रांसफर पॉलिसी सरकार के पास है। ग्रेड पे वाले शिक्षक बिहार के किसी भी स्कूलों में तबादला किया जा सकता है। जिले के अंदर जिला शिक्षा पदाधिकारी तबादला करते रहें हैं। बिहार सरकार ने नियोजन के सहारे शिक्षकों को बहाली की नियोजित शिक्षक को लेकर सरकार के पास ट्रांसफर पॉलिसी नहीं है। बिहार सरकार में 2023 और 2024 में बीपीएससी द्वारा शिक्षकों को नियुक्ति कराई है। TRE 1 और TRE 2 से बीपीएससी शिक्षक चुनकर आए हैं। इनके तबादले का अधिकार सरकार के पास है। नियुक्ति नियमावली में कहा गया है कि बिहार के किसी भी स्कूलों में इनका ट्रांसफर किया जा सकता है।बिहार सरकार ने विशिष्ट शिक्षक का कैडर बनाया है। इस कैडर में वैसे शिक्षक शामिल होंगे जो सक्षमता परीक्षा पास करेंगे। नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा विशिष्ट शिक्षक बनने पर ही मिलेगा। बिहार सरकार ने शिक्षकों के तबादले को लेकर आवेदन मांगे थे। 2022 में आवेदन लिया गया। ग्रेड पे शिक्षकों ने आवेदन भी दिया।

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी मे नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

पारियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती हैं। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती हैं।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना ज़रूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

युवराज, हरभजन और गुरकीरत और रैना पर विकलांग लोगों का मजाक उड़ाने के आरोप

-एनसीपीईडीपी ने पुलिस में दर्ज करायी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटरों हरभजन सिंह, सुरेश रैना, युवराज सिंह और गुरकीरत मान पर विकलांग लोगों का मजाक उड़ाने के आरोप लगाते हुए एक शिकायत पुलिस में दर्ज करायी गयी है। ये शिकायत नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसेबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) के कार्यकारी निदेशक अरमान अली ने पुलिस स्टेशन में दी। इन क्रिकेटरों के अलावा मेटा इंडिया की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संध्या देवनाथन के खिलाफ भी शिकायत की गई है।

विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स फाइनल में इंडिया चैंपियंस की पाकिस्तान चैंपियंस पर जीत के बाद इन पूर्व क्रिकेटरों ने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में युवराज , हरभजन और रैना लंगड़ाते और अपनी पीठ पकड़कर मैच के दौरान अपने शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभाव को दिखाते नजर आ रहे हैं। साथ ही लिखा था कि पिछले 15 दिनों के टूर्नामेंट में शरीर की तौबा तौबा हो गई और हर हिस्सा दर्द में है। साथ ही कहा का कि ऐसा लगा जैसे विकी कौशल से हमारा मुकाबला हो। अब इसी वीडियो पर विकलांग कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जतायी है। उन्होंने इसे पूरी तरह से अपमानजनक बताया है। अरमान ने शिकायत में कहा कि यह विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम का भी उल्लंघन करता है। उन्होंने अधिकारियों से इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल जरुरी कार्रवाई करने का आग्रह किया और सार्वजनिक हस्तियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर जोर दिया। शिकायत दर्ज कराने के बाद अली ने कहा कि इन क्रिकेटरों की ओर से साधारण माफी से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उनके कृत्य के लिए दंडित किया जाना चाहिए।

वहीं इसको लेकर हरभजन ने माफी मांगते हुए लिखा, हम किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। हम हर व्यक्ति और समुदाय का सम्मान करते हैं और यह वीडियो

15 दिनों तक क्रिकेट खेलने के बाद हमारे शरीर को प्रतिबिंबित करने के लिए था। हम किसी का अपमान या अपमान करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं अगर फिर भी किसी को ऐसा लगे तो हम माफी चाहते हैं।

ओलंपिक में लक्ष्य को मिला अच्छा ड्रॉ, खुलकर खेलेगा : कोच विमल कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन के कोच विमल कुमार का मानना है कि उसे अपने पहले ओलंपिक में अच्छा ड्रॉ मिला है जिसमें 'अंडरडॉग' होने के कारण वह खुलकर खेल सकेगा। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को ओलंपिक पदक जीतने के लिये इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी, पिछले ओलंपिक में सेमीफाइनल खेलने वाले ग्वाटेमाला के केविन कोर्डोन और बेल्जियम के जूलियन करागी जैसे दिग्गजों से ग्रुप एल में पार पाना होगा।

भारत के पूर्व कोच विमल ने कहा, 'मुझे लगता है कि ड्रॉ अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'वह कई बार जोनाथन क्रिस्टी से करीबी मुकाबले हार चुका है। यह बराबरी का मामला है। दूसरे चरण में जाने के लिए मौकों को भुनाना होगा। मेरे हिसाब से लक्ष्य के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। वह अंडरडॉग रहेगा जिससे खुलकर खेल सकेगा।'

लक्ष्य को बड़े मैचों का खिलाड़ी बताते हुए विमल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह एशियाई खेलों के पूर्व चैम्पियन क्रिस्टी को हरा सकेगा। ओलंपिक में भारत के लिये साइना नेहवाल (2012 में कांस्य) और पी वी सिंधू (2016 में रजत और 2020 में कांस्य) पदक जीत चुकी हैं।

अलमोड़ा के रहने वाले लक्ष्य की तैयारी के लिए दक्षिण कोरिया के दो बार के ओलंपिक पुरूष युगल रजत पदक विजेता यू योंग सुंग को वापिस बुलाया गया जिन्होंने उसके नेट गेम, कोर्ट पर रफ्तार और दबाव के हालात में फोकस पर काम किया। उन्होंने 2022 में लक्ष्य के साथ काम किया था।

विमल ने कहा, 'पिछले तीन सप्ताह से यू योंग सुंग इन चीजों पर उसके साथ काम कर रहे हैं।% लक्ष्य ओलंपिक खेलने जा रहे पोपोव बंधुओं क्रिस्टो और टोमा जूनियर के साथ भी अभ्यास कर रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी किरण जॉर्ज और आयुष शेट्टी भी अभ्यास के लिये वहां मौजूद हैं। लक्ष्य अपने कोच के साथ 22 जुलाई को पेरिस रवाना होंगे।

श्रीलंका के खिलाफ किसे मिलेगी टी20 टीम की कप्तानी, बीसीसीआई के सीनियर सूत्र ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार हरफनमौला हार्दिक पांड्या श्रीलंका के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 क्रिकेट श्रृंखला में भारत के कप्तान होंगे। पांड्या निजी कारणों से अगस्त में होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला नहीं खेलेंगे।

बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने बताया, 'हार्दिक पांड्या भारतीय टी20 टीम के उप-कप्तान थे। वह पूरी तरह फिट हैं और तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए उपलब्ध भी लिहाजा वह कप्तान होंगे।' रोहित शर्मा ने विश्व कप जीतने के बाद टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया। टी20 श्रृंखला 27 से 30 जुलाई तक पल्लेकेले में खेली जाएगी जबकि वनडे दो से सात अगस्त तक कोलंबो में होंगे। टीम की घोषणा अगले कुछ दिन में होगी। अभी यह तय नहीं है कि उप-कप्तान शुभमन गिल होंगे या सूर्यकुमार यादव।

वनडे श्रृंखला के बारे में अधिकारी ने बताया कि पांड्या ने निजी कारणों से ब्रेक मांगा है और नियमित कप्तान रोहित शर्मा को इसकी जानकारी दे दी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ तौर पर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने पर सभी स्टार क्रिकेटरों को भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। रोहित, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को छूट दी गई है। बीसीसीआई चाहता है कि बाकी सभी टेस्ट विशेषज्ञ अगस्त में दलीप ट्रॉफी का कम से कम एक मैच खेलें। इसके बाद टीम को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

आईसीसी रैंकिंग : हरमनप्रीत 12वें और शेफाली 15वें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी टी20 रैंकिंग में क्रमशः 12वें और 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

हरमनप्रीत तीन पायदान आगे बढ़ी हैं। उनके कुल 613 रेटिंग अंक हैं। शेफाली को दो स्थान का फायदा हुआ है। वह न्यूजीलैंड की अमेलिया केर और इंग्लैंड की डैनी वायट के साथ 15वें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं और वह भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर काबिज हैं। गेंदबाजों की सूची में अनुभवी दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं। राधा यादव आठ पायदान चढ़कर 15वें, पूजा वस्त्राकर छह पायदान ऊपर 23वें और श्रेयंका पाटिल नौ पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गईं हैं। इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन ने 768 अंकों के साथ अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के चार मैचों में आठ विकेट चटकाए हैं। वह पहले की तरह दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। उनकी साथी सोफी एक्लेस्टोन शीर्ष पर काबिज हैं।

अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में खेली धमाकेदार पारी, ओपनर के तौर पर 20 गेंदों में 45 रन बनाए

कोयंबटूर। आर अश्विन ने कोयंबटूर में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) मैच में डिंडीगुल ड्रैगन्स के लिए चेपॉल सुपर गिलिज के खिलाफ तूफानी पारी खेलकर आक्रामक बल्लेबाजी की झलक दिखाई। कोयंबटूर में बारिश से प्रभावित मैच में अश्विन ने विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं और ओपनिंग करते हुए सिर्फ 25 गेंदों पर 45 रन बनाए। डिंडीगुल ड्रैगन्स की शुरुआत बेहद खराब रही और मैच के दूसरे ओवर में उनका स्कोर 3 विकेट पर 3 रन हो गया। मैच को घटाकर सात ओवर प्रति टीम कर दिया गया। अभिषेक तंवर ने पहले ओवर में दो शुरुआती विकेट लिए, जबकि राहिल शाह ने दूसरे ओवर में बाबा इंद्रजीत का बड़ा विकेट लिया। पांचवें नंबर पर आए आर विमल कुमार ने गणेशन पेरियास्वामी के पहले ओवर में दो चौके लगाकर दबाव को थोड़ा कम करने में मदद की।

बावा का विश्व जूनियर स्क्वाश में पदक पक्का, अनाहत बाहर

नई दिल्ली। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्का कर लिया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लो वा सर्न को 3.2 से हराया। दिल्ली के 18 वर्ष के बावा 2014 में कुश कुमार के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरूष खिलाड़ी बन गए। करीब 80 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वह पांचवें गेम में 6.9 और 7.10 से पिछड़ गए थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 2.11, 11.4, 10.12, 11.8, 12.10 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से होगा। वहीं अनाहत सिंह लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में लगातार तीसरे साल हारकर बाहर हो गई। भारत की 16 वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियन को मिस्र की नादियां इल्हामामी ने 11.8, 11.9, 5.11, 10.12, 13.11 से हराया।

सुमित नागल ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके सुमित नागल एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सोमवार को जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 26 साल के नागल को पांच स्थान का फायदा हुआ है। उनकी पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 71 थी। नागल इस तरह दुनिया के 71वें नंबर के पूर्व खिलाड़ी शशि मेनन को पीछे छोड़कर 1973 से सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। विजय अमृतराज (1980 में 18वें स्थान पर), रमेश कृष्णन (1985 में 23वें स्थान पर) और सोमदेव देववर्मन (2011 में 62वें स्थान पर) एटीपी सर्किट पर नागल से बेहतर रैंकिंग हासिल कर चुके हैं। पिछले कुछ समय में प्रभावी नतीजों की बदौलत नागल की रैंकिंग में सुधार हुआ है और साथ ही वह पेरिस ओलंपिक के एकल वर्ग में क्वालीफाई करने में भी सफल रहे। पेरिस ओलंपिक के पुरुष एकल में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय नागल के 779 एटीपी अंक हैं। नागल ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कजाखस्तान के 31वें वरीय एलेक्जेंडर बुबलिक के खिलाफ जीत के साथ की। उन्होंने फ्रेंच ओपन और विंबलडन में भी भाग लिया। नागल ने जून में जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप 2024 चैलेंजर स्पर्धा और फरवरी में चेन्नई ओपन में पुरुष एकल का खिताब जीता। वर्तमान में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले भारतीय एकल खिलाड़ी नागल ने 2023 से चार एटीपी चैलेंजर खिताब जीते हैं और हीलब्रॉन वले कोर्ट पर उनका चौथा खिताब था।

बायजू को झटका , बीसीसीआई की अपील पर एनसीएलटी ने दिवालिया प्रक्रिया शुरू की

-कंपनी की संपत्तियों को बेचकर कर्ज लौटाया जाएगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) की प्रयोजक रही एडटेक कंपनी बायजू अब दिवालिया हो गयी है। ऐसे में राष्ट्रीय कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी के वर्तमान प्रबंधन को भंग करते हुए ही दिवालिया समाधान प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर कंपनी ने अब भी बीसीसीआई के साथ अपने विवाद को अदालत के बाहर सुलझाने का अवसर देने की अपील की है।

कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि हम बीसीसीआई के सहयोग से 'आउट ऑफ कोर्ट' सेटलमेंट का प्रयास कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई ने 8 सितंबर, 2023 को एक याचिका दायर कर बायजू के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की अपील की थी। तब बीसीसीआई ने कहा था कि कंपनी ने उसका 158 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। इसी याचिका को स्वीकार करते हुए एनसीएलटी ने कहा कि कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू नहीं किये जाने का कोई आधार नहीं बनता है। करने का कोई ग्राउंड दिखाई नहीं देता है.

इसी के तहत ही एनसीएलटी ने बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न को बड़ा झटका देते हुए उसके खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू कर दी है। ट्रिब्यूनल ने वर्तमान प्रबंधन को भंग कर पंकज श्रीवास्तव को अंतरिम रिज्योलूशन पेशेवर बनाया है। साथ ही कंपनी के कर्जदाताओं को शीघ्र ही कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स बनाने को कहा है और तब तक इसकी कमान पंकज श्रीवास्तव के हाथ रहेगी। एनसीएलटी ने कहा है कि पंकज कमेटी बनने तक कंपनी को संभालेंगे। ट्रिब्यूनल ने बायजू के सभी मामलों को एकसाथ रखने और भी कर्जदाताओं की कमेटी बनाने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद कंपनी के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू हो जाएगी। अब कंपनी की संपत्तियों का मूल्य निर्धारित किया जाएगा और उसे बेचकर कर्जदाताओं को पैसे लौटाये जाएंगे।

एनसीएलटी ने साथ ही आदेश दिया कि दिवालिया प्रक्रिया पूरी होने तक बायजू अपनी किसी भी संपत्ति का कोई लेनदेन नहीं कर सकती है। कंपनी के प्रबंधन की कमान भी क्रेडिटर्स की कमेटी को सौंप दी जाएगी।

लियोनेल मेसी को जल्द वापसी की उम्मीद, कोपा अमेरिका फाइनल में लगी थी चोट

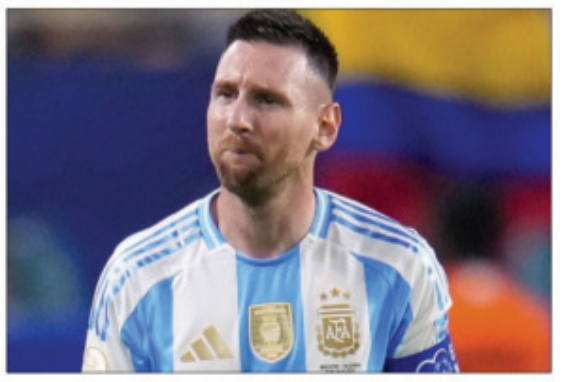

मियामी। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने उम्मीद जताई है कि रविवार को कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर उनकी टीम की 1-0 की जीत के दौरान लगी टखने की मोच से वह जल्दी ठीक हो जाएंगे। 37 वर्षीय खिलाड़ी को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स के हार्ड रॉक स्टेडियम में मैच के 66वें मिनट में कोलंबियाई प्रतिद्वंद्वी का पीछा करते समय अपना टखना घुमाने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था। मेसी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'शुक्र है कि मैं ठीक हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही फिर से मैदान पर वह काम करूंगा जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है।' नंबर 10 ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, खासकर इसलिए क्योंकि हमने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है और फिडे [डि मारिया] हमें छोड़कर चली गई है, लेकिन एक और ट्रॉफी के साथ। उनके जैसे पुराने खिलाड़ी, ओटा [निकोलस ओटामेंडी] हम एक टीम हैं और एक परिवार भी हैं।' अर्जेंटीना की जीत के जश्न में हिस्सा लेने के बावजूद मेसी को चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए आने वाले दिनों में मेडिकल जांच से गुजरना होगा। अधिकांश टखने की मोचों के ठीक होने के लिए कम से कम तीन सप्ताह की अवधि की आवश्यकता होती है, जिसका अर्थ है कि मेसी के अगस्त तक अपने क्लब, इंटर मियामी के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

मैं शुभमन गिल को कप्तान नहीं बनाऊंगा- भारतीय स्पिनर का दावा, बोले- वो नहीं जानता कि...

नई दिल्ली। जिमबाब्वे दौरे पर शुभमन गिल को टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की कप्तानी सौंपी गई थी। शुभमन के नेतृत्व में टीम ने पहला मुकाबला बुरी तरह से हारा लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए अगले चार मैच जीते और सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। गिल इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने प्लेयर रहे। इस सीरीज में भारत की ओर से पांच प्लेयरों ने डैब्यू भी किया। जिससे बीसीसीआई को भविष्य की रणनीति बनाने में सफलता मिल सकती है। बहरहाल, एक तरफ जहां बीसीसीआई शुभमन को संभावित कप्तान के रूप में देख रहा है तो वहीं, दूसरी ओर पूर्व स्पिनर अमित मिश्रा ने दावा किया है कि शुभमन को कप्तानी की समझ नहीं है। मिश्रा ने एक पॉडकास्टर पर विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ रिश्तों पर बोलने के अलावा शुभमन को भी निशाने पर भी लिया। मिश्रा ने कहा कि मैं शुभमन गिल को कप्तान नहीं बनाऊंगा। मैंने उसे आईपीएल में देखा था और वह नहीं जानता कि कप्तानी कैसे की जाती है। उसे कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने पहले कभी कप्तानी भी नहीं की है। उन्हें कप्तान क्यों बनाया गया, चयनकर्ताओं से पूछें- क्योंकि भारत में है तो कप्तान बनाओ बस? ये नहीं होना चाहिए (उन्हें कप्तान नहीं बनाया जाना चाहिए था)। 24 वर्षीय गिल अभी आईपीएल में गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। वह पिछले आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जब जीटी उपविजेता रही थी।

पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार हैं अमित पंघाल

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं, उनसे पदक की उम्मीदें देश को रहेंगी। पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली। पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

निशानेबाज अंजुम मोदगिल ने मानसिक द्वंद से पार पाकर बनाई ओलंपिक में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बनाने से निराश निशानेबाज अंजुम मोदगिल ने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मोदगिल ने विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं लेकिन तोक्यो ओलंपिक में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में 15वें और 10 मीटर एयर राइफल में 18वें स्थान पर रही थी। पेरिस ओलंपिक में वह केवल 50 मीटर 3 पोजीशन में भाग लेगी।

मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई। इसके बाद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, 'तोक्यो के बाद तीन साल मेरे लिए उतार-चढ़ाव वाले रहे। मैंने मुश्किल दौर देखा और मैं मजबूत वापसी करना चाहती थी। तोक्यो का अनुभव निश्चित रूप से पेरिस में काम आएगा।'

मोदगिल ने कहा, 'मैंने वास्तव में कोटा और ट्रायल्स का फायदा उठाया। महासंघ ने मुझे उम्मीद नहीं खोने के लिए कहा था। मैं जिस दौर से गुजर रही थी, वह उससे अच्छी तरह वाकिफ थे। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं बनाने के बाद मैं मजबूत वापसी करने के लिए आश्वस्त थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान दिया और मैं ट्रायल्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर सकारात्मक थी। मुझे अपने मजबूत पक्ष पता थे और मैं जानती थी कि दबाव में कैसे खेलना है। इसका मुझे फायदा मिला।'

मोदगिल ने कहा, 'तोक्यो ओलंपिक के एक साल बाद मैंने विश्व कप में कुछ पदक जीते और मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनी। मैंने मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान दिया। यह मेरे लिए सकारात्मक कदम था। अब मैं बात करने में नहीं हिचकिचाती जो पेरिस ओलंपिक से पहले सकारात्मक बदलाव है। मैंने समय का उपयोग बेहतर बनने और यह पता लगाने के लिए किया कि मेरे लिए क्या बेहतर है।'

मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को समझते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने एक हेल्पलाइन शुरू की है जो ओलंपिक के दौरान सभी खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्श देगी। मोदगिल ने कहा, 'सभी महासंघों और आइओसी का मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझना महत्वपूर्ण है। एक खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझ रखना महत्वपूर्ण होता है। इसलिए पेरिस ओलंपिक के दौरान मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू करना सकारात्मक कदम है।'

एएसआई ने पेट्रोल पंप कर्मचारी को कार से घसीटा, मुफ्त में भराना चाहता था पेट्रोल

-वीडियो वायरल होने के बाद हुआ सस्पेंड, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कुन्नूर। मुफ्त में कोई चीज मिलने की बामारी लगभग सभी में होती है। किसी को इसकी आदत पड़ जाती है। गाड़ी में मुफ्त का पेट्रोल लेने का चस्का सिर्फ पुलिसवालों को नहीं है। केरल के कुन्नूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक गाड़ी पेट्रोल पंप कर्मचारी को कुचलने की कोशिश कर रही है। बताया जाता है कि पेट्रोल के पैसे मांगने पर पंप कर्मचारी को गाड़ी से कुचलने की कोशिशक करने वाला कन्नूर पुलिस का एएसआई है। गनीमत यह रही कि कर्मचारी कार के धक्के के बाद बोनट पर ही गिर गया। आरोप है कि एएसआई ने कर्मचारी को धक्का मारने के बाद गाड़ी नहीं रोकी और बोनट में फंसे युवक को लेकर हाइवे पर गाड़ी दौड़ाता रहा। अब आरोपी एएसआई के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक वायरल वीडियो रविवार का है। जब कन्नूर पुलिस का एएसआई के. संतोष कुमार (50) गाड़ी में पेट्रोल भरवाने पंप पर पहुंचा। वहां पेट्रोल पंप कर्मचारी अनिल ने गाड़ी में पेट्रोल भर दिया। जब पैसे मांगे तो एएसआई कार लेकर जाना लगा। पैसे को लेकर दोनों में कुछ देर बहस हुई। वीडियो में दिख रहा है कि अनिल ने गाड़ी के सामने आकर संतोष को रोकने की कोशिश की। एएसआई ने कार का इंजन चालू कर आगे बढ़ा दी, जिससे अनिल बोनट पर गिर गया। उसके हाथ में चोट लगी है। इसके बाद भी संतोष कुमार ने बोनट पर अटके अनिल को लेकर एक किलोमीटर गाड़ी चलाई। अनिल ने इसकी शिकायत पुलिस की सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद कन्नूर पुलिस ने एएसआई पर कार्रवाई की। कन्नूर शहर के पुलिस आयुक्त अजीत कुमार ने बताया कि आरोपी एएसआई के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई धाराएं लगाई गई हैं और उसे निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

2023 में 6 लाख बच्चों को टीका नहीं लगाने वाला दुनिया का दूसरा देश बना भारत

नई दिल्ली। भारत में 2023 में एक भी बच्चे को कोई सा टीका नहीं लगा है। ऐसा करने वाला दुनिया का दूसरा देश भारत बन गया है। यहां 16 लाख बच्चे ऐसे हैं जिन्हें कोई भी टीका नहीं लगा है। पहले नंबर पर नाइजीरिया है जहां ऐसे बच्चों की संख्या 21 लाख है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ की एक रिपोर्ट से मिली है। इस रिपोर्ट में देशों की ओर से 1 जुलाई, 2024 तक दी गई जानकारी के आधार पर साल 2023 के लिए टीकाकरण कवरेज का अनुमान लगाया गया है। इस रिपोर्ट के लिए विश्व बैंक के 2024 के डेवलेपमेंट इंडीकेटर्स और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या विभाग के 2024 के आंकड़ों का भी इस्तेमाल किया गया है।रिपोर्ट में बताया गया है कि बिना किसी टीके वाले बच्चों की संख्या पिछले साल के मुकाबले थोड़ी बढ़ी है। अब ऐसे बच्चों की संख्या 1 करोड़ 39 लाख से बढ़कर 1 करोड़ 45 लाख हो गई है। यह संख्या साल 2019 के मुकाबले भी 17 लाख ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ बच्चों को पहला टीका लगवाने के बाद तीसरा टीका नहीं लग पाता है। इस तरह बिना टीका या अधूरे टीके वाले बच्चों की कुल संख्या 2023 में 2 करोड़ 10 लाख हो गई है जो पहले के आंकड़े से 27 लाख ज्यादा है।भारत में बिना खसरे का टीका लगवाने वाले बच्चों की संख्या भी तीसरे नंबर पर है। ऐसे बच्चों की संख्या 16 लाख है। पहले और दूसरे नंबर पर नाइजीरिया (28 लाख) और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (20 लाख) हैं।

पाकिस्तान की गोद में बैठा हिजबुल मुजाहिद्दीन का आतंकी, कश्मीर पर उगल रहा जहर

नई दिल्ली। हिजबुल मुजाहिदीन का मकसद कश्मीर में एक इस्लामी राज्य बनाना है और जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान में विलय करना है। इस आतंकी संगठन ने कश्मीर में खूब खून-खराबे किए हैं। 1990 के दशक में कई आतंकी हमलों और नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की हत्याओं, बम विस्फोटों और राजनीतिक नेताओं की हत्याओं को अंजाम दे चुका है। इसके लिए आए दिन आतंकी कायराना हरकते करते रहते हैं। कश्मीरियों को भड़काते हैं उन्हे लालच देते हैं और अपनी आतंक की दुकान चलाने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाते हैं। हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठनों के आतंकियों का यह इंटरव्यू दिखाता है कि कैसे पाकिस्तान चिकनी-चुपड़ी बातें करता है, मगर पीठ पीछे वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान या फिर उसके कब्जे वाले कश्मीर में बैठकर हिजबुल के कमांडर शमशीर खान ने एक डिजिटल चैनल को जेके बोल को अपना इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में हिजबुल कमांडर शमशीर खान कश्मीर पर जहर उगल रहा है। अभी जगह कन्फर्म नहीं है। वह कहता है कि हिजबुल मुजाहिदीन का मकसद भारतीय सेना का डटकर मुकाबला करना है और उन्हें चैन से नहीं बैठने देना है। शमशीर खान ने उस बात का भी जिक्र किया कि कैसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी बुरहान वानी को हीरो बताया था। बता दें कि हिजबुल मुजाहिद्दीन एक आतंकी संगठन है। इसे भारत समेत दुनिया के कई देश आतंकवादी संगठन घोषित कर चुके हैं। हिजबुल मुजाहिदीन के डिप्टी सुप्रीम कमांडर शमशीर खान का यह इंटरव्यू ऐसे वक्त में आया है, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में आतंकियों ने कठुआ में हमला किया था, जिसमें भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। इससे पहले माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही एक बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। उस आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 घायल हो गए थे।

बाबा पर लगा देवी कुंड को स्विमिंग पूल बनाने का आरोप

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में सुंदरढुंगा में सरकारी जमीन हड़पने का एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक बाबा ने ग्लेशियर पर चोरी-छिपे मंदिर बना डाला। इस बाबा का नाम योगी चैतन्य आकाश है और उनका दावा है कि देवी भगवती उनके सपने में आई थीं और पहाड़ों पर 5,000 मीटर (16,500 फीट) से ज्यादा की ऊंचाई पर मंदिर बनाने का आदेश दिया था। योगी चैतन्य के इस दावे पर वहां पास के ही गांव में रहने वाले लोग भी सवाल उठाते हैं। इसी में एक महेंद्र सिंह धामी भी हैं, जिन्होंने बाबा पर देवी कुंड को अपवित्र करने का आरोप लगाया है। वहीं एक और शख्स प्रकाश कुमार कहते हैं, 'ये तो ईशनिंदा है! सदियों से हर 12 साल में नंदा राज यात्रा के दौरान देवी-देवता देवी कुंड में आते हैं। इस बाबा ने लोगों को गुमराह करके हमारी परंपराओं के खिलाफ ये मंदिर बना डाला है।' गांववालों की इन आपत्तियों के बाद अब प्रशासन की भी नींद खुली है और उन्होंने इस अवैध निर्माण की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कपकोट के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट अनुराग आर्य ने बताया कि वन विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग के कुछ लोग जल्द ही देवी कुंड जाएंगे। अतिक्रमण हटाकर योगी चैतन्य के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बारे में अभी पता चला है।' वहीं ग्लेशियर रेंज के रेंजर एनडी पांडे ने बताया, 'हमें इस बारे में जानकारी मिली है।

केरल में भारी बारिश से मची तबाही, दीवार गिरने से मां-बेटे की मौत

पलक्कड़। केरल में भारी बारिश से पलक्कड़ जिले में एक मकान की दीवार ढहने से मां और बेटे की मौत हो गई। मध्य और उत्तरी केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण घर की दीवार गिरने से मां और बेटे की मौत हो गई है। इस बारिश ने राज्य में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। यह घटना पलक्कड़ जिले के वडक्कनचेरी थाना क्षेत्र के कोट्टेकड़ में हुई है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सुलोचना और उनके बेटे रंजीत के रूप में हुई है। यह घटना जब घटी जब मां और बेटा सो रहे थे तो उनके पुराने घर की दीवार उनके ऊपर गिर गई, जिसमें दोनों दब गए और उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह लोगों ने देखा तो दोनों की मौत हो चुकी थी। अधिकारियों ने बताया कि मध्य और उत्तरी जिलों के कई इलाकों से पेड़ उखड़ने और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। अधिकारियों ने कहा कि पानी छोड़ने के लिए मलंकारा और कल्लारकुट्टी बांधों के शटर खोल दिए गए हैं। इस वजह से पेरियार, मुथिराप्पुझा, थोडुपुझा और मुवत्तुपुझा नदियों के तटों पर रहने वाले लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है।

21 जुलाई को सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, राहुल हो सकते हैं शामिल, टीएमसी की दूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। मोदी सरकार के लिए दोबारा सत्ता में आने के बाद यह पहली बड़ी परीक्षा होगी। यही कारण है कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध, दिल्ली में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और सरकारी कामकाज की अत्यावश्यकताओं के अधीन, सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है।

विशेष रूप से, यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पहली अपेक्षित उपस्थिति है। बैठक का उद्देश्य आगामी सत्र के लिए प्रमुख एजेंडों और रणनीतियों पर चर्चा करना है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने पुष्टि की कि बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं होगा। उन्होंने 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में उद्धृत किया, जो 1993 में कोलकाता पुलिस गोलीबारी की घटना के दौरान दुखद रूप से मारे गए 13 कांग्रेस समर्थकों की याद में हर साल मनाया जाता है। यह घटना पश्चिम बंगाल में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार के तहत राज्य सचिवालय, राइटर्स बिल्डिंग तक मार्च के दौरान हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला केंद्रीय बजट (2024-25) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में पेश करेंगी। संसद सत्र एक दिन पहले शुरू होगा और 12 अगस्त को समाप्त होगा। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा था कि भारत के राष्ट्रपति ने, भारत सरकार की सिफारिश पर, 22 जुलाई, 2024 से 12 अगस्त, 2024 तक बजट सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट 2024-25 23 जुलाई, 2024 को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

पाकिस्तान कश्मीर में नहीं हुआ कामयाब...जम्मू में बढ़ा रहा आंतकी गतिविधि : पूर्व डीजीपी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी कुलदीप हुड्डा ने जम्मू में बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व डीजीपी हुड्डा ने कहा, पाकिस्तान का मिशन साफ है। वह अब जम्मू में गतिविधियों को बढ़ाना चाहता है, क्योंकि पाकिस्तान कश्मीर में कामयाब नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ऑल आउट के तहत कश्मीर में पाकिस्तान का सफाया हुआ और इसलिए अब वैसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां पर सुरक्षाबलों की कमी है। आमतौर पर जिन क्षेत्रों में शांति रही है, अब उन जगहों पर आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे सेना का ध्यान जम्मू में बढ़ रही आतंकी घटनाओं की ओर जाए, जिससे वे कश्मीर में फिर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे सके। पूर्व डीजीपी हुड्डा ने कहा कि बीते कुछ समय में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं, इसलिए घुसपैठ को रोकने के लिए प्रयास किया जाए, चाहे तकनीकी या ह्यूमन सप्लीमेंट की जरूरत है, ऐसी सभी चीजों की मदद ली जाए। पाकिस्तान को डील करने के तरीकों में बदलाव लाने की जरूरत है, क्योंकि वह पिछली घटनाओं से सबक लेने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा, उरी हमले के बाद भारत की ओर से सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी, जिसके बाद पाकिस्तान खामोश बैठ गया था। मगर अब आंतकियों ने अपना एजेंडा फिर शुरू किया है। इसलिए अब और भी जरूरी हो जाता है कि भारत उनके खिलाफ एक्शन ले। जम्मू-कश्मीर में आतकवाद को बढ़ावा देने की जो कोशिश की जारी है, उन्हें नाकाम किया जाए।

फिर गरमाया कावेरी जल विवाद, नाराज सीएम स्टालिन ने की सर्वदलीय बैठक, कर्नाटक का है अपना दावा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु को कावेरी जल की कम मात्रा जारी करने पर कर्नाटक सरकार का रुख अत्यधिक निंदनीय है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कावेरी जल विवाद पर आज सर्वदलीय बैठक की। एमके स्टालिन ने कहा कि इस सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु को कावेरी का पानी देने से इनकार करने पर कर्नाटक सरकार की कड़ी निंदा की गई। हम सीडब्ल्यूआरसी से आग्रह करते हैं कि वह कर्नाटक सरकार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश और सीडब्ल्यूएमए के आदेश के अनुसार तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ने का आदेश दे।

15 जुलाई, 2024 तक, कर्नाटक के चार मुख्य बांधों में कुल भंडारण 75.586 टीएमसी फीट है, तमिलनाडु के मेट्टूर जलाशय में जल स्तर मात्र 13.808 टीएमसी फीट है। किसानों ने कर्नाटक सरकार से तमिलनाडु के लिए कावेरी जल छोड़ने की मांग को लेकर त्रिची, थिरुच्ची नगर में कर्नाटक बैंक के सामने विरोध प्रदर्शन किया। कावेरी के पानी के कारण 20 वर्षों से अधिक समय से मुकदमेबाजी चल रही है। यह एक राजनीतिक मुद्दा है जिस पर 150 वर्षों से अधिक समय से बहस चल रही है।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद पर बढ़ते तनाव के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आपसी समझ की आवश्यकता पर जोर देते हुए बातचीत और सहयोग के लिए खुलापन व्यक्त किया है। शिवकुमार ने जल आवंटन पर चल रही चर्चा को संबोधित करते हुए कहा, 'तमिलनाडु को मिलने का पूरा अधिकार है, जैसे हम मिलते हैं। हम उनकी बैठक पर आपत्ति नहीं करते हैं। यह उनका कर्तव्य है।' उन्होंने तमिलनाडु की हालिया कार्रवाइयों पर सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया लेकिन कावेरी क्षेत्र में जल प्रवाह में सकारात्मक विकास पर प्रकाश डाला।

इस बीच, बीजेपी नेता सीटी रवि ने कहा कि राज्य तभी पानी छोड़ सकता है, जब उसके पास होगा। उन्होंने कहा, 'सीडब्ल्यूआरसी (कावेरी जल विनियमन समिति) आमतौर पर अपना फैसला अगस्त में देती है, लेकिन इस साल जुलाई में दिया गया। पिछले साल सूखा पड़ा था और इस साल भी हमें 30 फीसदी बारिश की कमी के साथ ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। हम पानी तभी छोड़ सकते हैं जब हमारे पास पानी होगा। यह बारिश पर निर्भर करता है। अगर बारिश अच्छी होती है तो हम तमिलनाडु की मांग से ज्यादा पानी छोड़ सकते हैं।'

अब फिलिस्तीन की मदद को आगे आया भारत, 2.5 मिलियन डॉलर की भेजी पहली किस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में महीनों से हमास और इजराइल के बीच युद्ध जारी है जिसमें हजारों बेगुनाह फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है और लाखों बेघर हो गए हैं जो शिविरों में अपनी जिंदगी गुजारने पर मजबूर हैं। इजराइली हमलों के चलते उन तक मदद पहुंचा भी मुश्किल हो रही है। इसी बीच अब फिलिस्तीनी शरणार्थियों की मदद के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त जारी कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने 2024-25 के लिए पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर के अपने वार्षिक योगदान के हिस्से के रूप में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त भेज दी है। भारत ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी जिसने 1950 से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए प्रत्यक्ष राहत के कार्यक्रम चलाए हैं। गाजा में इजरायल-हमास युद्ध के बीच अपने कामकाज को बनाए रखने के प्रयास कर रहा है।

पिछले कुछ सालों में फिलिस्तीनी शरणार्थियों और उनके कल्याण का समर्थन करने के अपने प्रयास में भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत और सामाजिक सेवाओं सहित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्य कार्यक्रमों और सेवाओं के लिए 2023-24 तक 35 मिलियन अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता फिलिस्तीनी शरणार्थियों को प्रदान की है। हाल ही में न्यूयॉर्क में आयोजित यूएनआरडब्ल्यूए सम्मेलन में भारत ने कहा था कि वित्तीय मदद के अलावा वह एजेंसी के विशिष्ट अनुरोध के आधार पर यूएनआरडब्ल्यूए को दवाएं भी देगा और फिलिस्तीन के लोगों को एक सुरक्षित वक्त पर निरंतर मानवीय मदद की आपूर्ति के लिए अपने वादे को निभाएगा।

किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ने 19वीं वर्षगांठ का भव्य समारोह मनाया

एजेंसी

नई दिल्ली : आभूषण उद्योग में एक अग्रणी नाम किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ने लोनावाला में एक भव्य समारोह के साथ अपनी 19वीं वर्षगांठ 14 जुलाई को मनाई। यह समारोह शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खुदरा विक्रेताओं, फ्रेंचाइजी और कर्मचारियों की सराहना और पुरस्कार देने के साथ चिह्नित किया गया, जिन्होंने वर्षों में ब्रांड की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस समारोह में प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया, निदेशक पराग शाह और ढोलकिया परिवार की अगली पीढ़ी हितार्थ ढोलकिया और रूविन ढोलकिया की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। उन्होंने नवाचार, ग्राहक संतुष्टि और सतत विकास पर जोर देते हुए भविष्य के लिए अपनी दृष्टि साझा की। प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने अपने संबोधन में कहा, ₹जैसा कि हम उत्कृष्टता के 19 साल मना रहे हैं, हम अपने भागीदारों और कर्मचारियों के अटूट समर्थन और समर्पण के लिए आभारी हैं। हमने एक ऐसा ब्रांड बनाया है जो विश्वास और गुणवत्ता का प्रतीक है। भविष्य के लिए हमारी दृष्टि इस विरासत को जारी रखना है, नए रुझानों और प्रौद्योगिकियों को अपनाना है ताकि हम अपने ग्राहकों की बेहतर सेवा कर सकें। निदेशक पराग शाह ने कहा, हमारी यात्रा अद्वितीय रही है, और यह हमारी टीम की कड़ी मेहनत और हमारे ग्राहकों की निष्ठा है जिसने हमें यहां तक पहुंचाया है। हम किसना की उच्च मानकों को बनाए रखने और विकास के नए रास्ते तलाशने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम में आगामी उत्पाद लाइनों पर प्रस्तुतियां, टॉप मैनेजमेंट के साथ इंटरैक्टिव सत्र और एक गाला डिनर सहित कई आकर्षक गतिविधियां भी शामिल थीं। शाम की मुख्य विशेषता पुरस्कार समारोह थी, जहां शीर्ष प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों, रिटेलर्स एवं फ्रैंचाइजी पार्टनर्स को उनके असाधारण योगदान एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थनगर, हर निवासी की सुरक्षा और संतुष्टि हमारी जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते एक माह से अपने सपनों के घर को तोड़े जाने की भ्रामक खबरों से परेशान पंतनगर, इन्द्रप्रस्थनगर एवं रहीमनगर आदि क्षेत्रों के लोगों की समस्या का समाधान कर दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे प्रभावित परिवारों के भय और भ्रम का समाधान करते हुए ने मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थ नगर, वहां निवासरत लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। संबंधित प्रकरण में एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। फ्लड प्लेन जोन में निजी भूमि भी सम्मिलित है। लेकिन निजी भूमि को खाली कराने की न तो वर्तमान में कोई आवश्यकता है और न ही कोई प्रस्ताव है। निजी भूमियों में बने निजी भवनों के ध्वस्तीकरण का कोई विषय विचाराधीन नहीं है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि फ्लड प्लेन जोन चिन्हींकरण के दौरान भवन निर्माणों पर लगाये गये संकेतों से आम जन में भय और भ्रम फैला है, इसका कोई औचित्य नहीं था और इसके लिए जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने उक्त क्षेत्र में साफ-सफाई व जनसुविधाओं के विकास के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तत्काल क्षेत्र में विजिट करें, लोगों से मिलें और उनका भय और भ्रम दूर किया जाए। प्रभावित परिवारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रिवर बेड विकसित करने में यदि कोई निजी भूमि पर बना भवन निर्माण आता है, जिसका प्रमाणित स्वामित्व किसी निजी व्यक्ति का है, उसे नियमानुसार समुचित मुआवजा देकर ही अधिग्रहीत किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद प्रसन्नचित परिवारों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और 'योगी है तो यकीन है' के नारे भी लगाए।

बता दें कि कुकरैल नदी को प्रदूषण मुक्त एवं पुनर्जीवित करने के सम्बन्ध में सिंचाई विभाग द्वारा विगत दिनों एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा (NMCG) की अधिसूचना-2016 के क्रम में उक्त कार्यवाही की जा रही है। कुकरैल नदी के दो प्लेन चिन्हित किये गये हैं। पहला, नदी तल और दूसरा फ्लड प्लेन जोन। रिवर बेड लगभग 35 मीटर चौड़ाई में तथा फ्लड प्लेन जोन नदी किनारे से 50 मीटर तक सिंचाई विभाग द्वारा चिन्हित किया गया है। कतिपय व्यक्तियों द्वारा फ्लड प्लेन जोन के चिन्हांकन के सम्बन्ध में कई मिथ्या तथ्यों को प्रचारित किया जा रहा था, जिसे लेकर स्थानीय जनता में भय और भ्रम का माहौल था।

'आप' को दफ्तर के लिए जगह दीजिए, दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र को दिया आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपने पार्टी कार्यालय के लिए सामान्य पूल से अस्थायी आधार पर एक आवास इकाई आवंटित करने के आम आदमी पार्टी (आप) के अनुरोध पर निर्णय लेने के लिए केंद्र को 25 जुलाई तक का समय दिया। 4 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने आप को राउज एवेन्यू में अपना कार्यालय 15 जून तक खाली करने के लिए कहा क्योंकि विचाराधीन भूमि न्यायिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए आवंटित की गई थी। 5 जून को उच्च न्यायालय ने केंद्र को छह सप्ताह के भीतर अस्थायी आवास के लिए पार्टी के अनुरोध पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

भाजपा की हार का निकाला सार....संविधान बदलने, आरक्षण खत्म, अतिआत्मविश्वास और विदेशी ताकतों का हाथ

-सभी नेताओं ने माना ब्रांड मोदी का जलवा कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा की उम्मीदों से पारे रहे। उसके बाद से ही पार्टी में मंथन का दौर जारी है। इस लेकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में अब तक मीटिंग्स हो चुकी हैं। इन बैठकों में कुछ दिलचस्प सवाल भी उठे हैं कि आखिर भाजपा को चुनाव में इसतरह के नतीजे क्यों देखने पड़े। बैठकों में राज्य के नेताओं के अलावा केंद्रीय स्तर से भी नेताओं को पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा जा रहा है। यूपी में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद मौजूद थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन समीक्षा बैठकों में 7 बातें प्रमुखता से कही जा रही हैं।

बैठक में एक बात सभी ने कही कि विपक्ष की ओर से संविधान बदलने और उसके आधार पर आरक्षण खत्म करने की अफवाह फैलाई गई। इसका असर यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में दिखाई दिया, जहां ओबीसी और दलित वर्ग की अच्छी खासी आबादी है। इसके अलावा महाराष्ट्र में भी ऐसी ही चर्चा हुई। वहां सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि इन अफवाहों के चलते नतीजे खराब हुए हैं। सीएम शिंदे ने माना कि एनडीए विपक्ष की ओर से फैलाई गई इन अफवाहों की काट नहीं कर सका।

लेकिन भाजपा की मीटिंग्स में कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में विदेशी ताकतों का दखल था। राजस्थान में हुई समीक्षा बैठक में सवाल उठा था। वहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विनय सहस्त्रबुद्धे की मौजूदगी में हुई मीटिंग में कहा गया कि इन चुनावों में विदेशी हाथ था। विदेशी ताकतें चाहती हैं कि भारत से मोदी के शासन को खत्म कर दिया जाए। बता दें कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी ऐसा ही संकेत दिया।

सभी समीक्षा बैठकों में एकसुर से कहा गया कि कांग्रेस के 99 तक पहुंचने की वजह गठबंधन है। यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में गठबंधन का फायदा मिला है और सरकार के खिलाफ जाने वाला वोट जब एकजुट हुआ.....भाजपा को नुकसान हुआ और कांग्रेस फायदा ले गई।

क्या इन चुनाव नतीजों ने ब्रांड मोदी पर सवाल खड़े किए हैं? भाजपा में सभी नेता एकजुटता के साथ पीएम नरेंद्र मोदी का जलवा कायम रहने की बात कर रहे हैं। इन नेताओं का कहना है कि पार्टी ने आत्मविश्वास, आपसी कलह की वजह से नुकसान उठाया है, लेकिन पीएम मोदी का जलवा जनता के बीच पहले की तरह कायम है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम के पद से इस्तीफा तक देने को कह दिया था और खराब नतीजों की जिम्मदारी भी ली थी।

अतिआत्मविश्वास के चलते हार की बात भाजपा में लगातार कही जा रही है। योगी ने कहा कि हम लोग अतिआत्मविश्वास में आ गए। इसका नतीजा है कि चुनाव नतीजों के बाद अब जो विपक्ष कहीं कोने में बैठा था,

वह अब उछल रहा है।

वहीं भाजपा में आपसी कलह की बातें खूब कही जा रही हैं। पिछले दिनों संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी आए थे। तब कई नेताओं ने कहा कि आपसी कलह के चलते तमाम सीटें गंवा दीं। मुजफ्फरगर जैसी हाईप्रोफाइल सीट की खूब चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि यहां संगीत सोम और संजीव बालियान के बीच आपसी कलह के चलते नतीजा खिलाफ आया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**